एफडीडीआई अधिनियम 2017 के अन्तर्गत एक
राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई)

2020-21
वार्षिक प्रतिवेदन

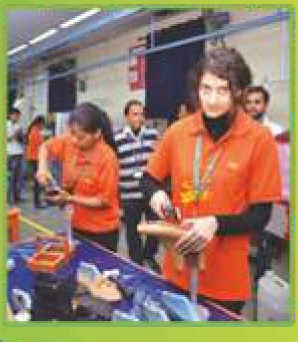

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

भारत में एफडीडीआई के परिसर

एफ.डी.डी.आई.

ध्येय

“हमारे प्रयास उस दिशा में होंगे, जो हमारे उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता, प्रतिक्रिया और लागत प्रभावशीलता के कारण इस संस्थान को फैशन, डिजाइन, प्रौद्योगिकी और खुदरा प्रबंधन के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी बनाता है।”

“भारत को दुनिया में फुटवियर डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के लिए अग्रणी केंद्र बनाने के हमारे प्रयास में, हम भारतीय उद्योग के लिए डिजाइन, विकास, उत्पादन और सहायता सेवा के लिए उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे।”

एफ. डी. डी. आई. के द्वारा डिजाइन और प्रशिक्षण में

वैश्विक हस्तक्षेप

विषय-वस्तु

		पृष्ठ सं.
1.	अध्यक्ष का संदेश	02
2.	प्रबंध निदेशक का संदेश	03
3.	धन्यवाद ज्ञापन	04
4.	सूचना	05
5.	शासी परिषद् के सदस्यों की सूची	06
6.	एफडीडीआई का परिचय और परिसरों के बारे में	07
7.	प्रदर्शन झलकियां	21
8.	मील के पत्थर	36
9.	भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट	77
10.	वित्तीय रिपोर्ट	82
11.	वेबिनार आयोजित	96

अध्यक्ष का संदेश

भारतीय फुटवियर उद्योग, जो संपूर्ण भारतीय चमड़ा उद्योग के लिए विकास का इंजन है, समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, अनिश्चितता के दौर से गुजरा है, खासकर विनाशकारी कोविड-१९ महामारी से। लेकिन इस महामारी के बावजूद, एफडीडीआई जूते और चमड़ा उद्योग की अपेक्षाओं पर खरा उतरा और उन्हें पूरा सहयोग दिया, साथ ही दूसरे क्षेत्रों में भी गति बढ़ाएं रखना जारी रखा।

शैक्षणिक मोर्चे पर, एफडीडीआई गूगल क्लास रूम प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित हुआ और शैक्षणिक कैलेंडर के अनुरूप पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। पेशेवरों के सहयोग से छात्रों को चमड़ा, फैशन, जूते और खुदरा उद्योग के कौशल प्रदान करने के लिए एफडीडीआई द्वारा पैंतीस से अधिक वेबिनार आयोजित किए गए।

कोविड की अनिश्चितताओं तथा नियुक्तिकर्ताओं और विद्यार्थियों की गतिशीलता में कमी के बावजूद, कुल मिलाकर, प्लेसमेंट की व्यवस्था सुचारू रूप से चला। २०२१ के बैच से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट प्रक्रिया में सौ से अधिक कंपनियों ने भाग लिया।

अकादमिक क्षेत्र से इतर, संस्थागत क्षमता निर्माण के लिए एफडीडीआई ने केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान (सीएलआरआई), चमड़ा उद्योग विकास संस्थान (एलआईडीआई), इथियोपिया के साथ पाच वर्षो के लिए एक समझौता किया है। एमओयू में सात प्रमुख गतिविधियां शामिल हैं जिसमें पाठ्यक्रम की रूप-रेखा, गैर-चमड़ा क्षेत्र के लिए समर्थन सहित, संकाय प्रशिक्षण और औद्योगिक परामर्श प्रमुख हैं।

मैं, अरुण कुमार सिन्हा, भा.प्र.से., प्रबंध निदेशक, के सक्षम मार्गदर्शन में एफडीडीआई के कर्मचारियों के योगदान को स्वीकार करता हूं और एफडीडीआई ने पिछले एक साल में प्रगति की दिशा में जो किया है उसे ध्यान में रखते हुए एफडीडीआई के भविष्य को लेकर आशांवित हूं।

आने वाले वर्ष के लिए मैं आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं।

नोएल एन. टाटा
अध्यक्ष, एफडीडीआई,शासी परिषद

प्रबंध निदेशक का संदेश

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) ने कोविड-१६ महामारी के बावजूद एक और वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, और १४.६६ करोड़ रुपये का अधिशेष प्राप्त किया।

कोविड के खतरे को ध्यान में रखते हुए, संस्थान ने अपने परिसरों में कोविड के प्रकोप से बचने और सुचारू रूप से संचालन बनाए रखने के लिए घर से काम, कार्यालय में बारी-बारी से उपस्थिति, परिसर की सफाई और परिसरों में आइसोलेशन वार्ड बनाने सहित कई निवारक उपाय किए। शैक्षणिक मोर्चे पर, ऑनलाइन कक्षाओं को जारी रखने के अलावा, संस्थान ने हमारे छात्रों के कौशल और ज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए कई ऑनलाइन संगोष्ठी और वेबिनार आयोजित किए। हम विशेषज्ञों और उद्योग के साथ परामर्श के माध्यम से पाठ्यक्रम को उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप लाने के लिए भी कदम उठा रहे हैं।

पिछले वर्ष के दौरान, एफडीडीआई ने भी उद्योग को सहयोग देने के लिए कदम उठाए। १५ मार्च से २१ मार्च २०२१ तक, फिक्की तथा सीएलई के सहयोग से, हमने वीएलएफई २०२१ का आयोजन किया, जो देश का पहला आभासी प्रदर्शनी तथा जूते और चमड़े के उत्पादों पर सम्मेलन है। इस सम्मेलन के दौरान, कई आभासी सत्र का आयोजन किया गया, जहां गणमान्य व्यक्ति और विशेषज्ञों ने सामयिक मुद्दों पर चर्चा की।

असंगठित क्षेत्र को सहयोग देने के लिए, एफडीडीआई ने बिहार (मधुबनी) के सिसवार और चौरी गांव में प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए ताकि कारीगरों को फ्लावर पॉट , स्त्रियों के बैग, मोबाइल स्टैंड, पेन स्टैंड, फोटो फ्रेम, कार्ड होल्डर और घरेलू सजावट के उत्पाद पर मधुबनी पेंटिंग बनाने का प्रशिक्षण दिया जा सके। ये वस्तुएँ मुख्य रूप से चमड़े की वस्तुएं हैं जिनका उपयोग व्यावसायिक उद्देश्य के लिए किया जाता है।

हमने जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तर पूर्व भारत में भी कौशल के अवसरों का पता लगाया। लांगेई गांव में नव स्थापित प्रशिक्षण केंद्र में चमड़े के सामान पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इंफाल (नोंगपोक संजेबम) पूर्वी जिला, में कौना का उपयोग करके मूल्यवान उत्पाद बनाने के लिए घास, बेंत, बांस, आदि का प्रयोग किया गया। एफडीडीआई द्वारा जम्मू में बिश्नाह और देवली में इसी प्रकार के वस्तु में चमड़े के उपयोग के साथ मूल्यवान वस्तुएं बनाई गई। ये कार्यशालाएं माननीय प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल', 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्यों को पूरा करती हैं तथा प्रशिक्षुओं के रूप में नए उत्पाद, विचारों, पारंपरिक शिल्प बनाने का प्रोत्साहन देती है।

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि एफडीडीआई वर्तमान में अपने कुछ परिसरों में विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित कर रहा है। इन केंद्रों द्वारा नए उत्पाद डिजाइन और आद्यरूप, मौजूदा उत्पादों में सुधार का विकास और ऊष्मायन केंद्रों के रूप में कार्य करके उद्यमशीलता कार्यक्रमों के लिए उद्योगों को प्रोत्साहन प्रदान करेंगे।

इन कठिन समय के दौरान, मैं अपने कर्मचारियों को उनके साहस और समर्पण के लिए प्रशंसा व्यक्त करना चाहता हूं।

मैं माननीय वाणिज्य उद्योग मंत्री, दोनों माननीय राज्य मंत्री, वाणिज्य और उद्योग, सचिव (डीपीआईआईटी), संयुक्त सचिव (वाणिज्य), अतिरिक्त सचिव (डीपीआईआईटी),संयुक्त सचिव (डीपीआईआईटी), मंत्रालयों के अन्य अधिकारी, और शासी परिषद को भी धन्यवाद देना चाहता हुँ और एफडीडीआई की गतिविधियों में मार्गदर्शन और गहरी रुचि बनाए रखने की आशा करता हूं।

अरुण कुमार सिन्हा, भा.प्र.से.
प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई

धन्यवाद ज्ञापन

शासी परिषद (जी.सी.) माननीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री,(भारत सरकार), श्री पीयूष गोयल द्वारा उद्योग के अनुकूल नीतियां बनाने में विभिन्न पहल और उनका जूते और चमड़ा उद्योग के लिए निरंतर समर्थन के लिए अपना आभार व्यक्त करती है।

शासी परिषद (जी.सी.) श्री सोम प्रकाश, माननीय राज्य मंत्री, वाणिज्य और उद्योग और सुश्री अनुप्रिया पटेल, माननीय राज्य मंत्री, वाणिज्य और उद्योग (भारत सरकार) का फुटवियर और चमड़ा उद्योग को प्रदान की जाने वाली सदा एक समान सहायता प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त करती है।

शासी परिषद (जी.सी.) भारतीय फुटवियर और चमड़ा उद्योग को उनके समर्थन के लिए माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को धन्यवाद व आभार व्यक्त करती है।

शासी परिषद (जी.सी.) एफडीडीआई को दिया गया सहयोग और सहायता के लिए वाणिज्य विभाग (डीओसी) और विशेष रूप से श्री बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम, आईएएस, वाणिज्य सचिव और सुश्री निधि मणि त्रिपाठी, आईएएस, संयुक्त सचिव, डीओसी को जूते और चमड़े के उत्पाद उद्योग की समस्याओं को हल करने, इसे समर्थन तथा मार्गदर्शन देने के लिए आभार व्यक्त करती है।

शासी परिषद (जी.सी.) एफडीडीआई को दिए गए सहयोग और सहायता के लिए आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआइआइटी) और विशेष रूप से श्री अनिल अग्रवाल, अतिरिक्त सचिव, डिपीआइआइटी सुश्री श्रुति सिंह, आईएस, संयुक्त सचिव, डीपीआआईआईटी द्वारा समर्थन और मार्गदर्शन तथा एफडीडीआई और इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए नियमित मार्गदर्शन और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए उनका आभार व्यक्त करती है।

शासी परिषद (जी.सी.) एफडीडीआई द्वारा संचालित पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के उन्नयन और छात्रों की नियुक्ति के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव देने व एफडीडीआई की विभिन्न सेवाओं में सुधार के लिए चमड़ा और फुटवियर उद्योग तथा खुदरा क्षेत्र के प्रति आभार व्यक्त करती है। हम भविष्य में भी इसी तरह के सहयोग और सहायता की आशा करते हैं।

शासी परिषद (जी.सी.) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और अन्य राज्य सरकारों के अधिकारियों और कर्मचारियों को भारतीय फुटवियर और चमड़ा उत्पाद उद्योगों के संवर्धन के लिए बहुमूल्य सहयोग और सहायता प्रदान करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करती है।

NOTICE

Footwear Design & Development Institute,
Ministry of Commerce & Industry, Government of India,
A-10/A, Sector 24, Noida – 201301

From: "POOJA PANWAR" <pooja.panwar@fddiindia.com>
To: "mayank jha" <mayank.jha@trent-tata.com>, "Ms Nidhi Tripathi" <tnidhim@ias.nic.in>, "Mrs Rupa Dutta" <rupa.dutta@nic.in>, "Ms Sunita Sanghi" <ssanghi@gov.in>, "CLE ." <cle@cleindia.com>, motilalsethi@saroj.com, sanjaygupta@sandeeprubber.in, adeshgupta@libertyshoes.com, "aravendan muthusamy" <aravendan.muthusamy@nift.ac.in>, "DIRECTOR CLRI" <director@clri.res.in>, nomesh@mech.iitd.ac.in, "Anil Agrawal" <agrawal.anil@gov.in>, satish@iima.ac.in
Cc: trentho@tata.com, "ARUN KUMAR SINHA, IAS- MANAGING DIRECTOR, FDDI" <md@fddiindia.com>, "Samit Mohapatra" <samit.mohapatra@fddiindia.com>
Sent: Friday, October 29, 2021 11:05:17 AM
Subject: NOTICE FOR 75th MEETING OF GOVERNING COUNCIL OF FOOTWEAR DESIGN & DEVELOPMENT INSTITUTE:REGARDING

REF.No.:FDDI/HO/HR/GC-75/2021

NOTICE FOR 75th MEETING OF GOVERNING COUNCIL OF FDDI

Dear Sir/Madam,

The Notice is hereby given that the 75th **Meeting of the Governing Council** of the Footwear Design and Development Institute(FDDI) will be held on **09.11.2021** (Tuesday) **from 02:00PM to 04:00PM through on line mode on WebEx Platform.**

The Agenda of the meeting will be sent separately.

You are requested to kindly make it convenient to attend the meeting as per the scheduled time.

Thanking you.

Yours Faithfully,

(POOJA PANWAR)
FACULTY (HQ-HR)

From: "POOJA PANWAR" <pooja.panwar@fddiindia.com>
To: motilalsethi@gmail.com, clemotilalsethi@yahoo.c
Sent: Monday, November 8, 2021 11:32:19 AM
Subject: Fwd: NOTICE FOR 75th MEETING OF GOVERNING COUNCIL OF FOOTWEAR DESIGN & DEVELOPMENT INSTITUTE:REGARDING

Sir,

Please find the enclosed Agenda for the **75th Meeting of the Governing Council** of the Footwear Design and Development Institute(FDDI) which is scheduled on **09.11.2021 (Tuesday) from 02:00PM to 04:00PM through on line mode on Microsoft teams.**

Pooja Panwar
Faculty (HQ-HR), Noida

AGENDA ITEMS for the 75TH Governing Council Meeting - 09.11.2021

Item No.	Agenda
75.01	Approval of Annual Financial Statements for the year 2020-21 of FDDI
75.02	Achievements during the year 2020-21 and Budget Estimate for the year 2021-22 of FDDI
75.03	FDDI Service Regulations: (i) Chapter 01 – General Service Conditions (ii) Chapter 02 – Pay & Allowances
75.04	Proposal for introduction / amendment of Recruitment Rules for the managerial cadre posts across various non-teaching domains / departments
75.05	Proposal for increase in sanctioned strength of non-academic manpower for FDDI consequent to splitting of existing “Promotion, Admissions & Placements Department” into separate “Promotion & Admissions Department” and “Placements Department”
75.06	Proposal for change in the nomenclature of “Training Department” to “Student Affairs & Examination”

एफडीडीआई के शासी परिषद् के सदस्य

क्र.सं.	सदस्य का नाम	पद
१	श्री नोएल एन टाटा अध्यक्ष ,एफडीडीआई और अध्यक्ष, ट्रेंट	अध्यक्ष
२	श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई	सदस्य (पदेन)
३	श्रीमती निधि मणि त्रिपाठी, आईएएस संयुक्त सचिव, वाणिज्य विभाग (डीओसी)	सदस्य (पदेन)
४	श्री राजीव सिंह ठाकुर, आईएएस, अपर सचिव, औद्योगिक नीति एवं संबर्धन विभाग (डीपीआईआईटी)	सदस्य (पदेन)
५	श्रीमती रूपा दत्ता आर्थिक सलाहकार/निदेशक-वित्त, वाणिज्य विभाग (डीओसी)	सदस्य (पदेन)
६	सुश्री सुनीता सांघी वरिष्ठ सलाहकार, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई)	सदस्य (पदेन)
७	श्री संजय लीखा अध्यक्ष, चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई)	सदस्य
८	श्री मोतीलाल सेठी अध्यक्ष,भारतीय चमड़ा परिधान संगठन (आइएलजीए)	सदस्य
९	श्री संजय गुप्ता अध्यक्ष, इफकोमा	सदस्य
१०	श्री आदेश गुप्ता वर्तमान अध्यक्ष (राष्ट्रीय फुटवियर समिति), भारतीय उद्योग परिसंघ(२०१८-१९)	सदस्य
११	ड0 एम् अरविंदन एसोसिएट प्रोफेसर और अध्यक्ष-एलडी चमड़ा डिजाइन विभाग, राष्ट्रीय फैशन डिजाइन संस्थान (निफ्ट)	सदस्य
१२	श्री प्रवीण नाहर निदेशक, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी)	सदस्य
१३	ड0 के जे श्रीराम निदेशक, केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान (सीएलआरआई)	सदस्य
१४	प्रो नोमेश बोलिया एसोसिएट प्रोफेसर मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)	सदस्य
१५	प्रो एरोल डीसूज़ा भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद	सदस्य

एफडीडीआई एक परिचय

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एफडीडीआई) की स्थापना वर्ष १९८६ में फुटवियर एवं सहयोगी उत्पाद उद्योगों के विकास एवं प्रोत्साहन के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा की गई है।

इन वर्षों में, एफडीडीआई ने फैशन, चमड़े के उत्पादों और खुदरा व फैशन व्यापार के शिक्षा में विस्तार किया है।

एफडीडीआई एक्ट, २०१७ के अंतर्गत एक 'राष्ट्रीय महत्व की संस्था' की हैसियत पाने वाला यह संस्थान, उद्योग के लिए तैयार पेशेवरों का निर्माण कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी निभा रहा है, और फुटवियर, चमड़ा तथा संबद्ध उद्योग के लिए 'एक प्रौद्योगिकी समाधान प्रदाता' के रूप में कार्य कर रहा है।

एफडीडीआई फुटवियर, चमड़ा, फैशन, खुदरा और प्रबंधन के क्षेत्र में कौशल अंतराल को पाटकर भारतीय उद्योग को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। एफडीडीआई अपनी विशिष्ट पाठ्यक्रम, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और अनुभावी शिक्षकों के साथ एक कुशल मानवशक्ति की मांग को पूरा करके अप्रयुक्त प्रतिभा तथा उद्योग और इसके वैश्विक समकक्षों के बीच अंतराफलक के रूप में काम कर रहा है।

एफडीडीआई नोएडा, फुरसतगंज, चेन्नई, कोलकाता, रोहतक, छिंदवाड़ा, गुना, जोधपुर, अंकलेश्वर, बैनूर, पटना और हैदराबाद में स्थित अपने बारह बेहतरीन परिसरों के माध्यम से प्रशिक्षित मानव संसाधन को तैयार करने के लिए निम्नलिखित दीर्घकालीन पाठ्यक्रमों को संचालित करती है।

संस्थान अपने चार स्कूलों के माध्यम से, एफडीडीआई स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफएसएफडीपी), एफडीडीआई स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफएसएफडी), एफडीडीआई स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एफएसएलजीएडी), और एफडीडीआई स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (एफएसआरएफएम)) निम्नलिखित दीर्घकालिक कार्यक्रम आयोजित करता हैः

स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम (पीजी कार्यक्रम)		
क्र.स.	कार्यक्रम का नाम	अवधि
१.	फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन में मास्टर ऑफ डिजाइन (एम.डेस.)	२ वर्ष (४ सेमेस्टर)
२.	रिटेल एवं फैशन मर्चेंडाइज में मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)	२ वर्ष (४ सेमेस्टर)
स्नातक डिग्री कार्यक्रम (यूजी कार्यक्रम)		
१.	फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन में बैचलर ऑफ डिजाइन (बी.डेस.)	४ वर्ष (८ सेमेस्टर)
२.	फेशन डिजाइन में बैचलर ऑफ डिजाइन (बी.डेस.)	४ वर्ष (८ सेमेस्टर)
३.	लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (बी.डेस.)	४ वर्ष (८ सेमेस्टर)
४.	रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज मे बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बी.बी.ए.)	३ वर्ष (६ सेमेस्टर)

दीर्घकालीन कार्यक्रमों के अलावा, इस क्षेत्र में तकनीकी उन्नयन और क्षमता निर्माण के लिए यह संस्थान अल्पकालिक उद्योग विशिष्ट प्रमाण-पत्र कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

एफडीडीआई पूर्णतया शोध आधारित और अधतरन उद्योग उन्मुख पाठ्यक्रम का अनुसरण करता है। यह प्रतिविधि उन्नत शिक्षण सामग्री की सहायता से छात्रों को पेशेवर तरीके से उनके कौशल महत्वकांक्षाओं का पोषण करने में मदद करती हैं इंटर्नशिप के जरिये व्यावहारिक अनुभव, नौकरी के लिए परामर्श, प्लेसमेंट गतिविधियों और छात्रों को समग्र रूप से भविष्य के अधिकारियों के रूप में तैयार किया जाता है।

एफडीडीआई अपने कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च प्रशिक्षित पेशेवरों के पोषण के लिए विख्यात है। इस संस्थान के पास अपने पूर्व छात्रों तथा उद्योग संपर्कों का एक मजबूत आधार है। देश के लगभग सभी प्रमुख औद्योगिक संस्थान इस संस्था से जुड़े हुए हैं और कार्यक्रमों की रूप रेखा तैयार करने, पाठ्यक्रम अध्ययन, विशेषज्ञता व्याख्यान आदि शैक्षणिक मामलों में इनके शासन परिषद के सदस्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एफडीडीआई, 'राष्ट्रीय महत्व का संस्थान' घोषित होने के उपरांत स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्ट्रोल और पोस्ट डॉक्ट्रोल डिग्री को इस क्षेत्र की आवश्यकतानुसार तैयार करने के लिए स्वायत्तता है। इस नए विकास के साथ, विद्यार्थी उच्च अध्ययन के लिए आवेदन कर सकेंगे और केंद्र/ राज्य सरकारों की नौकरियों के लिए भी आवेदन कर सकेंगे।

आईएनआई के बाद, एफडीडीआई का पाठ्यक्रम संकाय सदस्यों द्वारा बाजार की मांगों और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के सुझावों के अनुसार सुधार किया गया है।

एफडीडीआइ उद्योग की मांग के विभिन्न पाठ्यक्रमों और अंतरराष्ट्रीय स्तर को सुनिश्चित करने के लिए संस्था ने नौर्थम्प्टन विश्वविद्यालय, यूके आर्सुटोरिया स्कूल-मिलान (इटली) जैसे अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शिक्षण संस्थानों से शैक्षणिक समझौता किया है।

संस्थान को प्रतिष्ठित प्रमाणन और मान्यता जैसे आईएसओ १७०२५, दाक्कस (डीएकेकेएस) जर्मनी, सातरा तकनीकी केंद्र यूके आई.एस.ओ. ९००१ और आईएसओ १४००० और भारतीय मानक प्रमाणन व्यूरो सर्टिफिकेशन जैसे संस्थाओं से सत्यापन मिला है।

एफडीडीआई ने देश की सीमा को पार करते हुए स्वयं ट्रेनिंग और कन्सलटेंसी के क्षेत्र में एशियाई देशों जेसे बांग्लादेश, श्रीलंका के अलावा अफ्रीकी देशों जैसे इथोपिया, बोट्सवाना, , नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में नए-नए अवसर तलाश किए है।

एफडीडीआई, नई क्षमताओं को विकसित करने के लिए, कौशल विकास एवं मानव संसाधन में बौद्धिकता के विकास के लिए राष्ट्रीय महत्व की संस्था (आईएनआई) के रूप में पुल का निर्माण करता हैं, इसके लिए छात्रों, शिक्षकों, और कर्मचारियों को सम्मेलनों, प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता रहता है।

एफडीडीआई परिसरों के बारे में

एफडीडीआई के सभी परिसर व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित करते हैं, जो अत्यंत उत्कृष्ट आधारभूत संरचना से लैंस है। उद्योग की मांग के अनुरूप पाठ्यक्रमों के जरिए विद्यार्थियों को दक्ष किया जाता है, जिसमें सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों पक्षों पर समान जोर दिया जाता हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा में टिके रहने हेतु जरूरी सभी कौशल से विद्यार्थियों को उन्नत मशीनरी और संसाधनों द्वारा परिचित कराकर कुशल बनाया जाता है।

एफडीडीआई के परिसरों का निर्माण समग्र विकास के लिए ठोस इमारतों और प्राकृतिक परिवेश के बीच संतुलन स्थापित कर किया गया है।

सभी तरह के पर्व-त्यौहारों को एफडीडीआई के सभी परिसरों में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। एफडीडीआई का फैशन शो भी काफी लोकप्रिय है।

इन परिसरों में खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी नियमित आयोजन होता है ताकि प्रत्येक विद्यार्थी की प्रतिभा पूर्ण रूप से निखर सके।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर

फुटवियर के क्षेत्र में देश की जरूरतों, आकांक्षाओं और फैशन इंडस्ट्री के उभरते रूझानों को पूरा करने हेतु उन्नत मानव संसाधन तैयार करने और दुनिया से प्रतिस्पर्धा करने हेतु इस परिसर की स्थापना की गई है। फुटवियर, चमड़ो का सामान और उभरते बाजारों की नई दुनिया से जोड़कर दक्ष मानव बल तैयार करने के उद्देश्य से इस परिसर की नींव १९८६ में पड़ी।

९ एकड़ की परिधि में फैला यह गुंबदनुमा परिसर हरियाली से युक्त है। प्रकाश के शक्तिशाली व्यवस्था और छायाप्रभाव से यह परिसर बहुत ही भव्य और नाटकीय लगता हैं, जो विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार कर उन्हें नवोन्मेषी बनाता है।

व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए इस परिसर में अत्यंत उन्नत कार्यशाला है, जिसमें कटिंग, क्लोजिंग, कंपोनेंट्स, लास्टिंग, फिनिशिंग आदि सुविधाएं बेहद उमदा रूप से मौजूद हैं। यहां उत्पाद विकास केंद्र (पीडीसी) पुस्तकालय, कक्षाएं, सूचना तकनीकी सेवा केंद्र, अंतरराष्ट्रीय जांच केंद्र (आइटीसी) आदि भी उपलब्ध है।

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर

एफडीडीआई, चेन्नई का परिसर इरूनगट्टुकोट्टई नामक स्थान पर, जो सिपकोट फुटवियर पार्क (चेन्नई से ४० मिनट की ड्राइव पर है) के नजदीक स्थापित है। यह परिसर करीब १५ एकड़, शांत झील के बीच स्थित है जो कांचीपूरम, थिरुवल्लूर और श्रीपेरंबदूर जैसे प्राचीन कला शहरों से घिरा हुआ है।

यह परिसर एडमिन ब्लॉक, वर्कशॉप बिल्डिंग, रिटेल ब्लॉक, रिसोर्स सेंट्रर, ब्यॉज एंड गर्ल्स होस्टल तथा स्टाप क्वार्टर सहित ४ लाख वर्ग फीट से अधिक क्षेत्र में निर्मित यह परिसर अत्यंत उत्कृश्ट है। इस परिसर में एक बेहतरीन बुनियादी ढांचा और आधुनिक सुविधाएं विभिन्न शैक्षिणक कार्यक्रमों के संचालन में मदद करती है। एक हाइटेक कम्प्यूटर लैब और डिजाइन स्टूडियो, कक्षा और लेक्चर के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित एवं वातानूकुलित भवन हैं, नवीनतम मल्टीमीडिया ओडियो-वीडियो, शिक्षण के लिए शैक्षिक सहायता और पूरी तरह सुसज्जित सभागार उपलब्ध है।

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर

एफडीडीआई जोधपुर का पूरा परिसर कृषि विश्वविद्यालय और अम्बेडकर स्कूल से दो तरफ से घिरा हुआ हुआ है और सामने जोधपुर को नागोर/बीकानेर से जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग ६५ है। यह परिसर १७ एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है।

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर में सभी उन्नत और विकसित सुविधाएं उपलब्ध हैं जिनमें विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना, स्मार्ट क्लासरूम, कार्यशालाएं और नवीनतम मशीनें और उपकरण, छात्रों और छात्राओं के लिए अलग-अलग सुविधापूर्वक छात्रावास प्रयोगशाला, पुस्तकालय आदि शामिल हैं।

एफडीडीआई, रोहतक परिसर

एफडीडीआई, रोहतक का परिसर करीब १७ एकड में फैला है जो पूरी तरह फैशन और चमड़ा उद्योग के नवीनतम रूझानों और मांगों पर केंद्रित है।

हरियाणा में लेदर और फुटवियर क्लसटर में काफी संभावनाएं हैं। हरियाणा के वर्तमान समूह जैसे बहादुरगढ़, फरीदाबाद, करनाल और अंबाला आदि तेजी से विस्तार कर रहे हैं और भविश्य के प्रति आश्वास्त करते हैं तथा उसके विकास की प्रक्रिया में यह संस्था उत्प्रेरक के रूप में कार्य कर रही है।

एफडीडीआई रोहतक केंद्र डिजाइन, फैशन और रुझान पूर्वानुमान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के क्षेत्र में उद्योग को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करता है ताकि भारतीय उद्योग वैश्विक बाजार में डिजाइन, लागत, गुणवत्ता और वितरण के मामले में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकें।

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर

भारत में चमड़ा उद्योग के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षित पेशेवरों और कुशल मानव बलों की पूर्ति करने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए कोलकाता लेदर कॉप्लेक्स, कोलकाता में एफडीडीआई का एक केंद्र स्थापित किया गया है।

कोलकाता अपनी समृद्धि सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। एक हाथ में कांथा सिलाई और दूसरी तरफ चमड़े डिजाइनिंग और निर्यात के साथ कोलकाता ने हमेशा फैशन तथा जीवनशैली के कारण दुनिया भर में अपनी उपस्थिति दर्ज की है।

कोलकाता चमड़ा उद्योग से जुड़े सामानों और उत्पादों का केंद्र रहा है। यह संस्थान प्रशिक्षित मानवशक्ति के माध्यम से जूते के डिजाइन, खुदरा और व्यापारिक कार्यक्रमों के साथ-साथ चमड़े के सामान और सहायक उपकरण के डिजाइन पर गहन रूप से ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह कैम्पस १५ एकड़ में फैला हुआ है।

एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर

एफडीडीआई फुर्सतगंज परिसर इन्दिरा गांधी उड़ान अकादमी, फुर्सतगंज, सी.एस.एम. नगर, यू.पी., लखनऊ से ८० मिनट की दूरी तथा चमड़े के उत्पादों तथा जूतों के केन्द्र कानपुर और उन्नाव के नजदीक अवस्थित हैं। खुदरा क्षेत्र में भी लखनऊ और कानपुर के क्षेत्र में अपने बुनियादी ढांचे तथा एफडीडीआई अंतरराश्ट्रीय ब्रांड और गुणवत्ता के अनुरूप बहुत तेजी के साथ विकसित हो रहा है।

अत्यंत सुविधापूर्वक सुसज्जित परिसर में हर तरह की व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़े प्रशिक्षण की अंतरराष्ट्रीय स्तर की व्यवस्था है। यह परिसर संबंधित उद्योग से जुड़े फुटवियर और चमड़े का सामान, उत्पादों की डिजाइन, खुदरा प्रबंधन विशेषता प्रदान करता हैं।

गुणात्मक वैश्विक कैरियर की तलाश करनेवाले इच्छुक युवाओं के लिए यह परिसर सबसे पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभरा है।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा का परिसर इमलीखेड़ा, छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश में छिंदवाड़ा नागपुर रोड पर २० एकड़ भूमि में फैला है। यह संस्थान उन लोगों की मदद करने में अग्रणी है जो अपना उद्योग स्थापित करना चाहते हैं। यह परिसर उनका व्यवसाय बढ़ाने में भी मदद करता है।

एफडीडीआई, गुना परिसर

एफडीडीआई का यह परिसर ग्राम महाराजपुरा पंचायत, हरिपुर, ग्राम पुरापोसर रोड, जिला गुना, मध्य प्रदेश में अवस्थित है।यह परिसर प्रबंधकों, डिजाइनरों, सुपरवाइजरों और खुदरा पेशेवरों को प्रशिक्षित करने हेतु समर्पित है ताकि संबंधित उद्योग में दक्ष मानवबल की कमी दूर की जा सके।

एफडीडीआई, चंडीगढ परिसर

यह एफडीडीआई परिसर राष्ट्रीय राजमार्ग ०७, चंडीगढ़-पटियाला राजमार्ग, बनूर, जिला एस.ए.एस. नगर, मोहाली (चंडीगढ़) पंजाब में ७.२ एकड़ में फैला है जो कि अत्याधुनिक आवास और इमारतों के साथ चंडीगढ़/मोहाली शहर के संस्थागत क्षेत्र के केंद्र में स्थित है।

पर्याप्त वातानुकूलित कक्षाओं,अत्याधुनिक मशीनरी से लैस तकनीकी कार्यशालाओं के अलावा, इसमें सम्मेलन हॉल, सेमिनार हॉल, सभागार, आईटीएससी, डिजाइन स्टूडियो, सीएडी-सीएएम लैब और डिजिटल ई-लाइब्रेरी के साथ-साथ पूरी तरह से सुसज्जित अलग-अलग लड़कियों और लड़कों के छात्रावास हैं।

एफडीडीआई, पटना परिसर

एफडीडीआई का यह पटना परिसर, प्लॉट नं बी-६(पी) मेगा इंडस्ट्रियल पार्क, बिहटा, पटना में स्थित है, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना, बिहार से ३० मिनट की दूरी पर स्थित है।

इस परिसर में फुटवियर तकनीक और प्रबंधन, चमड़ा का सामान और अन्य सामग्रियों की डिजाइन, निर्माण और खुदरा प्रबंधन से जुड़े विषयों पर शिक्षा देने हेतु उन्नत संसाधन मौजूद है।

एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर

एफडीडीआई का यह परिसर गुजरात राजय के भरूज जिले में सूरत के बगल में एनएच-८ मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग से सटे इएसआईसी अस्पताल के नजदीक, जीआईडीसी अंकलेश्वर औद्योगिक स्टेट के पास प्लॉट नं.एच-३३०१ पर अवस्थित है।

१० एकड़ मे फैले इस परिसर मे फुटवियर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग और रिटेल मैनेजमेंट के क्षेत्र में अत्याधुनिक केंद्र हैं। एफडीडीआई अंकलेश्वर परिसर में इंटरैक्टिव और व्यावहारिक उन्मुख प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए विनिर्माण प्रौद्योगिकी के प्रत्येक क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में विशेष कार्यशालाओं के साथ स्मार्ट क्लास रूम बनाए गए हैं।

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर

एफडीडीआई का यह परिसर तेलंगाना राज्य चमड़ा उद्योग प्रचार निगम (टीएसएलआइपीसी) निलेक्स परिसर, एचएस दरगाह, गचीबोवली, बीदर, हैदराबाद रोड, हैदराबाद, तेलंगाना में स्थित है।

यह आईटी उद्योग, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), हैदराबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय (एचसीयू), गोचीबोवली स्टेडियम जैसे शैक्षणिक संस्थाओं से घिरे शहर में अवस्थित है और फिल्म नगर, बंजारा हिल्स तथा जुबली हिल्स आदि जैसे टाउनशिप की भी मांग करता है।

यह परिसर फुटवियर और संबंधित उद्योग के विकास और प्रचार के लिए प्रशिक्षण तथा सेवाओं के अंतरराष्ट्रीय मानकों को सुनिश्चित करने के साथ-साथ बुनियादी सुविधा और अत्याधुनिक प्रशिक्षण मुहैया कराता है।

संकाय

एफडीडीआई के सभी संकाय/शिक्षक फुटवियर, फैशन डिजाइन तकनीक, प्रबंधन और खुदरा क्षेत्र के अनुभवी विशेषज्ञ और अकादमिक विषय के भी विशेषज्ञ होते हैं। जिन्होंने भारत और विदेशों में कुछ प्रमुख संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

ये संकाय भारतीय उपमहाद्वीप और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में उत्पादकता, उत्पाद विकास और उनके समस्या को हल करने तथा फुटवियर उद्योग की सभी जरूरतों को समझकर अकादमिक जगत से उन्नयन को बढ़ावा देते हैं।

अतिथि/विजिटिंग संकाय/शिक्षक भी श्रेष्ठ गुणवत्ता वाले होते हैं जो फैशन डिजाइन, फुटवियर, डिजाइन और उत्पाद प्रबंधन, दृश्य विपणन तथा खुदरा क्षेत्रों के महारथी होते हैं।

इन परिसरों में शिक्षा का माध्यम अंतर्क्रियात्मक है।

क्लास रूम

एफडीडीआई के परिसरों में अवस्थित क्लास रूम सिर्फ शिक्षण के उद्देश्य से नहीं बनाए गए हैं बल्कि इनका उद्देश्य ज्ञान की भूख को जगाना भी है ताकि विद्यार्थियों को सही ज्ञान प्राप्त हो सके।

अंतरराष्ट्रीय जांच केंद्र (आइटीसी)

एफडीडीआई के दो अतंरराश्ट्रीय जांच केंद्र (आईटीसी) है, एक उत्तर भारत (नोएडा) और दूसरा दक्षिण भारत (चेन्नई) में अवस्थित हैं। अंतरराष्ट्रीय जांच केंद्र नोएडा को सातरा, यूनाइटेड किंगडम (यूके), और भारतीय मानक ब्यूरो से मान्यता प्राप्त है। चेन्नई का जांच केंद्र को भी सातरा, यूके से मान्यता प्राप्त है।

यह केंद्र चमड़ा, चमड़े के उत्पाद, फुटवियर (सुरक्षा, फैशन और खेल संबंधी), फुटवियर सामग्री, कपड़ों के उत्पाद और प्लास्टिक आदि की जांच में विशेषज्ञ सुविधाओं से युक्त है। एफडीडीआई का अंतरराष्ट्रीय जांच केंद्र भारत का इकलौता ऐसा केंद्र है जिसे डाक्स, जर्मनी द्वारा आईएसओ १७०२५ प्रमाण पत्र प्राप्त है। यह प्रमाण पत्र प्रतिबंधित रसायनों और सुरक्षा फुटवियर की जांच ईएनआईएसओ २०३४४-२०११, २०३४५-२०११, २०३४६ : २०१४ के प्रावधानों के तहत किए जाने को लेकर दिया गया है।

इसे आईएसओ ६००१ और आईएसओ १४००१ से भी अनुमोदित किया गया है :

- भारतीय मानक ब्यूरो
- जनरल मोटर्स
- डीजीएक्यूए राइट्स
- डीजीएस एंड डी, भारत

अंतरराष्ट्रीय जांच केंद्र का अपना स्वतंत्र रसायनिक और भौतिक प्रयोगशाला है, जहां हर तरह के भौतिक और रसायनिक जांच जैसे एजेडओ, पीसीपी फारमलडिहाइड, स्लिपरेसिस्टेंस, हाईड्रोसिस आदि संपादन तयशुदा समयावधि (टीएटी), में किया जाता है। भौतिक प्रयोगशाला की स्थापना बैल्ली स्विट्जरलैंड के सहयोग और यूएनडीपी के समर्थन से की गयी।

रसायनिक प्रयोगशाला की स्थापना पीएफआई, जर्मनी के सहयोग से की गई और यह एशिया का अग्रणी परीक्षण केंद्र है। दोनों प्रयोगशालाएं अत्यंत सुविधापूर्ण सुसज्जित और आधुनिकतम उपकरणों से लैस है। इन प्रयोगशालाओं में संबंधित उद्योगों की तमाम जरूरतों का ध्यान रखकर व्यवस्था की गई है।

रसायनिक प्रयोगशाला में हर तरह के उच्च्य गुणवत्ता वाले उपकरण जैसे हाई परफॉर्मेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी), यूवी-विजीबल

स्पेक्ट्रोमीटर, गैस क्रोमैटोग्राफी कपल्ड विद मास स्पेक्ट्रोमीटर (जीसी-एमएस) विवेचनात्मक रूप से जुड़ा हुआ प्लाजमा मास स्पेक्ट्रोमीटर (आईसीपी-एमएस) ईसीडी के साथ गैस क्रोमैटोग्राफी और विश्लेषण आदि प्रोसेसिंग उपकरण पर्याप्त मात्रा में रखे गए हैं तो अत्यंत उन्नत मानकों से युक्त हैं।

इन प्रयोगशालाओं में जांच अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होता है। जो विशेषताएं ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप होती हैं। विश्वसनीयता और प्रमाणिकता इन केंद्रों की प्रमुख विशेषताएं हैं।

इन प्रयोगशालाओं के माध्यम से, रीबॉक, नाइके, एडिडास, प्यूमा, फिला, बाटा, लिबर्टी, रेड चीफ, खादिम, पैरागॉन, सुपर हाउस, स्केचर्स और कई अन्य मुख्य ब्रांडों को परीक्षण सेवाएं प्रदान किया जाता है।

टैक्निकल बूट्स, जंगल बूट्स, स्नो बूट, एंकल बूट, स्पोर्ट्स/पीटी एवं रनिंग शूज की सही तथा सुरक्षित खरीद सुनिश्चित करने के लिए, यह निम्नलिखित परीक्षण सेवाएं भी प्रदान कर रहा है :

१. भारतीय सेना
२. अर्ध सैनिक बल (सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी और सीआईएसएफ)
३. भारतीय वायु सेना
४. भारतीय नौसेना
५. भारतीय तटरक्षक बल
६. एनटीपीसी, ओएनजीसी, आईओसी तथा अन्य सर्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम।

सऊदी अरब, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात जैसे अन्य कई देश भी इस परीक्षण केन्द्र की सेवाओं का लाभ उठा रहे है।

सूचना प्रौद्योगिकी सेवा केंद्र (आइटीएससी)

सूचना प्रौद्योगिकी सेवा केंद्र कर्मिकों और विद्यार्थियों को सूचना तकनीक से जुड़े सेवाओं को मुहैया कराने हेतु सभी मूलभूत सुविधाओं से लैस है। यह केंद्र केंद्रीकृत ई-मेल की सेवा मुहैया कराता है जो एफडीडीआई के सभी विद्यार्थियों और संकायों को प्रदान की जाती हैं। आईटीएससी केंद्र का दो समर्पित लीज्ड लाइन कनेक्टिविटी (५० एमबीपीएस + २० एमबीपीएस) द्वारा भारत में सबसे बड़े इंटरनेट प्रदाता के रूप में जुड़ा है जो हाई-स्पीड इंटरनेट की सेवा उपलब्ध कराता है।

आईटीएससी हर परिसर में समर्पित प्रयोगशालाएं भी संचालित करता है जिसमें १०० कोड की क्षमता के साथ आधुनिकतम हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की सुविधा है। आईटीएससी परिसरों में वायरलेस इंटरनेट कनेक्टिविटी भी प्रदान करता है, जो वाई-फाई के रूप में प्रसारित होता है जिससे सभी विद्यार्थी और शिक्षक चौबीसों घंटे लाभान्वित होते हैं।

कार्यशालाएं

विद्यार्थियों को हाथों-हाथ प्रशिक्षण देने के लिए, एफडीडीआई के परिसरों में संपूर्ण सुविधाओं से लैस कार्यशालाएं हैं, जिनमें पर्याप्त मात्रा में अत्याधुनिक मशीनें और उपकरण हैं। इन कार्यशालाओं में कटिंग, क्लोजिंग, कंपोनेंट, लास्टिंग और फिनिशिंग वर्कशॉक में अत्याधुनिक मशीनें उपलब्ध है।

एफडीडीआई का अंतरराष्ट्रीय डिजाइन स्टूडियो अत्याधुनिक और उन्नत मशीनों से युक्त है और इसमें कैड/कैम की भी सुविधा है जिससे डिजाइनों को बनाया जाता है और फिर उनका रूपांतरण कर मॉडल पेश किया जाता है। इससे विद्यार्थियों की सृजनात्मकता बढ़ती है और वे नवोन्मेसी बनते हैं जिससे वे विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा के लायक बन सकें।

पुस्तकालय

एफडीडीआई के सभी परिसरों में वातानुकूलित विशालतम पुस्तकालय मौजूद हैं जिनमें हर तरह की सुविधाएं मौजूद हैं इस तरह के शांत वातावरण से विद्यार्थी ध्यान केंद्रित होकर कार्य कर पाते हैं। इस पुस्तकालयों में फैशन, डिजाइन, चमड़ा उद्योग, रिटेल प्रबंधन और संबंधित उद्योगों से जुड़े हर तरह की आद्वितीय संसाधन और सूचनाएं मौजूद है।

पुस्तकालय में विश्वकोश, नवीनतम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के जर्नल, पत्रिकाएं, समाचार पत्र और अन्य मानक पाठ्य समाग्री उपलब्ध है। इसमें परियोजना कार्यों और केस स्टडीज की सामग्री भी उपलब्ध है। पुस्तकालय छुट्टियों में भी खुले रहते हैं। इसमे सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए सभी संसाधन उपलब्ध है।

कैंपस लाइफ

स्पोर्टिंग इवेंट, इंट्राम्यूरल, मनोरंजक गतिविधियां, फ्रेशर्स पार्टी, फैशन शो, स्मारक कार्यक्रम विद्यार्थियों को बहुत सारे नए अनुभव प्रदान करते हैं।

एफडीडीआई में छात्रों के लिए परिसर का जीवन संतोषजनक और फायदेमंद रहा है, जिसने उन्हें सीखने और आनंद के लिए सह-पाठ्यचर्या संबंधी रुचियों का पता लगाने का अवसर प्रदान किया।

शिक्षाविदों, पाठ्येतर गतिविधियों और सामाजिक जीवन के बीच एक संतुलन खेल आयोजनों, इंट्राम्यूरल, मनोरंजक गतिविधियों, फ्रेशर्स पार्टी, फैशन शो, स्मारक कार्यक्रमों आदि के माध्यम से बनाया जाता है जो छात्रों को बहुत सारे नए अनुभव प्रदान करता है।

ऑडिटोरियम

एफडीडीआई परिसरों में स्थित पूर्णतः वातानुकूलित ऑडिटोरियम विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस हैं। इसके साथ-साथ यहां व्याख्यान, विमर्श, कंपनी की मीटिंग, शैक्षिक, सांस्कृतिक और मनोरंजक गतिविधियों के लिए एक अति आधुनिक, पेशेवर प्रकाश व्यवस्था और ध्वनि प्रणालियों, छत पर एलसीडी, रिकॉर्डिंग व्यवस्था, विशाल मंच और ऊर्जा व्यवस्था से सुसज्जित हैं। यहां व्याख्यान, विमर्श, कांफ्रेंस, मीटिंग, शैक्षिक, सांस्कृतिक और मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं।

छात्रावास

एफडीडीआई स्वच्छ, हवादार, प्रकाशमान और सुरक्षित छात्रावास की सुविधा लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग तौर पर मुहैया करता है। कमरे पूर्ण रूप से हवादार हैं और पंखे, ट्यूबलाइट तथा आवश्यक फर्नीचर से सुसज्जित हैं।

प्रत्येक विद्यार्थी को एक बेड, एक कुर्सी, एक टेबल और एक अलमारी (लौकर) प्रदान किया जाता है। इसमें छात्रों की शारीरिक एवं मानसिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए मनोरंजन कक्ष रंगीन टीवी सेट, म्यूजिक सिस्टम, स्वच्छ पेयजल, जनरेटर से विद्युत आपूर्ति, डायनिंग हॉल, इंडोर गेम्स हेतु व्यवस्था भी मौजूद है।

छात्रावास की भोजन-व्यवस्था और कैफेटेरिया

विद्यार्थियों के रुचि को ध्यान में रखते हुए एफडीडीआई परिसर के अंदर भोजन-व्यवस्था के सुचारू संचालन हेतु मेस की व्यवस्था की गयी है। मेस के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वच्छ सुपाच्य और स्वादिष्ट भोजन उचित दर पर परोसा जाता है। इसके अलावा विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की पूर्ण व्यवस्था की गयी है।

मेस के अलावा, एफडीडीआई परिसर में एक कैफेटेरिया है, जहां डे-स्कालर्स तथा अन्य लोग जो कक्षाओं के बीच में जलपान ग्रहण करते के इच्छुक होते हैं, वे कई किस्मों के पेय और स्नैक्स का आनंद ले सकते हैं।

एम्फीथिएटर

मुक्ताकाश-व्यवस्था के तहत एक एम्फीथियेटर की स्थापना की गयी है जो विद्यार्थियों को उनकी कलात्मक और रचनात्मक प्रतिभा को निखारने हेतु उचित मंच प्रदान करता है। इस एम्फीथियेटर का इस्तेमाल मनोरंजन की गतिविधियों, विभिन्न तरह की अंतक्रियात्मक गतिविधियों के लिए भी होता है।

इस तरह की गतिविधियों से, विद्यार्थियों को सार्वजनिक स्थानों पर बोलने की क्षमता में सुधार करने, संचार कौशल बढ़ाने और अपने समग्र व्यक्तित्व को विकसित करने का अवसर मिलता है।

खेल परिसर

परिसर में ही खेल परिसर भी है जिसमें टेनिस, बास्केट बॉल और बैडमिंटन कोर्ट की व्यवस्था है। विद्यार्थी अपनी रूचियों के अनुसार यहां खेलते हैं।

चिकित्सा सहायता सुविधाएं

एफडीडीआई अपने विद्यार्थियों की भलाई के मुद्दे को अत्यंत गंभीरता लेता है और आवश्यकता पड़ने पर सभी तरह की स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करता है।

प्रदर्शन झलकिया

आय और व्यय

वित्तीय वर्ष २०२०-२१ में एफडीडीआई की कुल आय रू ५४.६४ करोड़ रही जिसमे लैब सेवाओ से आय ५.०३ करोड़ भी शामिल है और इसका कुल व्यय रू ४०.२८ करोड़ रहा ।आय का अधिशेष १४.६६ करोड़ दिखा रहा है

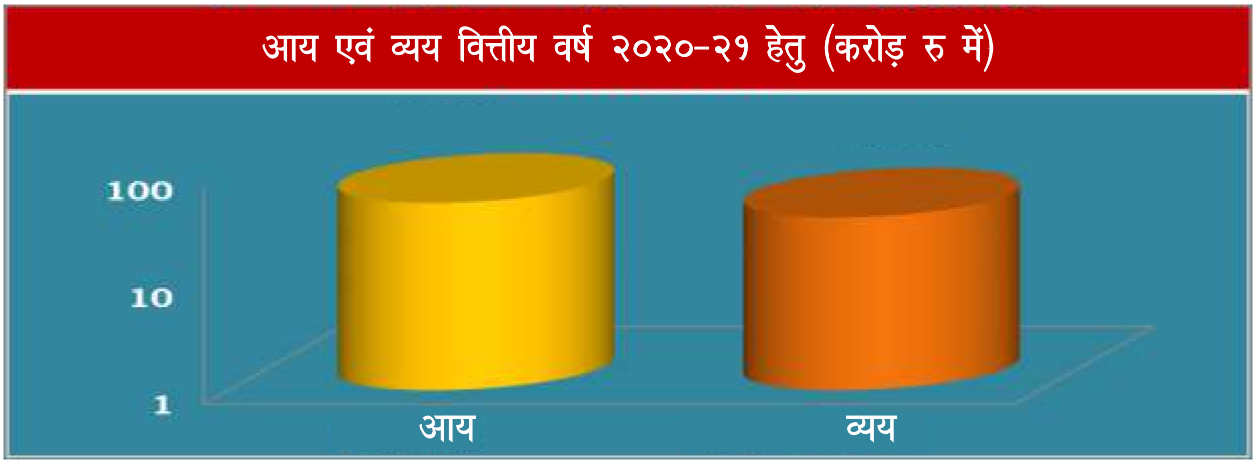

एफडीडीआई जिस महत्त्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहा है, उनमे से एक यह है कि इसका स्ववित्तपोशित संस्थान होना, जिस कारण केवल राजस्व अनुदान उपलब्ध नही कराया जा सका है। एफडीडीआई द्वारा सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन शुल्क और सतत शिक्षा कार्यक्रम हमारे वार्शिक व्यय को पूरा करने के लिए एक छोटे से हिस्से को योगदान करते हैं।

कोविड-१६ आपदा के दौरान एक प्रभावशाली वर्चुअल शिक्षण प्रणाली का निर्माण करना :

कोविड-१६ महामारी के पश्चात, अकादमिक कैलेंडर का पालन करने हेतु एफडीडीआई ने सफलतापूर्वक गूगल क्लासरूम प्लेटफॉर्म को अपनाया और स्नातक तथा परास्नातक की सभी कक्षाओं का संचालन वर्चुल रूप में करके कक्षा शिक्षण और अधिगम को सतत रूप सुनिश्चित किया।

एफडीडीआई ने कोविड-१६ आपदा से बचाव हेतु कई सुरक्षात्मक उपाय किए :

एफडीडीआई ने अपनी दूरदर्शी सोच के माध्यम से कोविड-१६ महामारी से लड़ाई हेतु कई सुरक्षात्मक उपाय/बचाव के उपाय लागू किए।

एफडीडीआई परिसर चंडीगढ़ (बेनूर) सैनिटाइजेशन कार्य

एफडीडीआई, पटना परिसर में सैनिटाइजेशन कार्य

संबंधित राज्य सरकार/प्राधिकारियों के द्वारा कोविड १६ से बचाव हेतु दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए एफडीडीआई के सभी परिसरों में एक प्रणाली/प्रविधि काम कर रही है जिसके तहत 'वर्क फ्रॉम होम' और कार्यालय मे रोटेशन आवयश्कता के आधार पर लागू की गयी। सभी कर्मियों, सुरक्षाकर्मियों और विद्यार्थियों के लिए मेडिकल मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया। हाउसकीपिंग कर्मियों और अतिथियों के लिए भी यह अनिवार्य कर दिया गया।

बचाव और संक्रमणमुक्त करने हेतु सैनिटाइजेशन, पेस्ट कंट्रोल, स्मोक स्प्रे आदि सुरक्षात्मक कार्यों को सभी परिसरों, जिसमें कर्मचारी क्वार्टर, लिफ्ट, आई.टी. लैब, क्लासरूम आदि समाहित हैं, में लागू किया गया। सभी तल्लों को झाड़ू और पोछा करने के अतिरिक्त सीढ़ियों के हत्थों की सफाई, हरित क्षेत्रों की सफाई, बेसमेंट एरिया की सफाई, सिक्यूरिटी गार्ड केबिन की सफाई का खास ध्यान रखा गया। इस क्रम में संबंधित कैम्पस प्रभारी द्वारा पहचाने गए सभी संक्रमण संवेदनशील स्थलों की भी साफ-सफाई करके बचाव के उपायों को अपनाया गया।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में आइसोलेशन वार्ड

एफडीडीआई परिसर, कुर्सतगंज में आइसोलेशन वार्ड

मानव संसाधन को सर्वोत्तम परिसंपत्ति मानते हुए, एफडीडीआई अपने कर्मियों और उनके परिजनों के स्वास्थ्य और बेहतरी पर लगातार बारीकी से निगरानी करता हैं। नजदीकी रखता है। यह अपने उनके सभी कर्मियों और उनके परिजनों के स्वास्थ्य का रिकॉर्ड रखता है जो कोविड-१६ संक्रमण के शिकार हुए और इससे उबर कर स्वस्थ हुए। एफडीडीआई ने अपने स्टाफ क्वार्टर परिसरों को अपने कर्मियों और उनके परिजनों की बेहतर स्वास्थ्य दशा के लिए आइसोलेशन वार्ड में बदल दिया था।

विद्यार्थियों का प्लेसमेंट

इस साल यद्यपि कोविड-१६ महामारी के कारण कई अनिश्चितताएं बनी हुई थी तब भी एफडीडीआई ने अपने विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट के कई बेहतरीन अवसरों को उपलब्ध कराया।

प्लेसमेंट प्रक्रिया को बहुत अच्छी तरह चलाया गयां हालांकि विद्यार्थियों के माता-पिता अभिभावकों ने अपने बच्चों को दूसरे शहरों में रोजगार हेतु भेजने में अनिच्छा जताई इस कारण उनके शहरों में रोजगार ढूंढ़ना एक चुनौतीपूर्ण कार्य रहा।

अब तक बैच २०२१ के लिए १०० से ज्यादा कंपनियां प्लेसमेंट प्रक्रिया का अंग बन चुकी हैं। इनमें स्केचर्स, इंडिटेक्स, रिलायंस ब्रांड, मिर्जा ग्रुप, डामिलानो, पूमा, बाटा, अरविन्द ब्रांड, रिलायंस रिटेल, टेंगेरिन डिजाइन, एप्पेरल ग्रुप इत्यादि प्रमुख

थे, जिन्होंने कैंपसभर्त्ती प्रक्रिया में सहभागिता की। कई सारे विद्यार्थियों ने दो से तीन जॉब ऑफर्स तक प्राप्त किए। कई घरेलू कंपनियों, यथा 'पूमा' और 'बायजूस' ने रू ६.३ लाख (सीटीसी) और रु १० लाख सीटीसी प्रतिवर्श का पैकेज ऑफर किया।

अब तक औसत पैकेज रु ३ से रु ३.५ लाख प्रतिवर्ष का हो चुका है। कंपनियों ने विद्यार्थियों को तकनीकी से लेकर सृजनात्मक क्रियाओं और सेल्स प्रक्रियाओं के लिए जॉब ऑफर किया

एफडीडीआई, नोएडा के दो विद्यार्थियों ने जिनके नाम सुश्री आस्था नेगी (बी. डिजाइन एफडीपी, एमएंडएम) और सुश्री शिविका भार्गव (एमबीए, आरएफएम) हैं, ने अंतरराश्ट्रीय प्लेसमेंट आफर प्राप्त किया। यह ऑफर लाइफस्टाईल लैंडमार्क ग्रुप द्वारा 'ग्रेजुएट मैनेजमेंट ट्रेनी' के प्रोफाइल के तौर पर दिया गया और उनका जॉब लोकेशन संयुक्त अरब अमिरात निर्धारित हुआ।

इनकी वार्शिक वेतन परिलब्धि ६६,०००/- एईडी (दिरहम, सं.अ. अमिरात) है, जो भारतीय मुद्रा में रु १२.८७ लाख प्रतिवर्श है। इसके अतिरिक्त उन्हें इंसेंटिव, विजा, टिकट, मेडिकल और जीवन बीमा की सुविधाएं दी गयी है।

एफडीडीआई के विद्यार्थी और उनकी टीम 'प्रोस्पेक्ट १००X केरिंग फ्रांस-ग्लोबल डिजाइन प्रतियोगिता २०२१ में बनी विजेता :

सुश्री समीक्षा अंबोलीकर, एफडीडीआई हैदराबाद की छात्रा ने अपनी टीम के साथ प्रोस्पेक्ट १००X केरिंग फ्रांस ग्लोबल डिजाइन प्रतियोगिताओं में भाग लिया और विजेता बनी। यह प्रतियोगिता प्रोस्पेक्ट १०० द्वारा लांच की गई और इसका आयोजन द ग्लोबल लक्जरी ग्रुप, केरिंग, फ्रांस की साझेदारी में किया गया।

सुश्री समीक्षा अंबोलीकर, एक डिजाइन ऐच्छिक विद्यार्थी, एफडीडीआई से बी डिजा. (एफडीपी १८') की प्रथम पुरस्कार विजेता रहीं।

केरिंग फैशन, चमड़े, ज्वैलरी, घड़ियों के विख्यात ब्रांडों, यथा-गुच्ची, सेंट लॉरेंट, बैट्टेगा वेनेटा, बोलेंसियागा एलेक्जंडर मैक्कवीन, ब्रियानी, वॉर्चरन, पोमेल्लाटा, डोडो, कीलिन, उलिस नार्डिन, गिरार्ड-पेरेगॉक्स और केरिंग आईवीयर का प्रबंधन करता है।

डिजिटल कम्यूनिकेशन का लाभ उठाते हुए सुश्री समीक्षा ने ३डी सृजनात्मक मॉडल प्रस्तुत किया जो रजिंग फूटवियर डिजाइन आर ए जी ४ रन था जिसका मतलब है बेकार सामग्री से रनिंग फूटवियर केए निर्माण।उनकी थीम की-'रैग फॉर रन' अर्थात् प्याज्य वस्तुओं से रनिंग फुटवीयर का निर्माण।

इस प्रतियोगिता की विशयवस्तु ''आपके वार्डरोब को ज्यादा सतत'' बनाने पर केन्द्रित थी, जिसमें प्रतिभागियों से यह अपेक्षा की गई कि वे ऐसे पहनने योग्य वस्तुओं का निर्माण करें जो ज्यादा सतत और धारणीय हो।

विजेता के रूप में उन्हे और उनके टीम को विख्यात मास्टर क्लास एक्सक्लूसिव पाठ्क्रम 'शेप फैशनंस फ्यूचर' में मुक्त प्रवेश पा सकेंगे, जो फ्रांसेस डे ला मोड संस्थान द्वारा केरिंग फ्रास के मेंटरशिप में चलाया जाता है। इसके अतिरिक्त उन्हें डॉलर ४००० (यूएस डॉलर) की इनामी राशि भी दी गयी।

एफडीडीआई, हैदराबाद के विद्यार्थियों द्वारा आल्ट-इंटरनेशनल नॉलेज फेस्ट-वर्चुअल क्रॉसलिंक्स २१ के दौरान प्रथम पुरस्कार

सुश्री लक्ष्मी गायत्री पुडीपेड्डी, एफडीडीआई, हैदराबाद की विद्यार्थी ने आल्ट-इंटरनेशनल नॉलेज फेस्ट-वर्चुअल क्रॉसलिंक्स २१ प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रोडक्ट डिजायनिंग प्रतियोगिता (पीडीसी) में २० अप्रैल, २०२१ को प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

पुरस्कार समारोह का स्क्रीनशॉट

यह डिजाइन सुश्री लक्ष्मी गायत्री पुड्डीपेड्डी, डिजाइन एफडीपी (२०१८-२२) द्वारा बनाया गया जिसे प्रथम पुरस्कार मिला

नौजवान मस्तिश्कों को चमड़ा और इसके सहायक क्षेत्रों में नवोन्मेश हेतु प्रेरित करने के लिए, एसोसिएशन ऑफ लेदर टेक्नोलॉजिस्ट्स (एएलटी) ने सेंट्रल लेदर रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएलआरआई) चेन्नई के साथ मिलकर इस प्रतियोगिता का आयोजन किया।

सुश्री लक्ष्मी, जो एक डिजाइन पाठ्यक्रम की छात्रा हैं, ने अपने सृजनात्मक कार्य को 'कलमकलो' के नाम से प्रस्तुत किया जो पूर्ण रूप से लोक कला यथा-कलमकारी और समकालीन 'बूट' कंपनियों को बहुत पसंद आया जो वुडेन सोल (लकड़ी का सोल) से बना था। यह संग्रह मूल रूप ऑटोमन/विंटर २०२१ के लिए बना था।

मानव संसाधन विकास उप-योजना का क्रियान्वयन

भारतीय फुटवीयर चमड़ा और अन्य सामग्री विकास कार्यक्रम (आईएफएलएडीपी) के अंतर्गत (डीपीआईआईटी), मानव संसाधन विकास उप-योजना का क्रियान्वयन करने हेतु एफडीडीआई क्रियान्वयन एजेंसी है। एफडीडीआई यह कार्य वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत उद्योग और आंतरिक व्यापार संवद्धन विभाग के सहयोग से करता है। एफडीडीआई ने ११,९८१ प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया है। ये प्रशिक्षण द्वितीय कौशल अपग्रेडेशन प्रशिक्षण २०२०-२१ के दौरान दिए गए जिसमें ८५२२ पुरुश और ३४५६ महिला अभ्यर्थियों ने भाग लिया।

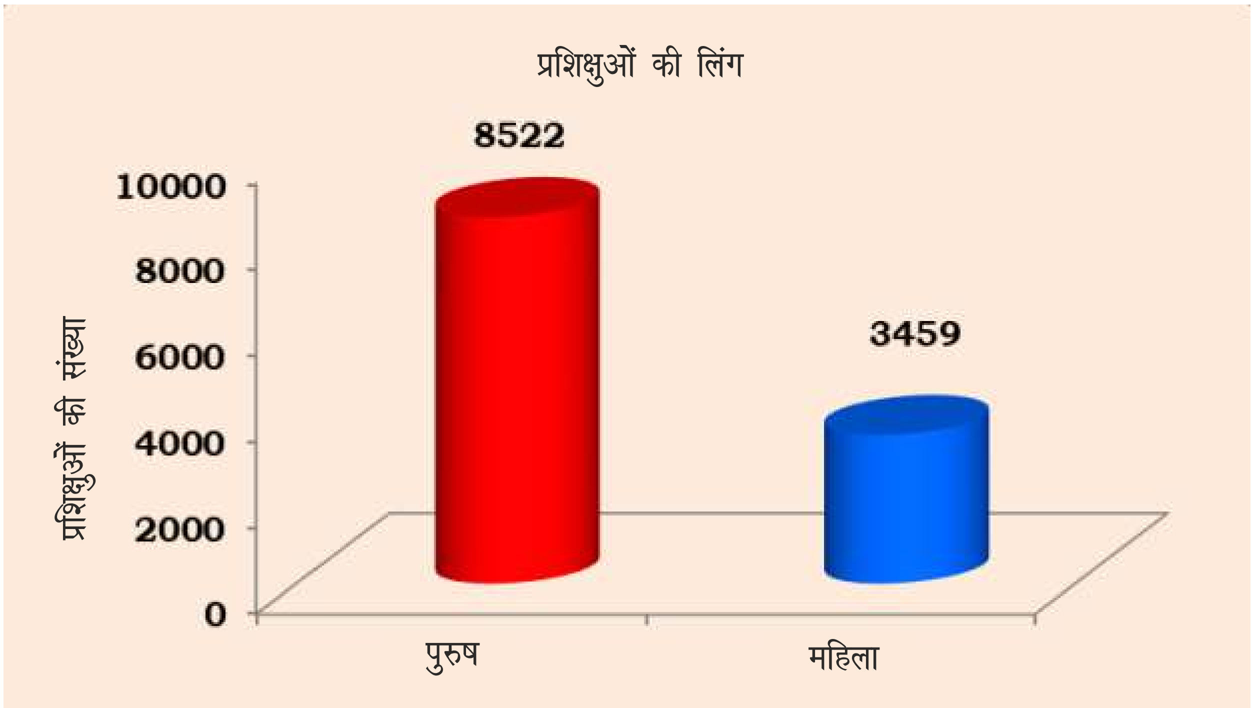

इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ लेदर सेक्टर (आईडीएलएस) योजना का क्रियान्वयन :

एफडीडीआई और सीएलआरआई, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धक विभाग (डीपीआईआईटी) के दो प्रमुख अंग हैं, जो परियोजना क्रियान्वयन इकाई (पीआईयू) को तौर पर प्रोक्डट सेक्टर में काम करते हैं वे इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ लेदर सेक्टर(आईडीएलएस) योजना हेतु तीन साल की अवधि (२०१७ - २०) के लिए चमड़ा उद्योग और सहायक उत्पादों के विकास की दिशा में कार्यरत हैं। ३ साल की अवधि पूरी होने के बाद इस योजना की अवधि १ साल के लिए विस्तारित की जाएगी।

आज की तारीख तक ९९२ आवेदकों ने आईडीएलएस योजना के अंतर्गत वेब पोर्टल पर पंजीकरण किया है।

स्थिति	आवेदकों की संख्या
वेब पोटल पर पंजीकृत आवेदक	992
विभिन्न उत्पादन इकाइयों द्वारा जमा आवेदक	672
डीपीआईआईटी द्वारा अनुमोदित आवेदन (निर्धारित तिथि तक)	457

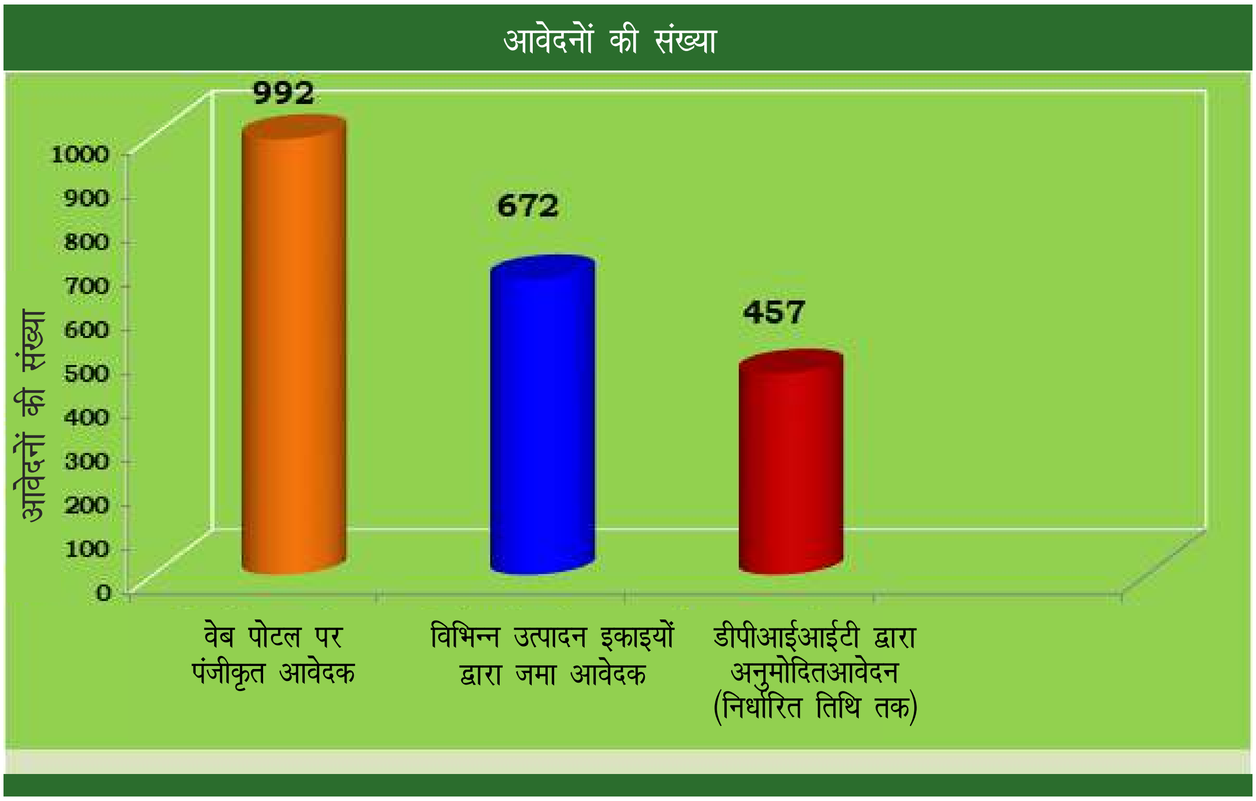

कुल ६७२ आवेदनों में से, स्टीयरिंग कमिटी द्वारा ४५७ आवेदनों को अनुमोदित किया गया जिसके तहत कुल रु २०३.६५ करोड़ का अनुदान दिया गया।

सेंटर ऑफ एक्सेलेंस (सीओई) के रूप में एफडीडीआई के कुछ परिसरों का अपग्रेडेशन

भारत सरकार द्वारा सेंटर ऑफ एक्सलेंस (सीओई) बनाने हेतु जारी किए गए रु १२६.६२ करोड़ को ध्यान में रखते हुए एफडीडीआई के विभिन्न परिसरों में प्रारंभिक गतिविधियों, परिचर्चा/कार्यों का अनुवर्ती रिपोर्ट और विभिन्न राज्य सरकारों और एजेंसियों/अधिकारियों के साथ मंथन आदि गतिविधियों को पटना, रोहतक, कोलकाता, हैदराबाद और चेन्नई में संपादित किया गया।

वर्तमान में, सिविल निर्माण कार्य युद्धात्तर पर जारी हैं जिसमें पटना और रेहतक का शत-प्रतिशत (१००:) फिनिसिंग कार्य भी शामिल है, सिविल निर्माण और फिनिशिंग का ६०: कार्य हैदराबाद जोधपुर में पूर्ण हो चुका है और ७०: कार्य कोलकाता और चेन्नई में पूर्ण किया जा चुका है।

रोहतक के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस हेतु मशीनों की अधिप्राप्ति के लिए निविदा जारी की जा चुकी है। अन्य के लिए मशीनों की निविदा का कार्य अंतिम चरण में हैं और अतिशीघ्र जारी कर दी जाएगी।

अंतरराश्ट्रीय परामर्श :

एफडीडीआई ने सीएलआरआई के साथ मिलकर संयुक्त रूप से लेदर इंडस्ट्री डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट,(एल आई डी आई) इथियोपिया से २०२० में एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया है, जो क्षमता निर्माण पर केन्द्रित है। इस पर करार की अवधि २०२०-२०२५ है, जो ५ सालों के लिए हैं। यह परियोजना सात प्रमुख गतिविधियों पाठ्यक्रम निर्माण, गैर-चमड़ा क्षेत्र हेतु सहयोग, संकाय प्रशिक्षण और ओधोगिक अनुबंध आदि को समाहित करेगा।

दोहरे करार के अंतर्गत, एफडीडीआई ने लेदर इंडस्ट्री डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट के १० रैंक होल्डर विद्यार्थियों को दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम एमबीए (आरएफएम) हेतु स्वीकार किया।

एफडीडीआई श्रीलंकन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्सटाइल एंड एपैरल के साथ भी संस्थागत करार हेतु विचार-परिचर्चा कर रहा है। इस प्रस्ताव में क्लस्टर डेवलपमेंट, पाठ्यक्रम डिजाइन, क्षमता निर्माण, फुटवीयर और चमड़ों के सामान हेतु कार्यक्रम तथा क्षमता निर्माण समाहित हैं।

इसके अलावे, एफडीडीआई द्वारा एक प्रस्ताव पहले ही डरबन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दक्षिण अफ्रीका को सौंपा जा चुका है। प्रस्ताव में क्लसटर विकास, पाठ्यक्रम डिजाइन, जूते और चमड़े सामान कार्यक्रम के लिए क्षमता निर्माण शामिल है। इस संबंध में, एफडीडीआई ने एक प्रस्ताव दक्षिण अफ्रीका के डरबन प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को पहले ही दे चुका है।

इस प्रस्ताव में एफडीडीआई ने अफ्रीकी महाद्वीप के छात्रों के प्रशिक्षण के लिए अंतरराश्ट्रीय व्यापार संगठन (आईटीसी) जेनेवा को प्रस्ताव दिया है। इस प्रस्ताव के तहत एफडीडीआई ने २ बैचों में ४० विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा है। यह प्रस्ताव अभी आईटीसी के विचाराधीन है।

मधुबनी, बिहार में 'हार्ड गुड्स पर मधुबनी पेंटिंग' के लिए प्रशिक्षण केंद्र प्रारंभ हुआ।

गैर-कृषि आय का स्रोत बनाने की दिशा में, एफडीडीआई ने मधुबनी, बिहार के सिसवार गांव में एक प्रशिक्षण केन्द्र की शुरुआत की है। यह केन्द्र ठोस वस्तुओं/सामानों पर मधुबनी पेंटिंग का प्रशिक्षण देता है। यहां फूलदान, लेडीज बैग, मोबाइल स्टैण्ड, पेन स्टैण्ड, फोटो फ्रेम, कार्ड होल्डर, सजावटी सामान जो मुख्यतः चमड़ा या दूसरे ठोस चीजों से बने होते हैं, पर मधुबनी पेंटिंग का प्रशिक्षण दिया जाता है।

श्रीमती अर्चना देवी,(मुखिया) ग्राम पंचायत राज सिसवार ने प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन किया।

प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षु

इस केन्द्र का उद्घाटन १८ सितंबर २०२० को ग्राम पंचायत राज सिसवार की मुखिया श्रीमती अर्चना देवी द्वारा किया गया।

मिथिला पेंटिंग या मधुबनी पेंटिंग एक पारंपरिक चित्रकला की उत्कृश्ट शैली है, जिसका चलन उत्तरी बिहार के मिथिला क्षेत्र में हैं। इस पारंपरिक चित्रकला का कार्य मुख्य रूप से इस क्षेत्र की महिलाए करती हैं। यद्यपि अब इसमें पुरुश भी अपना हाथ आजमा रहे हैं। ये अद्वितीय चित्रकला शैली अपने जनजातीय प्रारूप के कारण विश्वप्रसिद्ध है।

प्रशिक्षणार्थियों द्वारा ठोस वस्तुओं पर की गई मधुबनी पेंटिंग का नमूना

प्रशिक्षणार्थियों द्वारा ठोस वस्तुओं पर की गई मधुबनी पेंटिंग का नमूना

इस प्रशिक्षण केंद्र के द्वारा यह सुनिश्चित किया गया है,कि इस उत्कृश्ट कला को कुटीर उधोग के अंग के रूप मे पुनर्सृजित, विकसीत करके इस कला मे लगे युवाओं को रोजगार मिल सके और स्थानीय कारीगारों का पलायन रुके और वे अपने क्षेत्र में रहकर ही व्यावसायिक उद्वेश्य हेतु उत्पादों का निर्माण कर सके।

१ दिसंबर २०२० को आयोजित सम्मान समारोह में कोविड-१६ महामारी के बचाव के मानकों का पालन करते हुए कुल ४४ प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इन प्रशिक्षुओं ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया था।

एक प्रतिभागी प्रमाण पत्र प्राप्त करता हुआ

प्रतिभागियों का चित्र, जिन्होंने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया।

एफडीडीआई, चेन्नई के विद्यार्थियों के विद्यार्थी ने गैरिसन स्टूडियो, यूएसए द्वारा आयोजित डिजाइन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीताः

श्री मोहम्मद सोहैल, एफडीडीआई, चेन्नई के विद्यार्थी ने गैरिसन स्टूडियो, यूएसए द्वारा आयोजित डिजाइन प्रतियोगिता में भाग लिया ओर द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता अगस्त २०२० में आयोजित हुई जिसका परिणाम नवंबर २०२० को जारी हुआ।

गैरिसन स्टूडियो अमेरिका के फिलाडेल्फिया का एक प्रख्यात फुटवीयर डिजाइन निर्माता कंपनी है, जो कई तरह की सेवाएं यथा-सैंपलिंग और प्रोटोटाइपिंग, स्मॉल रन मैन्युफैक्चरिंग और व्यक्तिगत स्तर के लिए ऑन साइड ब्रांड प्रदर्शन शामिल है। इसका एक प्रमुख मिशन 'स्नीकर' का दुनिया का सबसे बड़ा प्लेग्राउंड बनाना है।

श्री मोहम्मद सोहैल

श्री मोहम्मद को अपनी बिल्ली से प्रेरणा मिली और उन्होंने अपने जूते का नाम कैटजे श्ज्ञ।ॅम्श रखा, जिसमें आकर्शक नारंगी रंग का इस्तेमाल काले सफेद रंग के मिश्रण के साथ किया गया।

गैरिसन स्टूडियो के दिशा-निर्देशों के अनुसार सबसे बेहतर बिक्री वाले विजेता का ३०ः लाभ प्राप्त होगा जबकि उपविजेता को १०ः लाभ प्राप्त होगा।

'केपीएमजी एडवायजरी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड' एफडीडीआई के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट के में परामर्शी फर्म के रूप में शामिल करना :

एफडीडीआई की ०६.०७.२०२० को सीआईएम की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक को मद्‌देनजर रखते हुए, एफडीडीआई ने एक परामर्शी फर्म 'केपीएमजी एडवायजरी सर्किसेज प्राइवेट लिमिटेड' को प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट (पीएमयू) के परामर्शी के रूप में शामिल किया। यह फर्म एफडीडीआई के लिए रणनीतिक रोडमैप और एक्शन प्लान निर्माण करेगा और उनके क्रियान्वयन में सहयोग देगा ताकि एफडीडीआई अपने लक्ष्य, रणनीतिक रोडमैप और एक्शन प्लान को प्राप्त कर सके। इस सिलसिले में एक करार पर हस्ताक्षर एफडीडीआई और केपीएमजी के बीच २२.०२.२०२१ को किया गया।

वर्चुअल फुटवियर और लेदर एक्सपो २०२१ (वी एफ एल ई)

एफडीडीआई और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (फिक्की) ने संयुक्त रूप से टस्थ्म २०२१ का आयोजन किया। यह आयोजन फुटवियर और चमड़ा उत्पादों पर केन्द्रित भारत का पहला वर्चुअल एक्जीबिशन और कांफ्रेंस था, जिसका आयोजन १५ से २१ मार्च, २०२१ को हुआ। इस आयोजन में काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट का सहयोग रहा।

श्री अरुण कुमार सिन्हा, भा.प्र.से., प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई वक्तव्य देते हुए

श्री प्रवीण मित्तल वरीय निदेशक, फिक्की उद्घाटन भाषण देते हुए

इस एक्सपो में फुटवियर और लेदर इंडस्ट्री तथा उनके सहायक उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला को प्रस्तुत किया गया। इस आयोजन में सभी पक्षकारों को एक मंच पर आने का मौका मिला, जो लेदर, फुटवियर, मशीनी और तकनीकी लेदर के सामानों, केमिकल और कच्चा माल के व्यवसाय से जुड़े हैं।

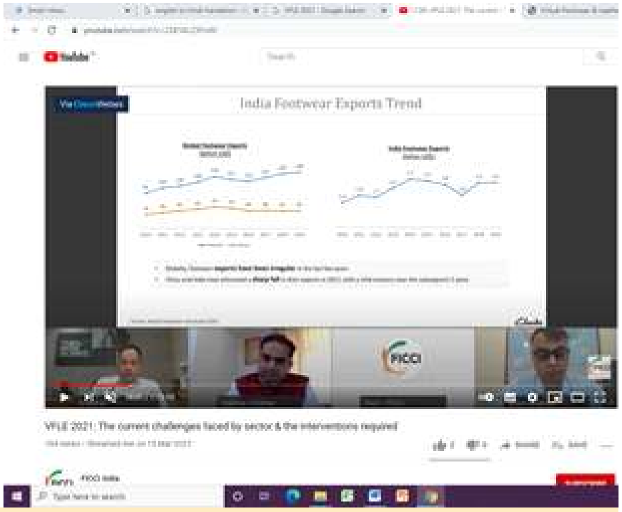

वी एफ एल ई २०२१ के दौरान संचालित डिजिटल सत्रों के स्क्रीनशॉट

एक्सपो की गतिविधि के समानांतर इस आयोजन में डिजिटल सत्र भी आयोजित हुए जिसमें उद्योग के गणमान्य और विशेशज्ञ व्यक्तियों ने विभिन्न मुद्दों/विशयों पर गहन चर्चा की।

वेबिनार आयोजित :

लेदर उद्योग, फैशन उद्योग, फुटवियर और रिटेल उद्योग के विख्यात क्षत्रपों के साथ एफडीडीआई ने ३५ से ज्यादा 'वेबिनार' आयोजित किया। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को कोविड-१९ महामारी के दौरान कुशल मानवशक्ति बनाने हेतु और किसी प्रकार की हीन भावना से बचाने हेतु किए गए। इन वेबिनारों से विद्यार्थी घर बैठे नवीनतम सूचनाओं से जुड़े रहे।

'वाक द टॉक' शृंखला के अंतर्गत आयोजित वर्चुअल वेबिनारों में एफडीडीआई ने फिक्की के साथ मिलकर १७ मई २०२१ को एक वेबिनार का आयोजन किया जिसका विषय था 'बिल्डिंग स्केल एंड कैपेसिटीज इन इंडिया टू एचीव इकोनॉमिज स्केल एंड एन्हान्स ग्लोबल कंपीटिटीवनेस इन द फुटवीयर सेक्टर'।

"बिल्डिंग स्केल एंड कैपेसिटीज इन इंडिया टू एचीव इकोनॉमीज ऑफ स्केल एंड एन्हान्स ग्लोबल कंपीटीवनंस इन द फुटवियर सेक्टर" पर केन्द्रित वेबिनार का स्क्रीनशॉट

सुश्री निधि मणि त्रिपाठी, संयुक्त सचिव, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार और श्री प्रवीण मित्तल, वरिष्ठ निदेशक, फिक्की ने सत्र का उद्घाटन किया और भारतीय सेक्टर में आ रहे महत्वपूर्ण बदलावों पर प्रकाश डाला। वेबिनार में शामिल अन्य सदस्यों में उद्योग और संस्थागत जगत के विशिश्ट जन शामिल हुए। अर्थात् श्री तौसीफ मिर्जा, निदेशक, मिर्जा इंटरनेशनल लिमिटेड, श्री पूरन डावर, अध्यक्ष, एएफएमईसी, अध्यक्ष, एएफएमई की श्री वीरेन्द्र अवाल, प्रबंध निदेशक, मोचिको शूज प्रा.लि. श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई सम्मिलित थे और श्री मोहित भसीन, सहयोगी, केपीएमजी इंडिया इसके मॉडरेटर रहे।

पैनल में शामिल विशेशज्ञों ने भारतीय फुटवियर इंडस्ट्री की बाधाओं की चर्चा की और इसके संपूर्ण विकास हेतु नए तरीके की रणनीति की आवश्यकता पर जोर दिया। इसी प्रारूप पर एक वेबिनार 'की चैलेंजेज/इश्यूज इनहिबिटिंग इंडियाज फुटवियर ग्रोथ स्टोरी' शीर्शक से १ जून २०२१ को संचालित हुआ।

श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक एफडीडीआई और श्री दिलीप चेनॉय, महासचिव, फिक्की ने सत्र का उद्घाटन किया और अपने संक्षिप्त वक्तव्य में लेदर और फुटवियर इंडस्ट्री की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि इस इंडस्ट्री का भारत के विकास में कितना अहम योगदान है और कोविड-१६ महामारी के कारण मार्च २०२० से यह इंडस्ट्री कितनी कुप्रभावित हुई।

श्री अरुण कुमार सिन्हा, भा. प्र.से.
प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई, वेबिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए

उद्योग जगत के आठ दिग्गजों ने गोलमेज उच्चस्तरीय चर्चा में भाग लिया जिसमें सीइओ/शीर्श नेतृत्व शामिल हुए। उनमें नम्रता चतरानी सीईओ खादिम्स, श्री राम पिंगले-एवीपी, आदित्य बिरला ग्रुप, श्री आदेश गुप्ता, सीइओ लिबर्टी शूज, श्री अमित रांचल, प्रबंध निदेशक, वेलकम शूज, डॉ. एन. मोहन-सीईओ, क्लार्म्स इंडिया, श्री नीतेश कुमार, सीईओ, रिलायंस फूटप्रिंट्स, श्री इरशाद अहमद-प्रबंध निदेशक फरीदा शूज, श्री करण जैन, प्रबंध निदेशक, एमबी रबर प्रमुख थे। इस सत्र का मॉडरेशन मोहित भसीन, सहयोगी, केपीएमजी इंडिया ने किया।

सभी पैनलिस्टों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को उभरते हुए वैश्विक रुझानों के साथ जुड़ना होगा तभी भारतीय फुटवियर इंडस्ट्री को वैश्विक स्तर पर पहचान और साख मिलेगी।

वेबिनार का स्क्रीनशॉट जहाँ विशेशज्ञों/सीईओ जिन्होंने इंडस्ट्री के विकास के सूत्र दिया

एफडीडीआई द्वारा मणिपुर में चमड़े का सामान बनाने हेतु प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना :

एफडीडीआई ने चमड़े का सामान निर्माण करने हेतु एक प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना मणिपुर के इंफाल के पूर्वी जिले के लांगाई गांव (नांगपोक सांजेबान) मे की। इस केन्द्र का उद्घाटन १८ मार्च २०२१ को हुआ जिस दौरान कौना घास, केन, बांस आदि उत्पादों तथा चमड़ा उत्पादों तथा चमड़ा उत्पादों के उपयोग से महत्वशील सामग्री बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

बेसिक सिलाई प्रशिक्षण

प्रशिक्षण प्रगति में

एक प्रशिक्षु अपने बनाए उत्पाद दिखाती हुई

इस कार्यशाला को मुख्यतः दो आधारभूत संरचनाओं में बांटा गया जिसमें सभी प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया। पहले भाग में प्रशिक्षुओं को चमड़े और कपड़े पर सिलाई की कला से परिचित कराया गया और दूसरे हिस्से में उनपर कलाकारी कारीगारी कर उनके मूल्य-वर्द्धन करने का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षुओं द्वारा विकसित उत्पाद

प्रशिक्षुओं में कुल ४५ पुरुष और ०६ महिला शामिल रहे जिन्होंने मूल्य-वर्द्धित उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण लिया।

एफडीडीआई ने सेन्ट्रो टेक्नोलॉजिकों डे कालकाडो डे (सीटीसीपी) पुर्तगाल के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया :

एफडीडीआई, भारत ने सेन्ट्रो टेक्नोलॉनिको डे कालकाडो डे, पुर्तगाल के साथ ७ अप्रैल २०२१ को एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया।

इस एमओयू पर विनिमय इंडो-पुर्तगाल संयुक्त आर्थिक आयोग के ५वें सत्र के दौरान ६ अप्रैल, २०२१ को किया गया। इसका विनिमय श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई और भारत में पुर्तगाल के राजदूत, मान्यवर कार्लोस पेरेरा मारकेज के मध्य हुआ।

श्री हरदीप सिंह पुरी, माननीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री (राज्य), भारत सरकार ने ५वें इंडो पुर्तगाल आर्थिक आयोग की अध्यक्षता की जिसमें सुश्री निधि मणि त्रिपाठी, संयुक्त सचिव, वाणिज्य विभाग, (डीओसी) वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, श्री राजेन्द रत्नू, संयुक्त सचिव, उद्योग ओर आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग,(डीपीआईआईटी) श्री वाई.पी. ढेवाल, उपसचिव, वाणिज्य विभाग वाणिज्य और उद्योग मंगालम मंत्रालय भी उपस्थित थे। इस आयोजन में द्विपक्षीय व्यापार एवं आर्थिक सहयोग पर विस्तृत चर्चा हुई।

श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस. प्रंबध निदेशक एफडीडीआई और भारत में पुर्तगाल के राजदूत मान्यवर कार्लोस पेरेरा मारकेज एमओयू का आदान-प्रदान करते हुए

सीटीसीपी एक गैर-लाभकारी संगठन है जिसकी स्थापना १९८६ में फुटवियर क्वालिटी कंट्रोल लेबोरटरी (स्थापित १९८१) के निगमन द्वारा हुई। सीटीसीपी की स्थापना कंपोनेंट एंड लेदर गुड्स निर्माता संघ (एपीआईसीसीएपीएस) और पुर्तगाल सरकार के आर्थिक मंत्रालय (आईएपीएमईआई और आईएनईटीआई) के दो सरकारी संस्थानों के संयुक्त सहयोग से हुई।

इस एमओयू से संबंधित क्षेत्र में संस्थागत और व्यापारिक स्तर पर कार्य करने में सहायता और परामर्श प्राप्त होगा। इसके तहत सेक्टोरल स्टडीज, औद्योगिक प्रशिक्षण, लेबोरेटरी टेस्टिंग ऑपरेशन, शोध और विकास गतिविधि तथा क्षमता निर्माण तथा विकास कार्यक्रम शामिल हैं। आर एण्ड डी कार्यक्रम को देशभर में लागू किया जाएगा।

एमओयू पर हस्ताक्षर के समय उपस्थित गणमान्यजन

सीटीसीपी, पुर्तगाल के साथ इस एमओयू के हस्ताक्षर होने के बाद तय कार्यक्रमों की दिशा में एफडीडीआई और सीटीसीपी, पुर्तगाल के बीच पहले दौर की परिचर्चा वर्चुअल माध्यम से २६ अप्रैल, २०२१ को 'अवसरों की खोज और उनकी व्यापकता' विशय पर की गई। इस आयोजन के दौरान यह सलाह दी गई कि टेस्टिंग, शोध और विकासात्मक गतिविधियों हेतु नए प्रकार के सतत् एवं धारणीय पदार्थों का इस्तेमाल किया जाए, जिसमें जै-अपघटनीय पदार्थ भी मानक के अनुरूप शामिल हों।

एफडीडीआई, भारत ने एजुकेशन कंसल्टेंट अहफ इंडिया लिमिटेड, (EDCIL) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) में प्रवेश किया:

एफडीडीआई, भारत ने १६ अप्रैल २०२१ को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की स्टडी इन इंडिया (SII) योजना के तहत एजुकेशन कंसल्टेंट अहफ इंडिया लिमिटेड (EDCIL) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) में प्रवेश किया है।

यह समझौता ज्ञापन उन अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त करता है जो एफडीडीआई द्वारा आयोजित स्नातक और मास्टर कार्यक्रमों के माध्यम से फुटवियर, फैशन, चमड़ा उत्पाद और खुदरा क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं।

इस एमओयू से ४८ देशों-दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका, प्रमुख रूप से एशिया और अफ्रीका, नेपाल, वियतमान, सउदी अरब, कजाकिस्तान, नाइजीरिया, मलेशिया, थाइलैंड, मिस्त्र, इरान, कुबैत, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान और रवांडा समेत कई अन्य देश लाभान्वित होंगें

एफडीडीआई ने १८ देशों से सौ से ज्यादा आवेदन प्राप्त किए जिनमें ज्यादतर आवेदन अफ्रीकी और सार्क देशों के थे। प्रतिभावान विद्यार्थियों को आकर्शित करने हेतु एफडीडीआई ट्यूशन फीस में २५ प्रतिशत की छूट भी देती है। यह छूट 'स्टडी इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत दी जाती है। इसी क्रम में एफडीडीआई ने नेपाल के विद्यार्थियों हेतु 'जेनरल स्कॉलरशिप स्कीम' जो विदेश मंत्रालय द्वारा संचालित है। एमबीए पाठ्यक्रम में ४ सीटें आरक्षित रखा है।

मील के पत्थर

एफडीडीआई, पटना परिसर में 'फायर मॉक एंड इवैक्यूएशन ड्रिल' का आयोजन

कोविड-१६ महामारी के एहतियाती उपायों को बनाए रखने के बीच, पटना के फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई), पटना परिसर में एक 'फायर मॉक एंड इवैक्यूएशन ड्रिल' का आयोजन किया गया।

इसका आयोजन एफडीडीआई के कर्मचारियों/छात्रों/आगंतुकों आदि के जीवन और संपत्ति को आग और अन्य आपात स्थितियों से बचाने के उद्देश्य से किया गया था।

बिहार अग्निशमन अकादमी, आनंदपुर, बिहटा के श्री विकास कुमार और अन्य अग्नि सुरक्षा अधिकारियों ने ड्रिल का संचालन किया और एक तैयारी योजना की आवश्यकता के बारे में बताया।

उन्होंने इमारत और वाहनों के संदर्भ में आग के मामले में क्या करें और क्या न करें के महत्वपूर्ण इनपुट प्रदान किए और आग के प्रकार और 'आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम' (ईआरटी) की भूमिका के बारे में भी बताया और कहा कि भूमिकाएं और जिम्मेदारियां ईआरटी में शामिल प्रत्येक अधिकारी के बारे में स्पष्ट होना चाहिए।

इस ड्रिल में संस्थान के सभी कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

'फायर एंड मॉक इवैक्यूएशन ड्रिल' का आयोजन वर्तमान अग्नि सुरक्षा कानून और अच्छे कार्य अभ्यास के अनुपालन में किया गया था ताकि संगठन आपात स्थिति के लिए सुसज्जित रहे।

भारत की पारंपरिक शिल्प और सिलाई कला की तकलीक का प्रदर्शन करने हेतु एफडीडीआई, इंडिया ने 'सिलाई की परंपरा : भारत में वस्त्र' विशयक वर्चुअल प्रदर्शनी में सहभागिता की। इसका आयोजन बैरन कला केन्द्र, न्यू जर्सी (यूएसए) में किया गया

भारतीय पारंपरिक कपड़ा शिल्प और सिलाई तकनीक को प्रोनन्यन करने हेतु एफडीडीआई, इंडिया ने 'सिलाई की परंपरा : भारत में वस्त्र' विशयक वर्चुअल प्रदर्शनी, जो ५ से २६ मार्च २०२१ के मध्य बैरन कला केन्द्र, न्यू जर्सी, वुडब्रिज, यूएसए में आयोजित हुई, में भाग लिया।

प्रदर्शनी के क्यूरेटर सुश्री सोनल गढ़वी के अनुरोध पर एफडीडीआई स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एसेसोरिज डिजाइन, एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर के विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने इस प्रदर्शनी में भाग लिया।

सुश्री आरती सिंह, विभागाध्यक्ष, एफएसएलजीएडी द्वारा उत्पादों को भेजा गया जो जाह्नवी यागी और आकांक्षा विज, सेमेस्टर-४ तथा अमृता चुघ, सेमेस्टर-६ के विद्यार्थियों द्वारा भारतीय कला और संस्कृति पर केन्द्रित वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर सुश्री आरती सिंह, विभागाध्यक्ष ने ''धागे और वस्त्र : परंपरागत सिलाई की कहानी'' विशय पर व्याख्यान दिया।

इस संदर्भ में कपड़ों की कढ़ाइ शिल्प आदि कलाओं यथा-चिकनकारी, कांठा, कसुटी, फुलकारी, जरदोजी, कसीदाकारी आदि कला प्रकारों का जिक्र किया गया।

इस प्रदर्शनी से एफडीडीआई की तकनीक और कला को अंतरराश्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का मौका मिला। इससे भारतीय धरोहर और पारंपरिक शिल्प कला, सिलाई कला को अंतरराश्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका प्राप्त हुई।

एफडीडीआई द्वारा मणिपुर में चमड़े का सामान बनाने के प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना

एफडीडीआई द्वारा मणिपुर में चमड़े का सामान बनाने के एक प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना लांगेई गांव, नांगपोथ, संजेबाम, इंफाल, पूर्वी जिला में की गई। इस केन्द्र की स्थापना १८ मार्च, २०२१ को हुई जिसमें कौना घास, केन, बांस इत्यादि पदार्थों से मूल्य-वर्धित वस्तुएं बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इन वस्तुओं के साथ-साथ चमड़े का सामान बनाने का भी प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला को मुख्यतः दो प्रारूपों में बांटा गया था ताकि सभी प्रशिक्षुओं को सक्षमतापूर्वक सिखाया जा सके। पहले भाग में प्रशिक्षुओं को बेसिक सिलाई का प्रशिक्षण दिया गया। कपड़े और चमड़े पर सिलाई के प्रशिक्षण पर केन्द्रित था। दूसरे भाग में मूल्य वर्धित उत्पादों को चमड़ा ओर कपड़ा, कौना, घास और बांस के माध्यम से सिलाई करने का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षु प्रतिभागी जिनमे ४५ महिलाएं प्रशिक्षु और ०६ पुरुश प्रशिक्षु शामिल थे जो मूल्य वर्द्धित उत्पाद बनाने मे सक्षम थे।

"लाजिक ऑफ एथलेटिक्स एंड स्पार्टस स्पेसीफिक फुटवीयर" विशयक प्रक्रियात्मक प्रदर्शनीय डेकाथलॉन स्पॉर्टस इंडिया, एफडीडीआई, हैदराबाद के विद्यार्थियों द्वारा किया गया

१६ मार्च २०२१ को बी. डेस, एफडीपी (२०१८-२२) के विद्यार्थियों ने जो डिजाइन इलेक्टिव स्पेशलाइजेशन से संबद्ध है, उन्होंने 'लाजिक ऑफ एथलेटिक्स-स्पेसीफिक फुटवियर" विशय प्रक्रियात्मक प्रदर्शनी में भाग लिया। यह आयोजन डेकाथलॉन स्पार्टस इंडिया के तहत आयोजित हुई।

एफडीडीआई स्कूल ऑफ फुटवीयर डिजाइन एंड प्रोडक्शन के विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों और विभागाध्यक्ष के साथ डेकाथलॉन स्पार्ट्स इंडिया का भ्रमण किया, जो छोटा अंजैया नगर, गाचीबाइली, हैदराबाद में अवस्थित है।

श्री ईशा बिन मोहसिन (डिक्लिथियन के स्पोर्ट्स लीड) ने छात्रों को साइकोग्राफिक, डेमोग्राफिक, बिहेवियरल सेगमेंटेशन, वोरेबल्स के बारे में समझाया और स्पोर्ट्स शू के डिजाइन के दौरान चौकन्ना रहने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने खेल की विभिन्न प्रकृति के साथ स्पाइक्स, स्टड, लग्स के प्रभावों के बारे में भी जानकारी दी।

इस दौरे का उद्देश्य छात्रों को स्पोर्ट्स फुटवियर डिज़ाइन की जटिलता के बारे में परिचालनात्मक जानकारी प्रदान करना और इसे वर्तमान एटिओलहजी के साथ कैसे अपनाना है ताकि रनिंग रिलेटेड इंजरी (आरआरआई) को कम किया जा सके।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में डिजिटल डिजाइन पर कार्यशाला 'आयोजित' की गई

एफडीडीआई स्कूल अहफ फैशन डिजाइन (एफएसएफडी) के छात्रों और फैकल्टी के लिए एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में डिजिटल डिजाइन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जिसका आयोजन १६ से २० मार्च २०२१ तक रिसोर्स पर्सन, श्री रामेंद्रनाथ सरकार द्वारा किया गया था।

श्री सरकार, जिनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र फैशन कम्युनिकेशन, एक्सेसरी डिज़ाइन, फोटोशहप, इलस्ट्रेशन तकनीक आदि हैं, सरकार ने डिज़ाइन टूल के बारे में संक्षिप्त रूप से डिजिटल डिज़ाइन में उपयोग किए जाने वाले और उन अवधारणाओं और सहफ़्टवेयर के बारे में समझाया जो एक विशिष्ट ग्राफिक डिज़ाइन वर्कफ़्लो में फिट होते हैं।

श्री सरकार ने मुखौटा डिजाइनिंग, विभिन्न बनावटों के साथ इसका प्रतिपादन, चेहरे के उत्पाद डिजाइनिंग पर मास्क ड्रेपिंग, फोटो और पृष्ठभूमि संपादन, उत्पाद कार्यान्वयन आदि के बारे में बताया।

कार्यशाला में वस्तु प्रस्तुति, चित्र उपचार और वृद्धि तकनीकों को भी शामिल किया गया।

कार्यशाला में प्रतिभागियों को डिजिटल डिजाइनिंग प्लेटफहर्म के क्षेत्र में फोटोशहप सहफ्टवेयर और विभिन्न उपकरणों के प्रयोग के संबंध में तथा उनके तकनीकी ज्ञान में सुधार के लिए तकनीकी जानकारी प्रदान की।

एफडीडीआई, फिक्की द्वारा आयोजित और सीएलई द्वारा समर्थित वीएफएलई २०२१ के दौरान आयोजित सामयिक मुद्दों पर डिजिटल सत्र

एफडीडीआई और फिक्की ने संयुक्त रूप से १५ से २१ मार्च २०२१ तक वीएफएलई २०२१ भारत की पहली वर्चुअल प्रदर्शनी और फुटवियर और चमड़ा उत्पादों पर सम्मेलन का आयोजन किया। इस आयोजन को सीएलई द्वारा समर्थित किया गया था।

एक्सपो में उनके सहायक उत्पादों सहित फुटवियर और चमड़ा उद्योग से संबंधित उत्पादों की पूरी श्रृंखला का आभासी प्रदर्शन हुआ। इसमे चमड़े के जूते, मशीनरी और प्रौद्योगिकी, चमड़े के सामान, रसायन और अन्य कच्चे माल के क्षेत्रों में सभी हितधारकों को एक साथ लाने के लिए एक मंच प्रदान किया।

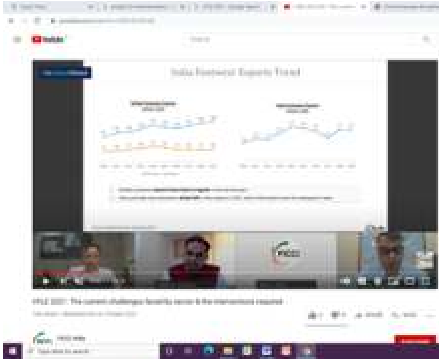

एक्सपो के समानांतर ट्रैक पर, डिजिटल सत्र थे जहां उद्योग के प्रसिद्ध व्यक्तियों और विशेषज्ञों ने सामयिक मुद्दों पर चर्चा की।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में आयोजित ऑनलाइन मोड के माध्यम से 'फोटोग्राफी' पर कार्यशाला

एफडीडीआई स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफएसएफडी) के छात्रों और शिक्षकों के लिए एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में फोटोग्राफी पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का आयोजन १३ और १४ मार्च २०२१ को, श्री गुरदीप धीमान द्वारा अह्नलाइन मोड के माध्यम से किया गया था, जो देश मे फोटोग्राफी के दिग्गज और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फोटोग्राफर में से एक हैं।

श्री धीमान ने फोटोशूट के लिए दो विषयों पर आधारित एक संग्रह विकसित करने में छात्रों का मार्गदर्शन किया, अर्थात् कलर ब्लहकिंग और प्रिंट-ऑन-प्रिंट।

श्री धीमान द्वारा दिए गए व्याख्यानों के माध्यम से, प्रतिभागियों ने कंप्यूटर ग्राफिक्स के मूल्य को समझने के अलावा फैशन फोटोग्राफी और स्थिर फोटोग्राफी, वीडियो बनाने, इनडोर और आउटडोर फोटोग्राफी, स्टाइल, वेशभूषा और मेकअप की विभिन्न तकनीकों के महत्व को सीखा और समझा।

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर में मोजरी पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

१२ मार्च २०२१ को एफडीडीआई, जोधपुर परिसर में एथनिक फुटवियर 'मोजरी' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

श्री सुरेश गोयल (मास्टर शिल्पकार) ने छात्रों के साथ-साथ फैकल्टी सदस्यों को भी प्रशिक्षण दिया। उन्होंने मोजरी बनाने की बुनियादी प्रक्रिया का प्रदर्शन किया और महत्वपूर्ण सुझाव दिए। प्रदर्शन के दौरान श्री सुरेश ने बताया कि पीढ़ियों से कारीगर मोजरी' बना रहे हैं जिसमें गर्मी हस्तांतरण के लिए मजबूत शक्ति, बिक्री की अभेद्य शक्ति, लालित्य और सौंदर्यशास्त्र के गुण हैं।

श्री सुरेश ने बताया कि उत्पादन प्रक्रिया और कार्य नितियों में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी शामिल है, जो मोजरी पर कढ़ाई का काम करती हैं।

उन्होंने विभिन्न प्रकार के चमड़े और हाथ के औजारों के उपयोग के बारे में जानकारी दी जैसे 'रैम्पी'-एकमात्र चमड़े को काटने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, ''ऊपरी की सजावट के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले धूंसे विभिन्न आकारों और आकारों के पंच के लिए। कतरनी उपकरण सोल और ऊपरी सिलाई के लिए प्रयोग किया जाता है''।

इस प्रशिक्षण कार्यशाला के माध्यम से इस अनूठे उत्पाद से जुड़ी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और युवा पीढ़ी को विरासत में देने का प्रयास किया गया।

एफडीडीआई, रोहतक के छात्र ने फैशन शो में जीता 'हरियाणा क्वीन' का खिताब

स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (एसयूपीवीए) के सभागार में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (०८ मार्च २०२१) के अवसर पर अमर उजाला द्वारा आयोजित एक फैशन शो के दौरान एफडीडीआई, रोहतक परिसर की छात्रा सुश्री हर्षुल अत्री ने हरियाणा क्वीन का खिताब जीता है।

फैशन शो में भाग लेने वाले एफ़डीडीआई स्कूल अहफ फैशन डिज़ाइन एफ एस एफ डी के छात्रों ने अपने फैशन कौशल का प्रदर्शन किया और रैंप पर शान से वॉक किया।

एफएसएफडी की छात्र सुश्री हर्षुल अत्री को हरियाणा क्वीन (१८-३० वर्ष की आयु वर्ग में प्रथम स्थान) का खिताब मिला। यहां तक कि दोनों उपविजेता पदों पर भी एफडीडीआई के छात्र सुश्री आरती गुप्ता (१ रनर-अप) और सुश्री नलिनी मिश्रा (२ रनर-अप) रहीं।

इस आयोजन में ३ आयु वर्गों में ८० से अधिक प्रतिभागियों और लगभग ३०० से अधिक दर्शकों की उपस्थिति देखी गई। इस कार्यक्रम में जूरी सदस्यों के रूप में डह्. रागिनी सिंह(श्रीमती क्लासिक यूएसए २०१६) और सुश्री मुस्कान सैनी (रूब्रो सुश्री लैंडस्केप २०१६) की शानदार उपस्थिति भी देखी गई।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में आयोजित फैशन स्टाइलिंग और मेक- मेकअप पर कार्यशाला

फैशन स्टाइलिंग और मेक-अप पर एक कार्यशाला, छिंदवाड़ा परिसर में ०८ से १२ मार्च २०२१ तक आयोजित की गई।जो एफडीडीआई स्कूल अहफ फैशन डिजाइन (एफएसएफडी) के छात्रों और फैकल्टी के लिए तकनीकी इनपुट प्रदान करने और उन्हें उपयुक्त फैशन और मेकअप सेंस को विकसित करने में मदद करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

सुश्री काजल, एक उद्योग पेशेवर, जिन्होंने नेशनल इंस्टीट्यूट अहफ फैशन टेक्नोलह्जी (निफ्ट), कांगड़ा से फैशन कम्युनिकेशन स्नातक और निफ्ट, हैदराबाद से मास्टर अहफ फैशन मैनेजमेंट (एमएफएम) ने कार्यशाला का संचालन किया।

कार्यशाला के दौरान, प्रतिभागियों ने ग्राहक की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न शोध और अन्वेषण तकनीकों की सहायता से एक निश्चित रूप की योजना बनाने की विस्तृत प्रक्रिया से गुजरना शुरू किया।

एफडीडीआई परिसरों में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस ०८ मार्च २०२१ को एफडीडीआई के सभी परिसरों में बड़े उत्साह के साथ कोवीड-१६ महामारी के एहतियाती उपायों को बनाए रखते हुए मनाया गया।

इस अवसर पर महिला कर्मचारियों के लिए सभी एफडीडीआई परिसरों में महिला सशक्तिकरण पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिला कर्मचारियों को देश में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धि के बारे में बताया गया।

कर्मचारियों को कार्यस्थल पर महिलाओं के सशक्तिकरण के बारे में भी बताया गया, जिसका अर्थ है कि महिलाएं अपने जीवन पर अधिक नियंत्रण रख सकती है इसका मतलब है कि उन्हें अपने स्वयं के कार्यक्रम बनाने, नए कौशल हासिल करने और स्वायत्तता हासिल करने की स्वतंत्रता देने से ही महिला सशक्तिकरण का निर्माण होता है, जिसे महिलाएं कार्यस्थल पर लाती हैं, तथा उन्हें स्वीकार किया जाता है और उनका उपयोग किया जाता है।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में टुकटेक /सीएडी पर ई-कार्यशाला आयोजित की गई

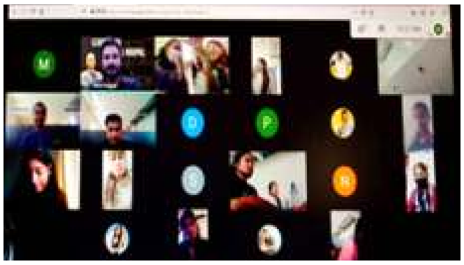

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में ८ से २७ फरवरी २०२१ तक टीयूकेटेक/सीएडी पर एक ई-कार्यशाला का आयोजन किया गया।

टुकटेक /सीएडी सहफ्टवेयर और उद्योग में इसके उपयोग के बारे में छात्रों और शिक्षकों के तकनीकी उन्नयन के लिए स्कूल अहफ फैशन डिजाइन द्वारा ई-कार्यशाला का आयोजन किया गया था। श्री रिखिल नागपाल विशेषज्ञ थे जिन्होंने अहनलाइन मोड के माध्यम से सत्र का संचालन किया।

श्री रिखिल नागपाल एमिटी यूनिवर्सिटी गुड़गांव से रिसर्च स्कहलर हैं, साथ ही टेक्नोलहजिकल इंस्टीट्यूट अहफ टेक्सटाइल एंड साइंस, भिवानी से फैशन और अपैरल इंजीनियरिंग में बी.टेक हैं।

श्री रिखिल ने टुकटेक /सीएडी सहफ्टवेयर के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी जिसमें यूजर इंटरफेस, पैटर्न मेकिंग और ग्रेडिंग और मार्कर प्लानिंग शामिल थे।उन्होंने प्रतिभागियों को गारमेंट डिजाइनिंग और उसमें शामिल संशोधन तकनीकों के ३डी पहलू के बारे में ब्रीफिंग के अलावा टूल और तकनीकों के प्रयोग के बारे में बताया।

एफडीडीआई, अंकलेश्वर के छात्र ने फैशन शो 'फ्लाई डी फैशन २०२१' में जीता तीसरा पुरस्कार

एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर की छात्रा, सुश्री यशश्री कटाले ने एक फैशन शो इवेंट फ्लाई डी फैशन २०२१ में तीसरा पुरस्कार जीता, जो ०७ फरवरी २०२१ को आयोजित किया गया था और यह श्री साई मीडिया ग्रुप (लातूर, महाराष्ट्र) द्वारा आयोजित किया गया था।

फैशन शो महाराष्ट्र राज्य की मराठवाड़ा क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता थी। सुश्री यशश्री कटाले, एफडीडीआई स्कूल अहफ फैशन डिजाइन (एफएसएफडी) के चौथे सेमेस्टर के छात्रा ने अपने फैशन कौशल का प्रदर्शन किया और वॉक किया।

सुश्री यशश्री कटाले के आकर्षक संग्रह की सराहना की गई। और शो के दौरान उपस्थित सभी लोगों और पूरे मीडिया से प्रशंसा प्राप्त हुई।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'मेक-अप और स्टाइलिंग' पर ई-कार्यशाला की श्रृंखला आयोजित की गई

२६ जनवरी २०२१ से २६ फरवरी २०२१ तक एफडीडीआई, नोएडा परिसर में मेक-अप और स्टाइलिंग पर ई-कार्यशाला की एक श्रृंखला आयोजित की गई।

क्र. सं.	विषय	विशेष विवरण	दिनांक
१.	मेक अप प्रोडक्टस एंड किट नहलेज	सुश्री सूर्य पौडल-मास्टर ट्रेनर	२६.०१.२०२१
२.	डिफरेंस बिटवीन फैशन/कैटवाक मेक अप, कैरेक्टर मैक अप- स्क्रीन और स्टेज / टीवी, स्टिल फोटोग्राफिक मेकअप	सुश्री वर्षा ग्रेड - मेकअप संकाय	०५.०२.२०२१
३.	हेयर प्रोडक्ट्स और हेयर बेसिक किट	श्री जफर अहमद हेयर फैकल्टी	१२.०२.२०२१
४.	स्किन केअर एंड स्किन टाइप्स	सुश्री रेशु अग्रवाल - स्किन फैकल्टी	१६.०२.२०२१
५.	फूड एंड न्यूट्रिशन	डा. दीप्ति वर्मा- न्यूट्रिशन प्रोग्राम प्रमुख	२६.०२.२०२१

इस पांच दिवसीय ई-वर्कशॉप का आयोजन स्कूल अहफ फैशन डिजाइन द्वारा किया गया था, जिसके दौरान भारत की प्रमुख ब्यूटी एंड वेलनेस केयर संस्था वंदना लूथरा कर्ल्स एंड कर्व्स (वीएलसीसी) ने छात्रों और फैकल्टी को मेकअप के पीछे की कलात्मकता से परिचित कराकर ज्ञानवर्धक और ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित किए।

'मेकअप प्रोडक्ट्स एंड किट ज्ञान' पर ई-वर्कशहप के दौरान , सुश्री सूर्या पौडल, (मास्टर ट्रेनर) ने उत्पाद ज्ञान और मेकअप किट के मूल सिद्धांतों के बारे में जानकारी दी और बुनियादी मेकअप को लागू करने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया।

०५ फरवरी २०२१ को आयोजित ई-कार्यशाला के दौरान, सुश्री वर्षा ग्रेड मेकअप फैकल्टी ने मेकअप की विभिन्न शैलियों और उनके अनुप्रयोगों के बारे में बहुमूल्य सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि फैशन उम्मीदवारों के रूप में, यह समझना जरूरी है कि मेकअप केवल झिलमिलाती आंखों और चमकदार होंठों के बारे में नहीं है; यह उससे कहीं अधिक है ।

१२ फरवरी २०२१ को आयोजित हेयर प्रोडक्ट्स एंड हेयर बेसिक किट्श पर ई-वर्कशहृप के दौरान श्री जफर अहमद हेयर फैकल्टी ने प्रतिभागियों को हेयर और स्टाइल के बारे में जानकारी दी। मिस्टर जफर ने बताया कि जैसे एक्सेसरीज का मतलब आउटफिट के लिए है वैसे ही हेयर-डू का मतलब मेकअप के लिए है, हेयर और मेकअप साथ-साथ चलते हैं और एक-दूसरे के बिना अधूरे हैं।

सुश्री रेशु अग्रवाल, स्किन फैकल्टी ने त्वचा की देखभाल और त्वचा के प्रकारों पर ई-कार्यशाला के दौरान मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की, जो १२ फरवरी २०२१ को आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि त्वचा की देखभाल स्वस्थ मेकअप की नींव रखती है और त्वचा की देखभाल केवल मेकअप तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए। सुश्री रेशु ने इस बात पर जोर दिया कि त्वचा की उचित देखभाल दिन-प्रतिदिन की जानी चाहिए क्योंकि यह सीधे तौर पर स्वस्थ जीवन और स्वच्छता से जुड़ा है।

खाद्य एवं पोषण पर कार्यशाला का संचालन डह. दीप्ति वर्मा द्वारा किया गया। २६ फरवरी २०२१ को कार्यक्रम प्रमुख पोषण विशेषज्ञ डह. दीप्ति ने व्यक्ति द्वारा संतुलित आहार की खपत और हमारी शारीरिक गतिविधि और भोजन का सेवन हमारे शरीर के वजन में परिवर्तन से कैसे संबंधित है, के बारे में बताया सत्र के दौरान, डह दीप्ति ने स्वस्थ आहार, तनाव बस्टर, और प्रतिरक्षा जैसे सामान्य पोषण युक्तियाँ भी प्रतिभागियों को दी।

एफडीडीआई ने पांच दिवसीय ई-कार्यशाला के माध्यम से छात्रों को समर्थन दिया, जिससे उन्हें अपने पेशेवर उद्देश्य की प्राप्ति में नए कौशल जोड़ने का मौका मिला।

'प्रिंसिपल मीट' का आयोजन एफडीडीआई, छिदंवाड़ा परिसर में किया गया

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में १७ फरवरी २०२१ को प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों, छात्रों और उनके माता-पिताओं के बीच अनिश्चितता के माहौल को दूर करने के लिए एक प्रधानाध्यापक बैठक आयोजित की गई, यह अनिश्चितता का माहौल कोवीड-१९ महामारी के कारण बना था।

बैठक का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ), छिंदवाड़ा जिले के समन्वय के साथ किया गया था, जिसमें विभिन्न स्कूलों के लगभग ४०० प्रधानाध्यापकों ने भाग लिया था। जो छिंदवाड़ा के आसपास के क्षेत्र में कार्यरत हैं। राजीव साठे, (प्रमुख- राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान) (आरएमएसए), भी बैठक में उपस्थित थे।

यह बैठक छिंदवाड़ा और आसपास के क्षेत्रों के सभी स्कूल प्रधानाचार्यों के बीच जागरुकता फैलाने के लिए एक मंच प्रदान करती है ताकि एफडीडीआई के कौशल आधारित पेशेवर कार्यक्रमों के माध्यम से जूते, फैशन, चमड़े के उत्पादों और खुदरा और फैशन व्यापार के क्षेत्र में उपलब्ध कैरियर के अवसरों के बारे में जानकारी दी जा सके।

मोचिको शूज प्राइवेट लिमिटेड में एफडीडीआई, नोएडा के छात्रों के लिए औद्योगिक एक्सपोजर

१७ फरवरी २०२१ को एफडीडीआई, नोएडा परिसर के फैकल्टी के पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में ब्रिज कोर्स (२०१७-२१) के छात्रों को कारखाने के दौरे के लिए ले जाया गया था। जहां उन्होंने मोचिको शूज प्राइवेट लिमिटेड की विनिर्माण सुविधाएं देखी। जो नोएडा फेज २ में स्थित है और एडिडास और रीबहक के साथ काम कर रही है।

मोचिको शूज प्राइवेट लिमिटेड के प्रोडक्शन मैनेजर और एक्सीलेंस हेड अहफ प्रोडक्शन लिमिटेड ने अहर्डर मिलने से लेकर फाइनल डिस्पैच तक स्पोर्ट्स शू निर्माण की पूरी प्रक्रिया के बारे में छात्रों को जानकारी दी। उन्होंने सामग्री उपयोग के सर्वोत्तम तरीके की जटिलताओं के बारे में भी जानकारी दी और छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा किए।

इस औद्योगिक प्रदर्शन का उद्देश्य एक ठोस आधार प्रदान करना और छात्रों को स्पोर्ट्स फुटवियर प्रौद्योगिकी में नवीनतम तकनीकी विकास के साथ-साथ स्पोर्ट्स शू निर्माण के विभिन्न चरणों से परिचित कराना था।

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर में आयोजित ‘सॉलिंग एंड अपर मैटेरियल्स के निर्माण और कंपाउंडिंग प्रोसेस’ पर वर्चुअल वर्कशॉप का आयोजन

१५ फरवरी २०२१ को एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर में सॉलिंग और अपर मैटेरियल्स के निर्माण और कंपाउंडिंग प्रक्रिया पर एक आभासी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

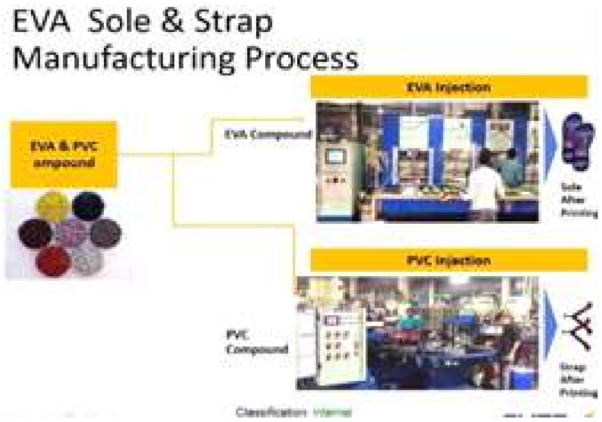

स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन ने कार्यशाला का आयोजन किया, जिसके दौरान श्री आशीष निगम (एवीपी प्रोडक्शन एंड क्वालिटी फॉर रेलेक्सो फुटवियर लिमिटेड) ने छात्रों और अन्य प्रतिभागियों को तकनीकी जानकारी प्रदान की।

ऑनलाइन सत्र के दौरान, श्री निगम ने उत्पादन प्रक्रिया के तरीकों, तकनीकों, सामग्री से संबंधित विनिर्माण प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को विभिन्न प्रकार के तलवों जैसे पीयू, ईवीए और पीवीसी, कच्चे माल और निर्माण प्रक्रिया को पूरा करने के लिए आवश्यक विभिन्न प्रकार की मशीनों से अवगत कराया। उन्होंने विभिन्न प्रकार की मशीनों से रबर सोल की पूरी निर्माण विधि का भी वर्णन किया।

बिहार राज्य में ‘चमड़ा, फुटवियर और चमड़ा उत्पादों के उद्योगों में अवसर’ पर अंतर्क्रियात्मक बैठक का आयोजन

१५ फरवरी २०२१ को उद्योग विभाग, बिहार सरकार के अपर मुख्य सचिव के साथ बिहार राज्य में ‘चमड़ा, फुटवियर और चमड़ा उत्पादों के उद्योगों में अवसर’ पर अंतर्क्रियात्मक बैठक का आयोजन किया गया।

इस बैठक में, श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, आईएएस अपर मुख्य सचिव, बिहार सरकार, श्री पंकज दीक्षित, आईएएस, निदेशक, तकनीकी विकास, बिहार सरकार, श्री पंकज कुमार सिंह, आईपी एंड टीएस, निदेशक, उद्योग, बिहार सरकार और श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई मौजूद रहे।

इस अंतर्क्रियात्मक बैठक का उद्देश्य बिहार राज्य में चमड़ा उद्योग के समक्ष आ रहे कौशल विकास की समस्या का समाधान खोजना था। बिहार राज्य में एफडीडीआई के सहयोग से इस क्षेत्र में बेहतरी करने और भविश्य के कार्यक्रम पर भी चर्चा की गयी।

आईडीएलएस योजना पर अंतर्क्रियात्मक सत्र को एफडीडीआई के पीआईयू परियोजना समन्वयक ने संबोधित किया

इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ लेदर सेक्टर (आईडीएलएस) योजना के बारे में व्यापक जागरुकता फैलाने और इसका जन-जन में प्रसार-प्रचार करने हेतु उद्योग संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) भारत सरकार तथा एफडीडीआई परियोजना क्रियान्वयन ईकाई के रूप में, ने कोई प्रयास बाकी नहीं छोड़ा है।

इसी प्रसंग में चमड़ा निर्यात परिशद् मध्य क्षेत्र के कानपुर कार्यालय ने एफडीडीआई को एक अंतर्क्रियात्मक सत्र हेतु आमंत्रित किया था, जो आवेदक इकाइयों के साथ संचालित हुआ। इस सत्र को श्री अरित्रा दास, परियोजना समन्वयक, एफडीडीआई ने ५ फरवरी, २०२१ को केएलसी बंथर में संबोधित किया।

इस अंतर्क्रियात्मक सत्र का उद्देश्य विभिन्न तकनीकी प्रक्रियाओं और आईएलडीएस योजना के आवेदक सदस्यों की समस्याओं के बारे में जागरुकता लाकर उनके अनुपालन में आ रही चुनौतियों को समाप्त करना था।

श्री दास ने उन आवेदकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जिनके आवेदन परियोजना क्रियान्वयन ईकाई के विभिन्न चरणों के अंतर्गत प्रक्रियाधीन हैं।

एफडीडीआई इंडिया ने उज्बेकिस्तान गणराज्य के साथ परामर्शदात्री कार्य के लिए योजना बनाई

वैश्विक उपस्थिति और अंतरराश्ट्रीय सहयोगों को बढ़ाने की दिशा में काम करने हेतु एफडीडीआई ने भारत में उज्बेकिस्तान गणराज्य के असाधारण और क्षमतावान राजदूत से संपर्क साधा।

इस संबंध में, श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई ने भारत में उज्बेकिस्तान के असाधारण एवं क्षमतावान राजदूत श्री दिलशाद अखातोब से मुलाकात की। इस मुलाकात में पाठ्यक्रम मानक का निर्माण, डिजाइन और तकनीकी विकास आदि क्षेत्रों से संबंधित आयामों पर परामर्शक सेवाएं साझा करने पर चर्चा हुई।

यह बैठक २१ जनवरी, २०२१ को डॉ. एस. राधाकृश्णन मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में आयोजित हुई जिसमें यह निर्णय लिया गया कि एफडीडीआई नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ उज्बेकिस्तान के साथ साझेदारी करेगा, जो चमड़ा और फुटवियर क्षेत्र के विकास हेतु कार्यरत होगा। दोनों गणमान्य जनों ने वर्तमान और भविश्य के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले सहयोग के मुद्‌दों पर भी चर्चा की।

नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ उज्बेकिस्तान अब मिर्जो उलुगबेक के नाम से जाना जाता है, उज्बेकिस्तान ही नहीं बल्कि मध्य एशिया का भी प्रतिश्ठित उच्च शिक्षण संस्थान है। इस विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र के विभिन्न आयामों से संबंधित अव्वल दर्जे के विशेशज्ञ निकले हैं।

वैज्ञानिक दृश्टिकोण से लैस, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ उज्बेकिस्तान उज्बेकिस्तान गणराज्य में आधारभूत उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त है। यह विश्वविद्यालय शैक्षणिक मानक, शैक्षणिक पाठ्यक्रम योजनाएं बनाता और क्रियान्वित कराता है, जो अन्य उच्च शिक्षण संस्थाओं में लागू होते हैं।

एफडीडीआई, सीएलई और फिक्की ने 'वर्चुअल फुटवियर और लेदर एक्स्पो २०२१' के लिए ब्रोशर लांच किया

'वर्चुअल फुटवियर और लेदर एक्स्पो २०२१' के ब्रोशर की आधिकारिक लांचिंग २६ जनवरी, २०२१ को होटल लीला, नई दिल्ली में की गयी। इस आयोजन के आधिकारिक ब्रोशर की लांचिंग श्री पी.आर. अकील अहमद, अध्यक्ष, सीएलई, श्री अरुण कुमार सिन्हा आईएएस, प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई और श्री बलविंदर सिंह साहनी, सहायक महासचिव, फिक्की, श्री संजय लीखा, उपाध्यक्ष, सीएलई, श्री आर. सेल्वम, कार्यकारी निदेशक, सीएलई श्री मनोज तुली, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जस्टनेड आदि ने संयुक्त रूप से की।

एफडीडीआई ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) और काउन्सिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट (सीएलई) के सहयोग से 'वर्चुअल फुटवियर और लेदर एक्सपो २०२१' के प्रथम संस्करण का आयोजन १५ मार्च, २०२१ से २१ मार्च, २०२१ तक आयोजित किया। आयोजन का प्रमुख उद्देश्य चमड़ा और फुटवियर उद्योग को बढ़ावा देना था।

फिनिक्स पैलेसियो मॉल, लखनऊ में एफडीडीआई, फुर्सतगंज ने 'रचनात्मक कार्यशाला' का आयोजन किया

एफडीडीआई फुर्सतगंज के विद्यार्थियों द्वारा फिनिक्स पैलेसियो महल, लखनऊ के सहयोग से एक ''रचनात्मक कार्यशाला'' का आयोजन १३ और १४ जनवरी, २०२१ को किया गया। इस वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य डिजाइनिंग से जुड़े विचारों और इस क्षेत्र से संबंधित तकनीक और नवोन्मेशी योजनाओं को बढ़ावा देना था।

बी. डिजाइन-फुटवियर डिजाइन और डिजाइन फैशन डिजाइनिंग प्रोग्राम के करीब २० विद्यार्थियों ने अपने विशेशज्ञ संकाय सदस्यों के साथ मिलकर पैलेसियो मॉल के क्रिएटिव टीम के सहयोग से इस वर्कशॉप का संचालन किया और नवोन्मेश की संस्कृति को विकसित करने का प्रयास किया।

विद्यार्थियों ने ग्राहकों की मांग के अनुरूप नए-नए डिजाइनिंग समाधानों को प्रस्तुत किया। उन्होंने इस क्षेत्र के विशय में जनमानस की धारणा को व्यापक बनाने हेतु भी कई महत्वपूर्ण विचार दिए।

इस कार्यशाला में सभी आयुवर्ग के करीब २५० प्रतिभागी शामिल हुए, जिसमें मॉल प्रबंधन के कार्निक और फैशन इंडस्ट्री के नामचीन लोग भी सम्मिलित थे।

फिनिक्स पैलेसियो मॉल के प्रबंधन टीम ने एफडीडीआई की टीम का धन्यवाद किया और इस 'क्रिएटिव वर्कशॉप' हेतु सहयोगी विद्यार्थियों को प्रमाणित किया।

'डिजाइन-जेई, सृजनात्मक कला हेतु नया नजरिया' नामक डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन जुती एक्सपो द्वारा एफडीडीआई के सहयोग से किया गया

'डिजाइन-जेई सृजनात्मक कला हेतु नया नजरिया' नामक डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन जुती एक्सप्रेस द्वारा एफडीडीआई के सहयोग से २० से ३० दिसंबर २०२० के मध्य किया गया, जिसके परिणामों की घोशणा १० जनवरी, २०२१ को की गई।

जुती एक्सप्रेस की शुरुआत २०१४ में सुश्री पारूल सुनेजा ने की थी जिसका मुख्य उद्देश्य हाथ से बनी आरामदेह पंजाबी जूतियों की बेहतरीन और उम्दा शृंखला को ग्राहकों तक पहुंचाना था। पंजाबी जूतियां भारतीय सांस्कृतिक धरोहर का गौरव हैं। इसका निर्माण प्रतिभावान कारीगारों द्वारा किया जाता है, तो बहुत ही मनोयोग से प्रत्येक जोड़ी जूती का निर्माण करते हैं। यह कंपनी नोएडा में अवस्थित है और यह कृति सैनन, मानुशी छिल्लर, अनुश्का शर्मा आदि जैसे प्रख्यात शख्सियतों को सेवाएं प्रदान करती हैं।

विजेताओं का विवरण

क्र.सं.	विद्यार्थी का नाम	कैंपस एवं बैच	कॉन्सेप्ट	स्थान	पुरस्कार
१	सुश्री अदिति ठाकुर	चंडीगढ़ कैंपस बी . डेस और एफडीपी (२०१९-२३)	यूनिक्कॉर्न और फ्लावर्स	प्रथम विजेता	रु ३०००/- मेधा प्रमाण पत्र और बनी हुई एक जोड़ी जूती
२.	सुश्री ऐश्वर्या चंद्रा	फुर्सतगंज कैंपस बी . डेस एफडीपी (२०१८-२०२२)	कोरल रीफ	द्वितीय विजेता	रु १५००/- मेधा प्रमाण पत्र और बनी हुई एक जोड़ी जूती
३	सुश्री निचिता पाल	कोलकाता कैंपस बी . डेस एफडीपी (२०१८-२०२३)	मुनिफिसेश	तृतीय विजेता	रु १५००/- मेधा प्रमाण पत्र और बनी हुई एक जोड़ी जूती

इस प्रतियोगिता में ज्यादातर इस्तेमाल की गयी चीज थी-फ्लोरल, इंडो-वेस्टर्न, मधुबनी मोटिक्स, मॉर्डन आर्ट, ट्राइबल आर्ट, वाइल्डलाइफ, पैस्टेल्स इत्यादि।

विद्यार्थियों की कलाकृतियों का मूल्यांकन एक निर्णायक मंडल/ज्यूरी द्वारा किया गया जिसमें जूती एक्ससेस की मालकिन पारूल सुनेजा और इस ब्रांड के कुशल डिजाइनर और कारीगर शामिल थे।

डिजाइन किए गए उत्पाद की प्रक्रिया और उसकी व्यावहारिकता को ध्यान में रखकर तार्किक रूप से यथोचित अंक दिए गए और ३ विजेताओं का चयन किया गया।

इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए प्रतिभागियों को अपने डिजाइन का एक डिजिटल या फिजिकल प्रेजेंटेशन देना था। यह प्रतियोगिता एफडीडीआई की सभी शाखाओं के लिए खुली थी।

इस प्रतियोगिता में कुल १६० प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें नोएडा, जोधपुर, कोलकाता, चंडीगढ़, चेन्नई, फुर्सतगंज और रोहतक परिसरों के विद्यार्थी थे।

गुजरात ग्रामीण उद्योग विपणन निगम के प्रतिनिधिमंडल ने एफडीडीआई, कैंपस, अंकलेश्वर परिसर का दौरा किया

४ जनवरी, २०२१ को गुजरात ग्रामीण उद्योग विपणन निगम के तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने निगम के प्रबंध निदेशक, श्री विक्रम सिंह जाधव, गुजरात प्रशासनिक सेवा, के नेतृत्व में एफडीडीआई अंकलेश्वर, परिसर का दौरा किया। इस प्रतिनिधिमंडल में उनके साथ सुश्री ख्याति नायर,, कंपनी सचिव, प्रबंधक लेदर ब्रांच और श्री वी. ए. चौहान, सहायक प्रबंधक प्रभारी प्रबंधक एमकेबाई ब्रांच और एडीएम ब्रांच ने भी अंकलेश्वर परिसर का दौरा किया। इस अवसर पर श्री नवनीत पटेल, नायब तहसीलदार अंकलेश्वर भी मौजूद थे।

इस दौरे का मुख्य उद्देश्य फुटवियर और चमड़ा उद्योग के क्षेत्र में गुजरात सरकार की भावी परियोजनाओं हेतु उत्पादन और विपणन से संबंधित कार्यों में सहयोग को बढ़ावा देना था। गुजरात सरकार की भावी परियोजना भावनगर में उत्पादन ईकाई लगाने की है जिसके लिए उस क्षेत्र को कौशल प्रशिक्षण भी दिया जाना है। इससे रोजगार के अवसरों का विकास होगा। इस कार्य में एफडीडीआई के सहयोग की अपेक्षा की गयी।

प्रतिनिधिमंडल ने एफडीडीआई के संपूर्ण परिसर का जायजा लिया और वे यहां उपलब्ध तकनीकी संसाधनों और प्रबंधकीय कुशलता से भी अवगत हुए। उन्हें यहां चलाए जा रहे कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी जानकारी दी गयी।

प्रतिनिधिमंडल ने फुटवियर मैनुफैक्चरिंग ईकाई और डिजाइन तथा विकास की इकाइयों से जुड़े विभिन्न प्रक्रिया को भी बहुत गहराई से देखा और जाना।

एफडीडीआई, फुर्सतगंज की संकाय और कर्मचारियों के लिए 'पारंपारिक सिलाई की तकनीक' पर केन्द्रित प्रशिक्षण

कोविड-१६ महामारी के दौरान लागू लॉकडाउन को अवसर में बदलते हुए एफडीडीआई, फुर्सतगंज की संकाय और कर्मचारियों ने 'पारंपारिक सिलाई की तकनीक' पर केन्द्रित एक व्यापाक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 'संकाय विकास प्रशिक्षण' कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया।

एफडीडीआई स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन के संकाय और कर्मचारियों ने 'पारंपारिक सिलाई प्रशिक्षण' में भाग लिया जो वर्चुअल माध्यम से श्री नरेश रामासुब्रमणियम, संस्थापक-शटल एंड नीडल्स स्टूडियो, चेन्नई के कुशल निर्देशन में ७ से २४ दिसंबर २०२० के मध्य चलाया गया।

श्री नरेश पेशे से टेक्सटाइल इंजीनियर हैं। उन्होंने करीब २५ सालों तक इंडस्ट्रियल टेक्सटाइल मशीनों की बिक्री और इंस्टॉलेशन के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दी हैं। उन्होंने विभिन्न प्रकार के धागों में से बेहतर और उपयोगी धागा चुनने की भी बरीकी को सीखा और समझा है।

भारत में पारंपारिक शिल्प की काफी विविधता पायी जाती है। कपड़ों पर की जानेवाली शिल्पकारी उनमें से एक पुरानी परंपरा है। इस परंपरा को आगे सतत रूप में बढ़ाने हेतु और इसका संरक्षण तथा प्रोन्नयन करने हेतु एफडीटीपी ने तकनीकी अनुप्रयोगों और डिजाइन/उत्पादन विकास हेतु विशेश रूप से ध्यान आकृष्ट किया है।

प्रतिभागियों ने पुरानी पारंपरिक सिलाई की तकनीकों का ज्ञान प्राप्त किया और पारंपारिक रंगों, उनके प्रारूपों तथा विभिन्न आयामों के संयोजन से हैंडलूम के कामों को आधुनिक बाजार मांगों के अनुकूल बनाने का भी ज्ञान प्राप्त किया।

'फिजीटल रनवे. २०२०' वर्चुअल फैशन शो का आयोजन एफडीडीआई, जोधपुर में किया गया

'फिजीटल रनवे २०२०' वर्चुअल फैशन शो का आयोजन एफडीडीआई, जोधपुर परिसर में किया गया। एफडीडीआई स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन ने इस फैशन शो का आयोजन ५ थीमों पर केन्द्रित करते हुए सोशल मीडिया पेजों पर २७ नवंबर, २०२० से १६ दिसंबर, २०२० तक किया गया।

क्र. सं.	थीम	विद्यार्थी/डिजाइनर्स	प्रसारण की तिथि
१.	वेस्टर्न रोमांस	जी. ऋत्विक सुमन, याशी मेहरा, तान्या मेहरोत्रा, तारंग निगम, अंशिका गोस्वामी, क्षितिज यादव, आंचल माथुर, अश्मिका गुप्ता, रिया चौधरी और वारीशा जबीन ।	२७/११/२०२०
२.	निर्माण	अंजलि रंजन, अम्रतांशी सिदाना, धर्मदेव कुमार, स्नेहल वीरवानी, सुशांत कुमार, असजा इस्लाम, शालू मालवीय, अ ाकांक्षा अरोरा, निमिषा, डालावत और चि यांक्षी।	०२/१२/२०२०
३.	रिसर्जैंस	किरण प्रिया, जयश्री शेखर, शिखा प्रिया, कुमारी बरखा, मुस्कान जैन, रितु कुमारी, अ ाकांक्षा सिंह, रुद्रप्ताप और शाहरूख अहमद	०७/१२/२०२०
४.	मेकर्स ऑफ द फ्यूचर	वाणी अग्रवाल, कनिका मैनी, उमंग कुमार, अवनिकांत, ओजस्विता राय, समीर अख्तर, प्राची कोकड़, शरीनकला मेहता, मनीषा चौधरी, विवेक शर्मा और दीवांशी वर्मा।	१०/१२/२०२०
५.	ब्लैक नॉट सो ब्लैक	अभय राजपुरोहित, अवंतिका राजवंश, चनादी शारदा, इशिता श्रीवास्तव, नेहा थवानी, सुरभि राजपुरोहित, राधिका सोनी, उर्वशी हेमलानी, वैशाली रॉय और अमीषा सिंह	१६/१२/२०२०

इस शो के दौरान बी. डेस २०१८ के पांचवें सेमेस्टर के छात्रों ने अपने वस्त्रों की डिजाइन, जिसमें शर्ट प्रमुख आकर्शण था जिनके नाम वेस्टर्न रोमांस, निर्माण, रिसर्जेंस, मेकर्स ऑफ द फ्यूचर और ब्लैक नॉट सो ब्लैक थे, का प्रदर्शन किया।

'वेस्टर्न रोमांस' बोल्ड और अंतिरजनापूर्ण बांहों की अवधारणा पर केन्द्रित था जिसमें पैस्टल भी होते हैं और जिसका मुख्य रंग सफेद होता है। इस थीम के विशय को स्पश्ट करने हेतु रफल्स और लेस का इस्तेमाल किया गया था जो शर्ट की सुंदरता को खूबसूरती से उभार रहे थे।

'निर्माण' थीम के अंतर्गत वस्त्रों की डिजाइन आधुनिक भवन संरचना से प्रेरित था और इस थीम के शर्ट का निर्माण अद्वितीय रूप से निर्मित अवनों की तर्ज पर किया था।

विद्यार्थियों ने पुराने कपड़ों का इस्तेमाल किया जिन्हें बेकार मान लिया जाता है और जो प्रदूशण के वाहक भी बनते हैं, वैसे ही कपड़ों को 'रिसजैंस' थीम के अंतर्गत सुंदरतम रूप में प्रस्तुत किया गया।

'भविष्य के निर्माता' थीम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने ११ वस्त्रों का संग्रह प्रस्तुत किया जिसमें प्रत्येक कपड़े की अपनी विशेशता थी, बाधाओं को जीतने की यथा-निर्णय किए जाने का डर, घुटन, स्वप्रेम का फैलाव, शांति और आत्मविश्वास।

'ब्लैक नॉट सो ब्लैक' थीम परावर्ती मूड को प्रतिबिंबित करता है। इस थीम पर विद्यार्थियों ने सकारात्मक सोच को बढ़ावा देनेवाले वस्त्र प्रारूपों का प्रदर्शन किया। इस प्रारूप ने 'अनुकूल' का संदेश दिया। इस वस्त्र में विभिन्न प्रकार के डिजाइन द्वारा कपड़ों के विभिन्न प्रकारों का प्रदर्शन किया गया और हाइलाइटेड हिस्से को 'अनुकूलन' विशय के साथ समायोजित किया गया।

वर्चुअल फैशन शो मूलतः सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए किया गया। कोविड-१६ महामारी से बचाव हेतु यह आवश्यक है। एफडीडीआई ने विद्यार्थियों के डिजाइन और संग्रहों के प्रदर्शन हेतु कई और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया।

एफडीडीआई, चेन्नई के विद्यार्थी द्वारा डिजाइन जूते को गैरिक्सन स्टूडियो, यूएसए द्वारा आयोजित डिजाइन प्रतियोगिता में दूसरा स्थान मिला

श्री मोहम्मद सुहैल, एफडीडीआई चेन्नई के विद्यार्थी ने गैरिक्सन स्टूडियो, यूएसए द्वारा आयोजित डिजाइन प्रतियोगिता में भाग लिया और इसमें दूसरा स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता अगस्त, २०२० में आयोजित हुई और इसका परिणाम नवंबर, २०२० में घोशित हुआ।

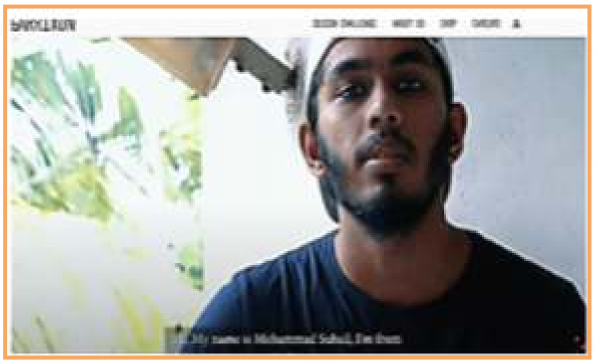

गैरिक्सन स्टूडियो, यूएसए का एक प्रख्यात फुटवियर डिजाइनर और उत्पादक है जो विभिन्न तरह की सेवाएं सैम्पलिंग और प्रोटोटाइपिंग के क्षेत्र में मुहैया कराता है। यह स्मॉल रन मैन्यूफैक्चरिंग और व्यक्तिगत रूप के लिए ऑन-साइट एक्टिवेशन की सेवा भी देता है। यह दुनिया का सबसे बड़ा स्वीकर प्लेग्राउंड बनाने को भी प्रतिबद्ध है।

श्री मुहम्मद सोहैल ने अपी बिल्ली से इस डिजाइन की प्रेरणा ली और इसका नाम काटजे (KATZE) रखा, इस डिजाइन में उन्होंने चमकीले नारंगी रंग और श्वेत रंगों (ऊपरी तल्वे पर) का भी प्रयोग किया।

गैरिक्सन स्टूडियो के शर्तों और नियमों के अनुसार सबसे ज्यादा प्री-सेल्स वाला विजेता लाभ का ३० प्रतिशत प्राप्त करेगा जबकि उपविजेता को १० प्रतिशत लाभांश प्राप्त होगा।

संविधान दिवस के अवसर पर एफडीडीआई के स्टाफ सदस्यों ने संविधान की प्रस्तावना पढ़ी

२६ नवंबर को संविधान दिवस के उपलक्ष्य में एफडीडीआई के अधिकारियों और कर्मचारियों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ महामहिम राश्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद के सजीव प्रसारण के दौरान किया। इस दौरान महामहिम राश्ट्रपति ने प्रस्तावना का पाठ किया।

सभी स्टाफ सदस्यों ने कोविड-१९ से बचाव का ध्यान रखते हुए संविधान की प्रस्तावना का पाठ न्याय, स्वतंत्रता, समानता और सबके बीच भाईचारा बढ़ाने की भावना के साथ किया।

संविधान सभा द्वारा संविधान को २६ नवंबर, १९४९ को अपनाया गया था, इसीलिए इस दिन को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। संविधान अपने पूर्ण अस्तित्व में २६ जनवरी, १९५० को आया, जिससे भारतीय इतिहास का एक नवीन युग का आरंभ हुआ और भारत एक गणतंत्र के रूप में प्रतिश्ठित हुआ इसी उपलक्ष्य में २६ जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया जाता है।

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) ने मेसर्स डी.एस. एसोसिएट्स, नई दिल्ली को ऑनलाइन परामर्शी सेवा उपलब्ध कराया

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर ने मेसर्स डी.एस. एसोसिएट्स, नई दिल्ली को 'कॉरपोरेट कम्यूनिकेशन' पर ऑनलाइन परामर्शी सेवा उपलब्ध कराया।

श्री गौरव सिंह-संकाय, लेदर गुड्स और एक्सेसरीज डिजाइन विभाग, एफडीडीआई बानूर परिसर ने मेसर्स डी.एस. एसोसिएट्स को ऑनलाइन परामर्शी सेवा उपलब्ध कराया।

मेसर्स डी.एस. एसोसिएट्स दिल्ली आधारित फर्म हैं जो वर्श २००७ से प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेट्री की सेवाएं दे रहा है। यह कई कॉरपोरेट कंपनियों को कॉरपोरेट परामर्शी सेवाएं प्रदान करता है, जिसमें सार्वजनिक और निजी कंपनियां शामिल हैं।

श्री सिंह ने एक माह तक सप्ताहांत में ऑनलाइन सत्रों में परामर्शी सेवाएं मध्य अक्टूबर, २०२० में प्रदान की। इन सत्रों से प्रतिभागियों में मौखिक और लिखित संचार को सुधारने

और बेहतर करने का मौका मिला। उन्हें इस कौशल को निखारने का अवसर प्राप्त हुआ, जो मुख्यतः ई-मेल राइटिंग, पत्र लेखन, बैठक कार्यवृत्त निर्माण, तथा मौखिक संबोधनों से संबंधित था।

सातरा (SATRA) यूके द्वारा 'टेस्टिंग ऑफ लेदर फुटवियर' विशय पर दो दिवसीय अंतरराश्ट्रीय वेबिनार का एफडीडीआई हैदराबाद परिसर में आयोजन

४ नवंबर, २०२० को सातरा, यूके द्वारा 'टेस्टिंग ऑफ लेदर और फुटवियर' विशय पर दो दिवसीय अंतरराश्ट्रीय वेबिनार का आयोजन एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में किया गया।

यह वेबिनार एफडीडीआई हैदराबाद के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन द्वारा आयोजित किया गया जिसमें जूता और संबंधित क्षेत्र के तकनीकी विशेशज्ञ और उद्योगपतियों ने भाग लिया। इस वेबिनार का संचालन टेक्निकल एक्सपर्ट्स ऑफ भू. एंड एलाइड ट्रेडर्स रिसर्च एसोसिएशन (SATRA), तकनीकी केन्द्र, लंदन, यूनाइटेड शू किंगडम ने किया।

श्री मार्क सौथम फुटवियर सलाहकार और सुश्री क्रिस्टिन एंस्कोम्बे सहायक निदेशक सातरा ने सत्र का प्रारंभ टेस्टिंग और इसकी आवश्यकताओं तथा इसके महत्व को रेखांकित करते हुए किया।

उन्होंने अपने वक्तव्य में वास्तविक जांच, यथा-स्टाइल, मूल्य केन्द्र, पूर्व अनुभव, अपेक्षित जोखिम आदि के विशय में भी विस्तार से व्याख्या की उन्होंने स्लिप टेस्टिंग, सोल बॉन्ड, एटैचमेंट, हाई हील फुटवियर, स्ट्रेप स्ट्रेन्थ, फिटिंग और केमिकल टेस्ट इत्यादि के बारे में बताया।

इस अवसर पर एक इंटरैक्टिव सत्र का भी आयोजन किया गया जिसमें श्री सौथम ने विभिन्न प्रकार की मशीनों का जिक्र किया जो सातरा (SATRA) द्वारा विभिन्न प्रकार के फुटवियर निर्माण और उनकी टेस्टिंग हेतु प्रयुक्त होते हैं। उन्होंने ३डीपी तकनीक और अनुप्रयोग पर भी प्रकाश डाला।

इस वेबिनार के दौरान सुश्री क्रिस्टीन एंसकोंवे, सहायक निदेशक ने एक डेमो भी प्रस्तुत किया जो लेदर उत्पादों की डिटेलिंग उनके प्रारूप, उनकी बनावट आदि पर केन्द्रित था।

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) द्वारा 'पोर्टफोलियो विकास' पर केन्द्रित वर्चुअल वर्कशॉप का आयोजन

'पोर्टफोलियो विकास' पर केन्द्रित एक वर्चुअल वर्कशॉप का आयोजन एफडीडीआई चंडीगढ़ (बानूर) परिसर द्वारा ३१ अक्टूबर, २०२० को स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एसेसोरिज डिजाइन द्वारा किया गया।

सुश्री सोनल गाधावी और सुश्री भावना सुधीर इस वर्चुअल वर्कशॉप के संसाधन सेवी के रूप में सम्मिलित हुए जिन्होंने अपने ज्ञान और अनुभवों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया।

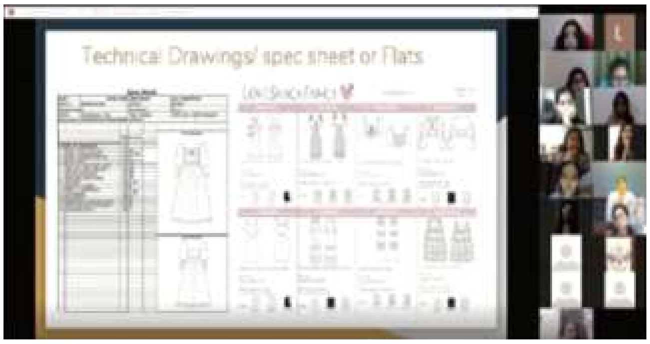

सुश्री सोनल गाधावी एक प्रख्यात पेशेवर फैशन डिजाइनर है, जिन्होंने कई बड़ी नामचीन फैशन कंपनियों को करीब १२ वर्श तक न्यूयॉर्क में रहकर अपनी सेवाएं दी है। वो बच्चों की शिक्षा के लिए मनश्चेतना और योग पर प्रकाशित पुस्तक की व्याख्याता भी हैं। उन्होंने अमेरिका के न्यूजर्सी शहर के वुडब्रिज टाउनशिप में ' कला आयुक्त' के रूप में भी सेवाएं दी हैं।

सुश्री सोनल गाधावी ने विद्यार्थियों को पोर्टफोलियो विकास के बारे में संक्षिप्त रूप में अवगत कराया। उन्होंने पोर्टफोलियो विकास के फॉर्मेट उद्योग-आधारित पोर्टफोलियो निर्माण में अनेक कमियां/त्रुटियां तथा वर्तमान उद्योग जगत की मांगों और डिजाइन प्रक्रिया में इसकी अहमियत आदि के बारे में भी विस्तार से बताया।

इस सत्र में सुश्री गाधावी के साथ सुश्री भावना सुधीर, उद्योग विशेशज्ञ शिक्षक, फैशन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलोजी, न्यूयॉर्क भी उपस्थित थीं। सुश्री भावना एक पूर्व घरेलू सामान और एसेसीरिज उद्योग की पेशेवर हैं, जिन्होंने ली एंड फुंग, इंडिया के साथ काम किया, आइडियल पोर्टफोलियो निर्माण पर अपनी विशेशज्ञतापूर्ण राय रखी।

इस वर्चुअल कार्यशाला के दौरान प्रदान किए गए पोर्टफोलियो विकसित करने के टिप्स और ट्रिक्स छात्रों को प्रिंट और डिजिटल प्रारुप में अपने काम को वास्तव में प्रेरणादायक बनाने में मदद करेगें।

‘फुटवियर डिजाइन में ३डी प्रिंटिंग’ विशय पर केन्द्रित वेबिनार का एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर में आयोजन

२७ अक्टूबर, २०२० को एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर में ३डेक्स्टर एजुकेशंस एंड मैन्युफैक्चरिंग सॉल्यूशंस के सहयोग से ‘‘फुटवियर डिजाइन ने ३डी प्रिंटिंग’’ विशय पर एक वेबिनार का संचालन किया गया।

इस वेबिनार का आयोजन परिसर के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन और प्रोडक्शन द्वारा किया गया जिसमें ३डी प्रिंटिंग के विभिन्न आयामों और फुटवियर इंडस्ट्री में उनकी संभावनाओं पर चर्चा की गयी। इसके साथ ही इस वेबिनार में जूता कंपनियों को नए डिजाइन तैयार करने में सक्षम बनाने पर भी विचार विमर्श किया गया। ताकि उपभोक्ताओं की बढ़ती मांगों को पूरा किया जा सके।

श्री आनंद कुमार मिश्रा, वरिश्ठ उत्पाद प्रशिक्षक इस सत्र के मुख्य वक्ता थे और श्री मनीश नायर (ऑपरेशन मैनेजर) तथा सुश्री मीनाक्षी (संयोजक) (३डेक्स्टर एंजुकेशंस एंड मैन्युफैक्चरिंग सॉल्यूशंस) साधन सेवी के रूप में मौजूद थे।

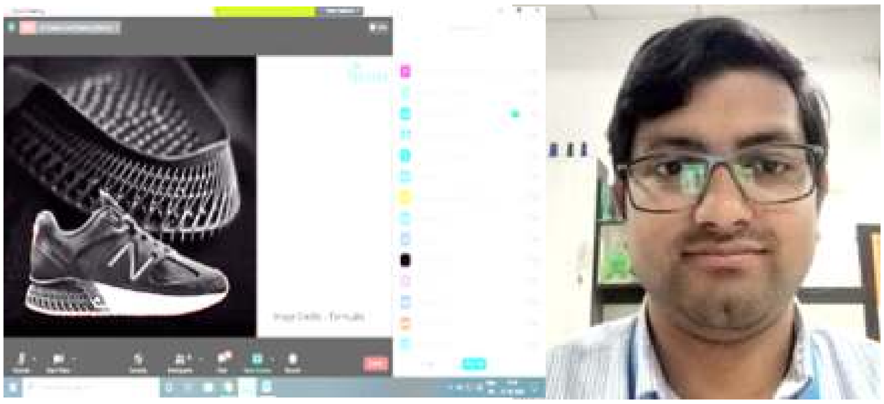

श्री आनंद ने प्रतिभागियों को ४.० के समय में उद्योग में आ रहे व्यापक परिवर्तनों के बारे में बताया कि ३डी प्रिंटिंग का प्रयोग पिछले साल से फुटवियर प्रोटोटाइपिंग के लिए किया जा रहा है। फुटवियर प्रोटोटाइपिंग वह प्रक्रिया है जिससे पेशेवर फुटवियर निर्माण से पूर्व उसकी गुणवत्ता और संभाव्यता आदि जान पाते हैं। लेकिन हाल के वर्शों यद्यपि कुछ नई निर्माण की तकनीकों का विकास हुआ है जो ज्यादा मूल्य प्रभावी और व्यापक उत्पादन के लक्ष्य पर आधारित हैं, फिर भी ३डी प्रिंटिंग का महत्व बरकरार है।

श्री आनंद ने ३डी डिजाइनिंग, के बेसिक स्लाइसिंग और इसकी तकनीक तथा डिजाइन चिंतन के रूप, ३डी मॉडलिंग और प्रिंटिंग, ३डी प्रिंटिंग का लाइव प्रदर्शन कर आदि के बारे में भी विस्तार से बताया।

एफडीडीआई इंडिया और क्वालीसीस सिस्टम्स, स्वीडन ने 'गैट एनालिसिस एप्लीकेशन फॉर फुटवियर डिजाइनिंग' विशय पर वेबिनार आयोजित किया

एफ़डीडीआई इंडिया और क्वालिसीस सिस्टम्स, स्वीडन ने संयुक्त रूप से 'गैट एनालिसिस एप्लीकेशन फॉर फुटवियर डिजाइनिंग' विशय पर १३ से १५ अक्टूबर, २०२० तक वेबिनार का आयोजन किया।

क्र. सं.	तिथि	वक्ता	प्रस्तुति का विषय
१.	१३ अक्टूबर, २०२०	श्री जी. सतीश बाबू	इंट्रोडक्शन टू गेइट एनालि सिस
२.	१४ अक्टूबर, २०२०	सुश्री कैटरीना हजाल्टमैन और डॉ. विन्सेन्ट फाहान्नो	इंस्ट्रमेंटेशन एस्पेक्स्ट्स ऑफ बायोमेकेनिक्स
३.	१५ अक्टूबर, २०२०	डॉ. क्रिस बिशप	एप्लीकेशन ऑफ बायोमेकेनिक्स फॉर स्पोर्ट्स फुटवियर डिजाइनिंग

इस वेबिनार का आयोजन स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन एफडीडीआई, नोएडा परिसर द्वारा किया गया जिसका मॉडरेशन डॉ. निल्स बेट्ज्लर, पी.एचडी. (क्वालिसिस लैब, स्वीडन) द्वारा किया गया जिनके पास १० साल से ज्यादा का विशेशज्ञतापूर्ण अनुभव है और ३डी बायोमेकेनिक्स डेटा कैप्चर, प्रोसेसिंग और प्रेजेंटेशन के विशेषज्ञ है।

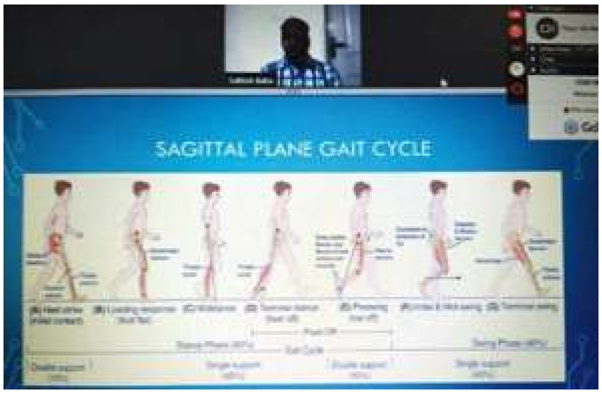

१३ अक्टूबर, २०२० को श्री जी. सतीश बाबू ने बायोमेकेनिक्स एप्लीकेशन कांसेप्ट्स ह्यूमन वॉकिंग के विभिन्न चरण और उनके चिकित्सकीय अनुप्रयोगों पर संक्षेप में प्रकाश डाला।

श्री जी. सतीश बाबू एक फिजीकल थेरापिस्ट और बायोमेकेनिस्ट एनालिस्ट हैं जिनके पास डेटा कैपचरिंग, प्रोसेसिंग, ३डी गैट एनालिसिस और उसके वैज्ञानिक संप्रेषण तथा डिजाइनिंग में इसके महत्व से संबंधित लंबा अनुभव है।

१४ अक्टूबर, २०२० को सुश्री कैटरीना हजाल्टमैन मेम्बर ऑफ फील्ड एप्लिकेशन एंड सपोर्ट टीम (क्वालिसीस) ने श्री विन्सेन्ट फाहान्ना स्केलेटन सॉल्वर विशेशज्ञ तथा इंस्ट्रमेंटेशन एस्पेक्ट्स ऑन बायोमेकेनिक्स के जानकार के साथ अपनी विशेशतापूर्ण राय को व्याख्यायित किया।

विशेशज्ञ टीम ने गैट तकनीक में बायोमेकेनिक्स और उसके प्रायोगिक आयामों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इससे संबंधित विशयक अध्ययन और मार्कर पोजीशनिंग तथा रिपोर्ट मूल्यांकन पर भी चर्चा की गयी।

स्पोट्‌र्स फुटवियर के डिजाइनिंग से संबंधित वर्कशॉप एप्लीकेशन पर १५ अक्टूबर, २०२० को डॉ. क्रिस बिशप, पी.एचडी. (स्पोट्‌र्स ऑफ ऑर्थोपेडिक पेडिएट्रिक), निदेशक बायोमेकेनिक्स लैब, एडीलेड साउथ आस्ट्रेलिया ने अपना व्याख्यान दिया।

गैट डाटा का उपयोग करके स्पॉट्‌र्स फुटवियर डिजाइन करना, रनिंग के लिए जूते तैयार करना आदि पर व्यापक विचार विमर्श हुआ, जो आज के बाजार की बड़ी मांग है। बायोमेकेनिक्स और स्पॉट्‌र्स फुटवियर का भविश्य वीयरेबल तकनीकों, तकनीकी रूप से समृद्ध डिजाइनों आदि पर आश्रित है। इस सत्र में एथलीटों द्वारा इस्तेमाल किए जानेवाले फुटवियर की हिन्ड फुट और मिड फुट की श्रेणियों पर भी परिचर्चा की गयी।

इस वेबिनार शृंखला का संचालन ३ देशों-स्वीडन, इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के विशेशज्ञों द्वारा किया गया जिसमें तकरीबन ३९५ प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एफडीडीआई, चंडीगढ़, बेनूर के विद्यार्थियों के सृजनात्मक डिजाइन को इंडिया खादी फैशन के संस्थापक/सीईओ द्वारा मुंबई, महाराश्ट्र में प्रशस्ति दी गयी

एफडीडीआई, चंडीगढ़, बानूर के दो विद्यार्थियों की सृजनात्मक डिजाइन को इंडिया खादी फैशन के संस्थापक/सीईओ द्वारा महाराश्ट्र के मुंबई में प्रशस्ति दी गयी।

इंडिया खादी फैशन सुश्री शुभ मल्होत्रा, फैशन एवं लाइफ स्टाइल इंफ्लुएंसर, बालीवुड, संस्थापक सह सीईओ, चैकोफी इंटरटेनमेंट का अग्रणी अभिमान है। यह आयोजन महात्मा गांधी के १५१वें जन्मदिन के अवसर पर २ अक्टूबर, २०२० को किया गया।

दो विद्यार्थियों-सुश्री निशा मदान, सेमेस्टर ५ और सुश्री जान्वी त्यागी, सेमेस्टर ३ (दोनों लेदर गुड्स और एसेसोरिज डिपार्टमेंट) जो एफडीडीआई चंडीगढ़, बानूर परिसर की विद्यार्थी हैं ने अपने सृजनात्मक डिजाइन का प्रदर्शन किया जिसका चयन सुश्री शुभ मल्होत्रा द्वारा किया गया।

सुश्री निशा मदान द्वारा कैनवस पर मीडियम हॉट वैक्स के कॉन्सेप्ट को परिलक्षित किया गया जो महात्मा गांधी के शब्दों से प्रेरित था और सुश्री शुभ मल्होत्रा द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'द एंफ्लूएंशियो' (प्रभावकारी) के अक्टूबर, २०२० अंक में कवर पृश्ठ पर प्रकाशित किया गया।

इसी तरह, सुश्री जान्वी त्यागी का डिजाइन महात्मा गांधी और उनके चरखे को प्रदर्शित कर रहा था जो टैन लेदर बैग पर चित्रित था। इसका चयन सुश्री शुभ मल्होत्रा द्वारा इंडिया खादी फैशन ब्रांड के प्रथम ऑर्डर के रूप में किया गया।

एफडीडीआई, रोहतक परिसर में वृक्षारोपण अभियान 'स्वच्छता पखवाड़ा' के अंतर्गत किया गया

स्वच्छता और वृक्षारोपण अभियान 'स्वच्छता पखवाड़ा' के दौरान एफडीडीआई, रोहतक परिसर में ७ अक्टूबर, २०२० को किया गया।

संस्थान के कर्मियों ने अपने आस-पास के क्षेत्रों की सफाई की और इसको स्वच्छ तथा हरित रखने की शपथ ली।

परिसर के चारों तरफ विभिन्न प्रकार के पौधों की प्रजातियां लगाई गई जिसमें फूल औषधीय पौधों सजावटी पौधों फलदार वृक्ष इत्यादि सम्मिलित हैं इससे परिसर में हरियाली और विकास होगा।

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण यह रहा कि सभी पौधे स्टाफ के सदस्यों द्वारा लगाए गए इस पहल से पर्यावरण और समाज को व्यापक लाभ मिलेगा।

एफडीडीआई, हैदराबाद के विद्यार्थियों ने गैरिसन स्टूडियो के एटमॉस कलर स्नीकर डिजाइन कॉन्टेस्ट एंट्री प्रतियोगिता में टहप दो फाइनलिस्ट प्रतिभागियों के बीच जगह बनाई

सुश्री समीक्षा आंबोलीकर एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के विद्यार्थी ने गैरिसन स्टूडियो-एटमहस कलर-अप स्नेकर कहन्टेस्ट एंट्री २०२० प्रतियोगिता में लिया और फाइनलिस्ट प्रतिभागी के तौर पर चयनित हुई। समीक्षा फुटवियर डिजाइन और प्रोडक्सन, (बी. डिजाइन) एफडीडीआई हैदराबाद परिसर की छात्रा हैं।

यह प्रतियोगिता गैरिसन और एटमहस प्रख्यात फुटवियर इनक्यूबेट, फिलाडल्फिया द्वारा शुरू और आयोजित किया गया है। गैरिसन की टीम ने जापानी स्नीकर एंपायर एटमहस को अगस्त, २०२० में सेकंड डिजाइन कहन्टेस्ट के लिए आमंत्रित किया। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के डिजाइन की एंट्री का समय ३ अगस्त से २४ अगस्त, २०२० के बीच निर्धारित किया गया था।

समीक्षा ने अपने सृजनात्मक कार्य की स्कैन कह्पी को, जो स्नीकर डिजाइन लीक वेस्ट पर आधारित था, को जमा किया। उनका थीम – 'लीक वेस्ट' जानवर तेंदुआ पर आधारित था।

तेंदुआ एक निर्भीक और शक्तिशाली जानवर हैं जो अपनी ताकत और गरिमा के लिए जाना जाता है। उनका अप स्नीकर डिजाइन का टैगलाइन था ''गेट ए बूस्ट अहन योर फीट! विथ लियोक्वेस्ट''।

इस प्रतियोगिता का निर्णय एटमास के संस्थापक होम्मियो हिदेफुमी और हिरोफुमीऋकोजिमा, क्रिएटिव डायरेक्टर द्वारा किया गया, जिन्होंने १६ टह्प डिजाइनों का चयन किया।

इन १६ डिजाइनों को गैरिसन इंस्टाग्राम स्टोरी पेज पर डाला गया। और उसमें से स्नीकर डिजाइन, लियो क्वेस्ट समीक्षा आंबोलीकर को टह्प २ फाइनलिस्ट में जगह मिली।

२० राष्ट्रों के डिजाइनिंग के युवा विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया, जो दुनिया के अनेक हिस्सों से, इस डिजाइन प्रतियोगिता में भाग लिया। इस प्रतियोगिता का परिणाम ३० सितंबर, २०२० को घोषित किया गया था।

एफडीडीआई के परिसरों में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन

कोविड१६ महामारी के सोशल डिस्टेंस के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए एफडीडीआई के नोएडा, फुर्सतगंज, चेन्नई, कोलकाता, छिंदवाड़ा, गुना, जोधपुर, अंकलेश्वर, बानूर, पटना और हैदराबाद के परिसरों में १४ से २८ सितंबर २०२० के बीच हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया।

राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार और उसके उपयोगिता की दक्षता को बढ़ाने के उद्देश्य से कर्मचारियों, स्टाफ के सदस्यों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार तीन प्रतियोगिताएं हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न परिसरों में आयोजित की गई।

इन तीन प्रतियोगिताओंमें से दो प्रतियोगिताएं स्टॉफ यानी कर्मचारियों के लिए आयोजित की गई थी। और एक प्रतियोगिता एफडीडीआई के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई। जिसमें से वक्तृता, तर्क कौशल और साहित्यिक अभिव्यक्ति की प्रतियोगिता शिक्षकों, कार्मिकों और विद्यार्थियों के लिए हिंदी में प्रमुख रूप से आयोजित हुई।

क्र. सं.	तिथि	प्रतियोगिता का नाम	प्रतिभागी
१.	१४.०६.२०२०	श्रुत लेख	अधिकारी और कर्मचारी
२.	१८.०६.२०२०	पत्र लेखन	अधिकारी और कर्मचारी
३.	२१.०६.२०२०	निबंध लेखन	विद्यार्थी

इसके अलावा, राजभाषा विभाग के इंसेंटिव योजना के अंतर्गत हिंदी में ज्यादा से ज्यादा काम करने वाले शिक्षण के साथ-साथ गैर शिक्षण विभागों के कर्मचारियों को हिंदी पखवाड़ा के दौरान नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र से भी सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में, नोएडा परिसर में २४ सितंबर को एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन कर्मचारियों के लिए भी किया गया। जिसमें श्री अतर सिंह गौतम, नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन, (एनटीपीसी मुख्य कार्यालय नोएडा में उप महा प्रबंधक) हैं, उन्होंने कर्मचारियों के साथ राजभाषा नीति पर व्यापक विचार विमर्श किया।

नोएडा परिसर में पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान, विजेताओं को नकद पुरस्कार के साथ-साथ प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया, इस दौरान मुख्य अतिथि, श्रीमती रश्मि सिंह, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), नोएडा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कर्मचारियों को संबोधित किया।

सभी प्रतियोगिताओं के दौरान, बड़ी संख्या में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के साथ-साथ विद्यार्थियों (अहनलाइन के माध्यम से) ने इस प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

२८ सितंबर २०२० को, एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में 'हिंदी पखवाड़ा' के समापन समारोह के दौरान, डह. माया शर्मा, एचओडी-हिंदी विभाग, डीडीसी कहलेज, छिंदवाड़ा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई और श्री सी.एस. भारद्वाज, सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग और श्री रवींद्र नाफडे, जिला समन्वयक-इग्नू अन्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए थे।

एफडीडीआई के संबंधित परिसरों में हिंदी क्षेत्र की प्रतिष्ठित हस्तियों ने पुरस्कार वितरण समारोह में भाग लिया।

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बेनूर) में 'हिंदी पखवाड़ा' के दौरान आयोजित एक परिचर्चा कार्यक्रम में पूर्व डीजी डॉ. एस. के. शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में थे। डॉ. संतलाल, राजभाषा सलाहकार, देवस्त्र प्राइवेट लिमिटेड और प्रो. अशोक कुमार, प्रमुख - हिंदी विभाग, ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये से दर्शकों को संबोधित किया।

पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान एफडीडीआई के संबंधित परिसर में, मुख्य अतिथि ने अपने वक्तव्य में श्रोताओं के साथ हिंदी भाषा के महत्व तथा उसकी स्थिति पर विचार साझा किए।

मधुबनी, बिहार में 'टिकाऊ वस्तुओं पर मधुबनी पेंटिंग' के लिए प्रशिक्षण केंद्र शुरू हुआ

गैर-कृषि आय का एक स्रोत बनाने के लिए, एफडीडीआई ने जिला मधुबनी, बिहार के सिसवर गांव में एक प्रशिक्षण केंद्र शुरू किया। इस केंद्र ने टिकाऊ वस्तुओं व्यावसायिक उपयोग के लिए चमड़े तथा अन्य सामग्री से बने जैसे फ्लावर पट्ट, लेडीज बैग, मोबाइल स्टैंड, पेन स्टैंड, फोटो फ्रेम, कार्ड होल्डर, गृह सज्जा उत्पाद आदि पर मधुबनी पेंटिंग बनाने के लिए प्रशिक्षण दिया।

इस केंद्र का उद्घाटन १८ सितंबर २०२० को ग्राम पंचायत राज्य सिसवर की मुखिया, श्रीमती अर्चना देवी के द्वारा किया गया था।

मिथिला पेंटिंग अथवा मधुबनी पेंटिंग उत्तरी बिहार के मिथिला क्षेत्र में प्रचलित पारंपरिक चित्रकला की एक शैली है। चित्रकला की इस शैली का प्रयोग पारंपरिक रूप से यहां की महिलायें करती हैं, यद्यपि इस अनूठी कला में आज पुरुष भी शामिल हैं। यह चित्रकला अपने आदिवासी विचार प्रधान होने के कारण अत्यंत लोकप्रिय हैं।

इस प्रशिक्षण केन्द्र के जरिये इस सुन्दर कला को कुटीर उद्योग के अंग के रूप में पुनर्जीवित करने, पुनर्निर्माण करने, तथा विकसित करने और इस कला में शामिल बेरोजगार युवाओं/प्रवासी श्रमिक कारीगरों को व्यावसायिक उद्देश्यों को पूरा करने हेतु प्रेरित किया गया।

कोविड-१९ महामारी का खास ध्यान रखते हुए ०१ दिसंबर २०२० को आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कुल ४४ प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

एफडीडीआई, रोहतक परिसर में संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया

एफडीडीआई, रोहतक परिसर में ०७ से ११ सितंबर २०२० तक पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य विषय था 'महामारी के कारण उच्च शिक्षा के प्रतिमान में बदलावः शिक्षकों के लिए चुनौतियां और अवसर'।

एफडीपी का आयोजन गूगल मीट के जरिये कोविड-१६ की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए शिक्षकों को ज्यादा केंद्रित, गहन विषयों के साथ-साथ लक्षित प्रशिक्षण हेतु एक अवसर प्रदान करने के लिए किया गया था।

एफडीपी के दौरान, इस उपयोगी सत्र का आयोजन अनेक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों के शिक्षकों ने किया था जो प्रबंधन कार्यक्षेत्र के उदाहरणों पर केंद्रित था।

प्रो. राजेश पुनिया, रजिस्ट्रार, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद; प्रो. उमेश आर्य-अध्यक्ष, संचार विभाग, जीजेयू, हिसार, श्री ब्रह्मा कुमार पीयूष-जोनल कोअहर्डिनेटर अहफ द साइंटिस्ट एंड इंजीनियर विंग, ब्रह्मा कुमार, दिल्ली; डह्र शेफाली नागपाल- अध्यक्ष, यूजीसी-एएससी, बी.पी.एस.एम.वी, खानपुर; डह्र. नसीब सिंह गिल, प्रोफेसर, सीएसए विभाग और निदेशक डिजिटल लर्निंग, एमडीयू, रोहतक; डह्र. शिवेंद्र कुमार कश्यप- डीन, कह्लेज अहफ एग्रीकल्चर, जी.बी.पी.यू.ए.टी., पंतनगर; सुश्री चंदर ज्योति - लाइफ कोच और एनएलपी काउंसलर, रोहतक; डह्र. संदीप मलिक - निदेशक, आईएचटी एम, एमडीयू, रोहतक; श्री हिमेन्द्र कुमार गुप्ता-निदेशक, नीथोज अपेरल्स एंड डिजाइन एलएलपी, दिल्ली और श्री सुभाष जग्गा - एमडी, टुडेज फुटवियर, बहादुरगढ़ अतिथि वक्ताओं में शामिल थे।

अतिथि वक्ताओं ने प्रभावी शिक्षक कैसे बनें, आत्म-विकास, भोजन और महामारी, कैसे खुश रहें, शिक्षक की सकारात्मक आभा कैसे बनाएं, और इंटरनेट पर नकली सूचनाओं से कैसे निपटें जैसे विषयों पर व्याख्यान दिये।

इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग १०० संकाय सदस्यों ने भागीदारी की।

एफडीडीआई, नोएडा में 'लैंगिक संवेदीकरण/पोश' पर कार्यशाला आयोजित

'कार्यस्थल पर व्यवहार आचार संहिता' हेतु कर्मचारियों में जागरूकता बढ़ाने तथा संस्थान में 'एक-दूसरे के प्रति सम्मान' के मूल स्वर की ओर आकर्षित करने के उद्देश्य से ०८ सितंबर २०२० को एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'लैंगिक संवेदीकरण/पोश' विषय पर एक परस्पर संवादात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सत्र का संचालन सुश्री अपर्णा सेठी (प्रोटच की संस्थापक और सीईओ) द्वारा किया गया था - जिनके पास दो दशकों से अधिक का विविध अनुभव है। प्रबंधन में डहक्टरेट, डह. सेठी ने अनुसंधान के क्षेत्र में योग्यता-आधारित मानव संसाधन के रूप में अपना योगदान दिया है। साथ ही प्रबंधन में एमफिल, पुणे विश्वविद्यालय से मार्केटिंग और मानव संसाधन प्रबंधन में एमबीए किया है, उन्होंने विनिर्माण, सेवा और शिक्षा क्षेत्र में कार्य किया है।

एफडीडिआई के मानव संसाधन सलाहकार श्री अनिल कुमार ने 'स्वागत भाषण देते हुए कहा, "महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और सम्मानजनक कामकाजी माहौल को बढ़ावा देने के लिए, यौन उत्पीड़न की रोकथाम अधिनियम २०१३ के बारे में जागरुकता महत्वपूर्ण है। यह अधिनियम भारत के महिला एंव बाल विकास मंत्रालय द्वारा २०१३ में अधिनियमित किया गया था जो १९९७ में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी विशाखा दिशानिर्देशों का विस्तार है।

सुश्री अपर्णा सेठी ने कहा कि कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न लैंगिक भेदभाव का एक ही रूप है जो महिलाओं को प्राप्त समानता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे महिलाएं अधिक संख्या में कार्यबल में प्रवेश कर रही हैं, उनके अधिकारों का सम्मान और संरक्षण किया जाना चाहिए। उन्होंने इस कानून की मौजूदा दौर में आवश्यकता, नियोक्ता, कर्मचारियों की जिम्मेदारी पर भी जोर दिया कि वे लैंगिक संवेदीकरण प्राप्त करने के लिए कार्यस्थल पर एक स्वस्थ वातावरण तैयार करें।

इस कार्यशाला ने यौन उत्पीड़न की रोकथाम और इसके निवारण के साधनों के बारे में पर्याप्त दिशा-निर्देश प्रदान किए गये।

इस सत्र में संस्थान के लगभग साठ कर्मचारियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यशाला के उपरांत एक संवादात्मक सत्र रखा गया था, जिसमें प्रतिभागियों ने सवाल पूछे और सुश्री अपर्णा सेठी के द्वारा जवाब दिया गया।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा के विद्यार्थी 'विश्व फोटोग्राफी दिवस' के दौरान चमके

१९ अगस्त २०२० को 'विश्व फोटोग्राफी दिवस' के अवसर पर, एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर के विद्यार्थियों ने एक अंतर्राष्ट्रीय अहनलाइन फोटोग्राफी प्रदर्शनी 'FRAMES 2020' में भाग लिया।

इस प्रदर्शनी का आयोजन गयूर आर्ट फाउंडेशन 'कश्मीर'- एक फोटोग्राफी आर्ट फाउंडेशन द्वारा किया गया था। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में पदमश्री अवार्ड से सम्मनित श्री राजेंद्र टीकू 'विशिष्ट अतिथि' थे।

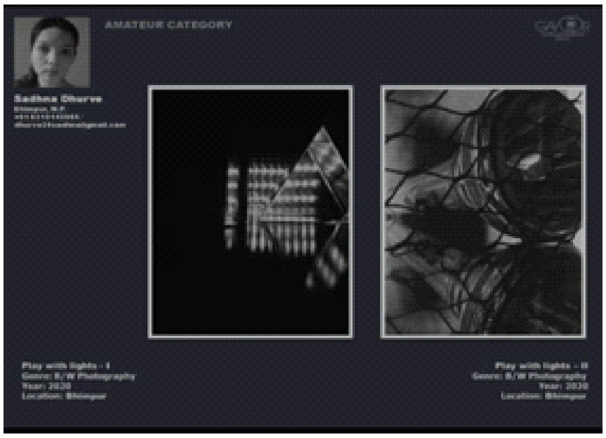

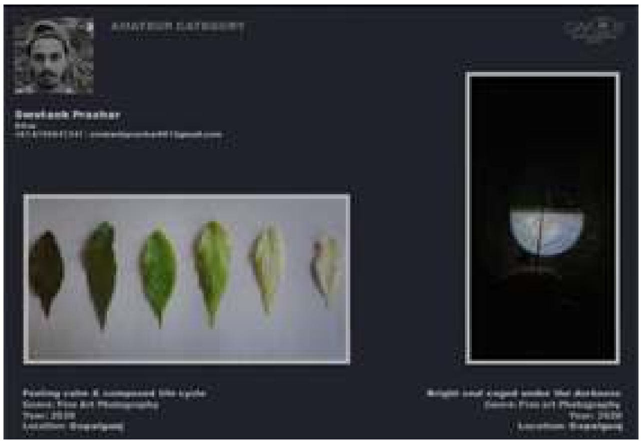

प्रदर्शनी में आमंत्रित, पेशेवर और शौकिया तीन श्रेणियों में प्रस्तुतियां आमंत्रित की गईं।

सामाजिक दूरी के नियम का पालन करते हुए सीखने के मार्गदर्शक सिद्धांत का पालन किया गया, एफडीडीआई स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन, छिंदवाड़ा के सेमेस्टर V के विद्यार्थियों ने अहनलाइन कार्यक्रम में भाग लिया और प्रदर्शनी के लिए १००० से अधिक प्रतिभागियों में से उनके सबमिशन को शॉर्टलिस्ट किया गया।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में 'फैशन, वस्त्र कला और डिजाइन' पर ई-कार्यशाला आयोजित

१५ से २० अगस्त २०२० तक एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में 'फैशन, वस्त्र कला और डिजाइन' पर छह दिवसीय ई-कार्यशाला आयोजित की गई।

क्र.सं.	विषय	विशेष विवरण	दिनांक
१	फैशन डिजाइनर प्रक्रिया	सुश्री हरमनदीप कौर, सहायक प्रबंधक एवं अमेजहन के लिए कनाडा में काम करने वाली फैशन डिजाइनर	१५.०८.२०२०
२.	होम टेक्सटाइल-ए हाउस ऑफ प्रोडक्शन	सुश्री सुकृति सिंह, टेक्स्टाइल डिजाइनर रेडिएंट एक्सपोविजन, नोएडा	१६.०८.२०२०
३.	लाइफ इन स्टाइल	श्री रामेंदरनाथ सरकार, क्रिएटिव डायरेक्टर, लोवे लिंटास	१७.०८.२०२०
४.	वुडकट इन डिजाइन	डह. राकेश बानी, ललित कला विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय	१८.०८.२०२०
५.	मेटेरियल एक्सपेंशन	श्री मोहन कुमार वर्मा, डिजाइन विलेज, नोएडा से संबद्ध	१९.०८.२०२०
६.	क्रिएशन अहफ पोर्ट्रेट बाय वाटर कलर	डॉ. प्रकाश दास खांडे, डिपार्टमेंट ऑफ पेंटिंग, पंडित लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफार्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स रोहतक, हरियाणा	२०.०८.२०२०

इस कार्यक्रम का आयोजन एफडीडीआई स्कूल अहृफ फैशन डिजाइन (एफएसएफडी) द्वारा किया गया था, इस दौरान विभिन्न औद्योगिक पेशेवर और विशेशज्ञ मौजूद थे जिन्होंने फैशन, कपड़ा कला और डिजाइन के क्षेत्र से संबंधित विशयों की उपयोगी अंतर्दृश्टि प्रदान की।

'ई-वकशॉप ऑन प्रोसेस' आयोजन के पहले दिन के दौरान, सुश्री हरमनदीप कौर ने फैशन डिजाइनर की भूमिका तथा परिधान डिजाइनिंग के दौरान शामिल विभिन्न प्रथाओं व इसकी प्रक्रियाओं के बाद विभिन्न फैशन के स्तर पर चर्चा की। उन्होंने पूर्वानुमान तकनीकों और उन डिजाइन प्रेरणा के स्रोतों पर जोर दिया जिस काम के लिए वह अभ्यासरत रही हैं और एक परिधान उद्योग उद्यमी होने के कई पहलुओं पर भी रोशनी डाली।

१६ अगस्त २०२० को होम टैक्सटाइल प्रोडक्शन हाउस पर ई-कार्यशाला के दौरान सुश्री सुकृति सिंह ने डिजाइनर के काम और उसी के महत्व पर जोर देने के साथ-साथ होम टेक्सटाइल उद्योग में कई नए पूर्वानुमान तकनीकों और प्रक्रिया के विकास पर जानकारी दी, उन्होंने सीएडी और संबंधित डिजाइनिंग टूल की विशेषताओं पर भी प्रकाश डाला जिनका ज्यादातर उद्योग में प्रयोग किया जाता है।

लाइफस्टाइल पर ई-कार्यशाला के दौरान प्रसिद्ध क्रिएटिव विशेषज्ञ श्री रामेंद्र नाथ सरकार ने किसी भी रचनात्मक परियोजना को अधिक प्रभावी और बेहतर परिष्करण के साथ योजना बनाने और उन्हें लागू करने के लिए कई तकनीकों के बारे में चर्चा की। उन्होंने उन तरीकों के बारे में बताया जिससे छात्र संसाधनों के भीतर प्रयोग और खोज कर सकते हैं।

१८ अगस्त २०२० को डहृ. राकेश बानी ने वूडकट डिजाइन पर ई-कार्यशाला के दौरान वुडकट डिजाइन और प्रिंटिंग की एक खोजपूर्ण पद्धति का एक व्यवहारिक प्रदर्शन साझा किया उन्होंने फैशन उद्योग में विशेष रूप के वस्त्रों पर ब्लहृक प्रिंटिंग के लिए इस प्रक्रिया को उपयोग करने के कई तरीकों के बारे में जानकारी दी।

१६ अगस्त २०२० को आयोजित मटेरियल एक्सप्रेशन पर ई वर्कशहृप के दौरान श्री मोहन कुमार वर्मा ने अपने डिजाइनर स्टूडियो में अपनी तकनीकों का प्रदर्शन करके सामग्री अन्वेषण और प्रयोग तकनीकों का प्रदर्शन किया। उन्होंने विभिन्न तकनीकों के बारे में बताएं जिनका उपयोग उत्पाद की मार्केटिंग योग्यता पर ध्यान देते हुए किसी भी उत्पाद की कला रचनात्मकता और वित्तीय पहलुओं के बीच संतुलन बनाने के लिए किया जा सकता है।

२० अगस्त २०२० को क्रिएशन अहफ पोट्रेट बाय वाटर कलर वर्कशहप के दौरान डह प्रकाश दास खाडें ने वाटर कलर की विभिन्न तकनीकों की मदद से पोट्रेट बनाने पर एक प्रदर्शन दिया उनके प्रदर्शन में के सर्वोत्तम नियमों पर प्रकाश डाला गया जिन का चित्र बनाते समय पालन करने की आवश्यकता होती है।

इस ई-कार्यशाला में १३७ प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें एफडीडीआई व अन्य संस्थानों के विभिन्न विभागों और परिसरों के छात्र और अनेक अकादमिक टीम के सदस्य शामिल थे।

एफडीडीआई फुर्सतगंज परिसर में डिजिटल प्रस्तुति ग्राफिक्स पर कर्मचारी विकास कार्यक्रम आयोजित

स्टाफ सदस्यों के कौशल को उन्नत करने के लिए एफडीडीआई फुर्सतगंज परिसर में डिजिटल प्रस्तुति ग्राफिक पर एक कर्मचारी विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। एफडीडीआई स्कूल और फैशन डिजाइन द्वारा ४ से ११ अगस्त २०२० तक आयोजित इस कार्यक्रम में १६ प्रतिभागियों ने भाग लिया।

उद्योग मार्गदर्शक श्री सुरेश शर्मा, निदेशक,सेल्स-नार्थ, ओप्पो मोबाइल टेलीकहम इंडिया ने प्रतिभागियों को बताया कि दर्शक को एक अवधारणा दिखाने या समझाने के लिए स्लाइड शो और रिपोर्ट के लिए उच्च शैली की छवियां कैसे बनाई जाती है।

उन्होंने बताया कि ''डिजिटल प्रस्तुति सूचना और कार्य प्रकियाओं को संप्रेषित करने के लिए व्यवसाय /अधिकारिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। डिजिटल कार्य संस्कृति के वर्तमान रूझानों के साथ हमें अधिकारिक गतिविधियों और लेखन में अपने कार्य मानकों को बढ़ाने की आवश्यकता है। इस संबंध में डिजिटल प्रस्तुतीकरण कर सकते हैं जो जनशक्ति कौशल और कार्य मानकों को उन्नत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।''

प्रतिभागियों को व्याख्यान, प्रदर्शन और प्रस्तुति तकनीकों, उपकरण, सहफ्टवेयर और इंटरनेट प्रक्रियाओं के साथ व्यावहारिक अनुभव दिया गया। प्रतिभागियों को दिए गए असाइनमेंट के माध्यम से ग्राफिक्स, प्रस्तुति सहफ्टवेयर, लेआउट डिजाइन, टाइपोग्राफी और संपादन के साथ सीखने का अनुभव मिला। सत्र के दौरान माइक्रोसहफ्ट अहफिस एप्लीकेशन, एडोब फोटोशहप और इंटरनेट फाइल अहपरेशन सिखाया गया।

एफडीडीआई चंडीगढ़ कैंपस के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर के वर्चुअल फैशन शो २०२० में पहला स्थान हासिल किया है

चंडीगढ़ के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर के वर्चुअल फैशन शो २०२० में भाग लिया और रू ३००० का पहला पुरस्कार हासिल किया।

यह वर्चुअल फैशन शो २०२० नीट स्कूल अहफ फैशन टेक्नोलहजी एंड इंटीरियर डिजाइन द्वारा आयोजित किया गया था जो कि बेंगलुरू सेंट्रल यूनिवर्सिटी (बीसीयू) से संबंधित दक्षिण भारत का एक प्रमुख और इंटीरियर डिजाइनर संस्थान है।

तीसरे वर्ष के ६ छात्रों सुश्री अनुष्का, सुश्री वाणी, सुश्री श्रेया, सुश्री कृति, सुश्री स्वाति और सुश्री रिया ने घर पर रहते हुए एक साथ काम किया था और एक थीम पर वर्चुअल फैशन शो के लिए अपनी प्रविष्टि भेजी। उनका थीम स्ट्रीट स्टाइल था जो एक राजा कुमारी से प्रेरित था उन्होंने खूबसूरती से और दिलचस्प ढंग से साड़ियों को एक नए अलग रूप में लपेटा और सिलवाया था।

इस शानदार कलेक्शन की जजों द्वारा सराहना की गई जिसमें शांभवु वेंटेक्स अभिनेत्री फैशन डिजाइनर मिस्टर स्टेपलिन ललन शामिल थे। उन्होंने २८ जुलाई २०२० को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो के माध्यम से इस शो के रिजल्ट की घोषणा की जिसमें एफडीडीआई के नवोदित डिजाइनरों ने पहला स्थान हासिल किया।

एसडीपीआई रोहतक कैंपस के छात्र को राष्ट्रीय स्तर के 'वर्चुअल फैशन शो' में मिला तीसरा स्थान

एफडीडीआई, रोहतक परिसर के छात्रों ने २७ जुलाई, २०२० को आयोजित राष्ट्रीय स्तर के 'वर्चुअल फैशन शो' में भागीदारी की।

एफडीडीआई, स्कूल अहफ़ फैशन डिजाइन के पांचवें सेमेस्टर के ६ छात्रों सुश्री आस्था, सुश्री इनिका, सुश्री मैत्रेय, सुश्री आरती, सुश्री अमृता और श्री रजत ने अपने घरों में रहकर कुछ ड्रेसेस बनाएं और एनआईटीटीई स्कूल अहफ़ फैशन टेक्नोलहजी एंड इंटीरियर डिजाइन के द्वारा आयोजित फैशन शो में एंट्री के लिए प्रविष्टि भेजी।

फैशन कलेक्शन का नाम दस्तूर-ए-रिवाज था । इस विषय पर प्रविष्टि में ६ ठाठ इंडी लुक शामिल थे। जिन्हें एक बेहद अच्छा रूप देने के लिए रफल्स, ड्रेपिंग और प्लीटिंग के साथ मिलाकर विस्तृत किया गया था। यह रूप ट्रेडिशनल इवेंट के लिए उपयुक्त है।

तीन सदस्यों वाली जूरी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो संदेश के माध्यम से परिणामों की घोषणा की जिसमें इस शो में एफडीडीआई के नवोदित डिजाइनरों को तीसरा स्थान मिला।

डिजिटल इवेंट ने आज की हमारी जरूरतों को बेहतरीन तरीके से पूरा करने के लिए और भविष्य को देखते हुए डिजिटल इनोवेशन के अलग चयन को एक साथ किया है।

एफडीडीआई चेन्नई परिसर छात्रों के द्वारा उभरते उद्यमशीलता उद्यम

एफडीडीआई रचनात्मकता की केंद्र है जो छात्रों को पेशेवरों के रूप में प्रोत्साहित कर रही है एवं ढाल रही है तथा उद्यमशीलता उद्यम शुरू करने के लिए छात्रों की रचनात्मकता और प्रतिभा का पोषण भी करती है

कोविड-१६ लहकडाउन के दौरान जुलाई २०२० के अंतिम सप्ताह में जे. लावण्या और नंदिनी दोनों एफडीडीआई चेन्नई परिसर के फैशन डिजाइन के छात्रों ने संस्थान में जो कुछ सीखा है उससे अलग आयामों में अपनी प्रतिभा को दिखाया है और उद्यमशीलता उद्यम में खोज कर रहे हैं

सुश्री नंदिनी ने अपने एकसेसरीज बनाने के कौशल का उपयोग किया जो उन्होंने एक्सेसरीज डिजाइनिंग में एफडीडीआई में सीखा था वह डिजाइन किए गए रेशम के धागों के गहनों में विशेषज्ञता रखती हैं और उनके डिजाइन किए गए गहनों की प्रशंसा की गई है और उनके परिवार तथा दोस्तों के सर्कल में यह बात सराहा और मान्य किया गया है। इसी उम्मीद और समर्थन ने उन्हें इंस्टाग्राम पोर्टल से शुरू करने के लिए प्रेरित किया

दूसरी छात्र सुश्री जे. लावण्या आनलाइन कार्यक्रमों के लिए पोस्टर डिजाइन करने के साथ अपना उद्यमशीलता उद्यम शुरू किया जिसमें अलग-अलग शैक्षणिक संस्थानों द्वारा आयोजित शैक्षणिक वेबीनार और कार्यशालाओं के लिए पोस्टर डिजाइनिंग शामिल है

एफडीडीआई के फेकल्टी द्वारा मार्गदर्शन और परामर्श के परिणामस्वरुप यह छात्र नवोदित हो रहे हैं ऐसे नवोदित व सफल उद्यमी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण योगदान करते हैं और इसके परिणाम स्वरूप स्टार्टअप के विकास में जबरदस्त उछाल आया है।

DRONE ACHARYA

एफडीडीआई कोलकाता परिसर के छात्र ने जीता झारखंड ऑनलाइन मास्क डिजाइन प्रतियोगिता २०२० में उपविजेता का खिताब

झारखंड ऑनलाइन मास्क डिजाइन प्रतियोगिता २०२० के दौरान सुश्री श्रेया आदर्श एफडीडीआई कोलकाता परिसर की एक छात्रा ने पारंपरिक मुखौटा डिजाइन श्रेणी में भाग लिया और उपविजेता का खिताब जीता।

इस प्रतियोगिता का आयोजन खादीवाला डिजाइनर ने अताईची डिजाइन के सहयोग से किया था डिजाइन पार्टनर, इशिता डिजाइन स्टूडियो तथा ग्राफिक्स पार्टनर न्यूज़ रांची मीडिया थे जिसका परिणाम ४ जुलाई २०२० को घोषित किया गया था।

ऑनलाइन 'मास्क प्रतियोगिता को दो अलग-अलग श्रेणियों में पारंपरिक और अपारंपरिक में आयोजित किया गया था फैशन डिजाइन बैच २०१८ सेमेस्टर-४ की छात्रा सुश्री श्रेया आदर्श ने पारंपरिक डिजाइन में भाग लिया।

उन्होंने अपने 'मास्क फोटोशूट की स्कैन की गई छवियों को प्रस्तुत किया एक ट्रैस की आकृति के साथ डिजाइन किया गया मुखौटा उनका विषय परोपकारी था जो प्रकृति मां के निस्वार्थ कर्मों को दर्शाता है जिस तरह से वह बदले में कुछ भी उम्मीद नहीं किए गए बिना पृथ्वी पर सभी जीवित प्राणियों की देखभाल करती है इसी तरह से यह उत्पाद इस विषय पर विकसित होता है

प्रतियोगिता का निर्णय टीवी स्टार सुश्री रतन राजपूत और बहलीवुड के निर्माता और सेलिब्रिटी कॉस्ट्यूम स्टाइलिश श्री हितेंद्र कपोपारा द्वारा किया गया था

एफडीडीआई पटना परिसर के छात्र झारखंड ऑनलाइन 'मास्क डिजाइन' प्रतियोगिता में शीर्ष ५ में शामिल है

सुश्री अरूणिता कुमारी एफडीडीआई पटना परिसर की छात्रा ने झारखंड ऑनलाइन 'मास्क डिजाइन प्रतियोगिता २०२० में भाग लिया जिसका आयोजन खादीवाला डिजाइनर द्वारा आताइची डिज़ाइन ईशितौब डिजाइन स्टूडियो व न्यूज़ रांची के सहयोग से किया गया था

ऑनलाइन 'मास्क प्रतियोगिता को दो अलग-अलग श्रेणियों पारंपरिक व अपारंपरिक में आयोजित किया गया था श्री अरुणिता पटना परिसर २०१८ बैच की फुटवियर डिजाइन और प्रोडक्शन की छात्रा अपारंपरिक 'मास्क डिजाइन में शीर्ष ५ में शामिल थी

उन्होंने एक तितली के आकार में डिजाइन किए गए रचनात्मक अभिव्यक्तियों की स्कैन की गई छवि प्रस्तुत की उसका विषय स्वतंत्रत दिखना था और चार्ल्स डिकेंस के एक उदाहरण के आधार पर ''मैं केवल स्वतंत्र होने के लिए कहता हूं तितलियां स्वतंत्र है'' पर आधारित था।

प्रतियोगिता का निर्णय टीवी स्टार सुश्री रतन राजपूत और निर्माता श्री हितेंद्र कपोपारा ने किया।

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर के छात्र को अहनलाइन 'फेस पेंटिंग' प्रतियोगिता के लिए 'भागीदारी का प्रमाणपत्र' मिला

श्री धर्मसीलन, एफडीडीआई, चेन्नई परिसर के छात्र ने ऑनलाइन फेस पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसका आयोजन इरोड-कोयंबटूर रोड स्थित नंदा आर्ट्स एंड साइंस कहलेज, इरोड -५२ द्वारा किया गया था।

कोवीड-१६ संक्रमण के खतरे के बारे में बताते हुए, श्री धर्मशीलन, जो एफडीडीआई चेन्नई परिसर बैचलर अहफ डिज़ाइन इन फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन-२०१८ बहच के छात्र हैं, ने २३ से २७ मई २०२० तक आयोजित प्रतियोगिता में भाग लिया। उन्होंने सभी प्रासंगिक विवरणों के साथ रचनात्मक अभिव्यक्तियों की छवि अर्थात किए गए कला कार्य का शीर्षक, आकार और किए गए कार्य के बारे में संक्षिप्त विवरण दिया।

NANDHA ARTS AND SCIENCE COLLEGE
(Affiliated to Bharathiar University, Coimbatore)
Approved by UGC for 2(f), 12(B) & Accredited by NAAC Erode, Tamil Nadu, India.

CERTIFICATE OF PARTICIPATION
This is to Certificate that
DHARMASEELAN
from FOOTWEAR DESIGNING DEVELOPMENT INSTITUTE, CHENNAI
participated in FACE PAINTING competition held at 23.5.20 to 27.5.20 Organized
by the Department of Costume Design and Fashion, Nandha Arts and Science College, Erode

Dr P Ramya
Head of the Department

Dr M Gopalakrishnan
Principal

It is a computer generated certificate signature not required

प्रतियोगिता के दौरान, दक्षिण भारत के विभिन्न कहलेजों के २०० से अधिक छात्रों ने भाग लिया। उन्हें इसी के लिए ‘भागीदारी का प्रमाण पत्र’ प्राप्त किया।

एफडीडीआई स्टाफ ने कोवीड-१९ महामारी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए पीएम केयर्स फंड में एक दिन का वेतन दान किया

कोविड-१९ महामारी के प्रसार के मद्देनजर उत्पन्न हुई अभूतपूर्व स्थिति को देखते हुए, एफडीडीआई ने अपने कर्मचारियों के एक दिन के वेतन का दान दिया, जिसमें प्रधान मंत्री नागरिक सहायता और आपातकालीन स्थिति में राहत कोष (पीएम केयर्स फंड) में अपना स्वयं का योगदान शामिल है।

नोएडा, फुर्सतगंज, चेन्नई, कोलकाता, रोहतक, छिंदवाड़ा, गुना, जोधपुर, अंकलेश्वर, बनूर, पटना और हैदराबाद में स्थित एफडीडीआई के परिसरों के सभी कर्मचारियों ने पीएम केयर्स फंड में योगदान दिया, जिसे कर योग्य आय से १००: कटौती के लिए आयकर अधिनियम, १९६१ की धारा ८०जी के अन्तर्गत अधिसूचित किया गया है।

अपने भाइयों की मदद करने के लिए, विशेष रूप से दुख और संकट के समय में, एफडीडीआई ने १८ अप्रैल २०२० को पीएम केयर्स फंड, ICICI बैंक, सेक्टर - ५०, नोएडा, खाता संख्या- 663701PMCARE, IFSC कोड ICIC0006637 में ११,००००० / (ग्यारह लाख) जमा किए गए।

एफडीडीआई द्वारा उठाया गया यह कदम इस बात की गवाही देता है कि संस्थान पीड़ित लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाता है।

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) के लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

1 हमने 31 मार्च 2021 को फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) की संलग्न बैलेंस शीट और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता एवं प्राप्ति और भुगतान खाते की लेखा परीक्षा नियंत्रक और लेखा परीक्षक की धारा 19 (2) अधिनियम 1971 के तहत लेखा परीक्षण किया है, फुटवियर डिजाइन और विकास संस्थान (एफडीडीआई) अधिनियम, 2017 की धारा 23 (2) के साथ पठित सामान्य (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) । इन वित्तीय विवरणों में एफडीडीआई के 12 केंद्रों के खाते शामिल हैं। नोएडा (उत्तर प्रदेश), रोहतक (हरियाणा), कोलकाता (पश्चिम बंगाल), फुरसतगंज (उत्तर प्रदेश), चेन्नई (तमिलनाडु), जोधपुर (राजस्थान), छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश), गुना (मध्य प्रदेश), पटना (बिहार), बनूर (पंजाब), हैदराबाद (तेलंगाना) और अंकलेश्वर (गुजरात)। इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने की जिम्मेदारी एफडीडीआई के प्रबंधन की है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने ऑडिट के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करें।

2 इस अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) की टिप्पणियों में केवल वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन प्रथाओं के अनुरूप, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि के संबंध में लेखांकन उपचार पर टिप्पणियां शामिल हैं। वित्तीय लेनदेन पर लेखापरीक्षा टिप्पणियों के संबंध में कानून, नियमों और विनियमों (उचितता और नियमितता) और दक्षता-सह-प्रदर्शन पहलुओं, आदि के अनुपालन के लिए, यदि कोई हो, निरीक्षण रिपोर्ट/सीएजी की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से अलग से रिपोर्ट किया जाता है।

3 हमने भारत में आम तौर पर स्वीकृत ऑडिटिंग मानकों के अनुसार अपना ऑडिट किया है। इन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना बनाएं और निष्पादित करें कि क्या वित्तीय विवरण भौतिक गलत विवरणों से मुक्त हैं। एक लेखापरीक्षा में परीक्षण के आधार पर, वित्तीय विवरणों में राशियों और प्रकटीकरण का समर्थन करने वाले साक्ष्यों की जांच करना शामिल है। ऑडिट में उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन करने के साथ-साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हम मानते हैं कि हमारी लेखापरीक्षा हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करती है।

4 हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

i) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजनों के लिए आवश्यक थे।

ii) इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए बैलेंस शीट और आय और व्यय खाते एवं प्राप्ति और भुगतान खाते को भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रारूप में तैयार किया गया है।

iii) हमारी राय में, फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई), नोएडा द्वारा खातों की उचित पुस्तकों और अन्य प्रासंगिक अभिलेखों को बनाए रखा गया है, जहां तक कि ऐसी पुस्तकों की हमारी जांच से पता चलता है।

iv) हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:

अ. बैलेंस शीट

अ. 1 देयताएं

आ. 1.1 निर्धारित/बंदोबस्ती निधि (अनुसूची-3)

पूंजी अनुदान - ₹620.36 करोड़

उपरोक्त जानकारी संस्थान को सरकार से प्राप्त अनुदान के अंतिम शेष पूंजी को दर्शाता है। जिसमें से ₹564.07 करोड़ (₹620.36 करोड़ से / ₹56.29 करोड़ कम अप्रयुक्त अनुदान के रूप में) का उपयोग संपत्ति के निर्माण के लिए किया गया है। हालांकि, ₹564.66 करोड़ की राशि (₹584.17 करोड़ से ₹19.51 करोड़ कम जो निर्धारित निधि से खरीदी गई संपत्ति हैं) को सरकारी अनुदान (अनुसूची 8बी) से बनाई गई अचल संपत्तियों के लिए निर्धारित ब्लॉक के रूप में दर्शाया गया है। इस प्रकार, 31 मार्च 2021 को पूंजीकृत सरकारी अनुदान और सरकारी अनुदानों से सृजित परिसंपत्तियों के बीच ₹0.59 करोड़ का अंतर मौजूद है, जिसके समाधान की आवश्यकता है।

पिछले वर्ष यानी 2018-19 और 2019-20 के दौरान आश्वासन देने के बावजूद, संस्थान ने अभी तक पूंजीकृत सरकारी अनुदान और सरकारी अनुदानों से सृजित संपत्ति के बीच के अंतर का समाधान नहीं किया है।

अ. 2 संपत्ति

अ. 2.1 अचल संपत्तियां (सरकारी अनुदान से) (अनुसूची - 8बी)

संयंत्र और मशीनरी (मूल्यह्रास) ₹45.87 करोड़

उपरोक्त में ₹13.29 करोड़ की अचल संपत्तियों पर ₹2.66 करोड़ का मूल्यह्रास शामिल नहीं है, जिसे वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान 180 दिनों से अधिक के लिए उपयोग में लाया गया था। उपयोग की अवधि को 180 दिनों से कम मानते हुए, संस्थान ने संपत्ति पर 40 प्रतिशत के बजाय 20 प्रतिशत की दर से मूल्यह्रास लगाया।

यह टिप्पणी वर्ष 2019-20 के लिए एसएआर में जारी की गई थी। हालांकि अप्रैल 2020 से मार्च 2021 की अवधि के लिए 40 प्रतिशत की दर से मूल्यह्रास लगाया गया है, लेकिन वर्ष 2019-20 के लिए कोई अनुपालन नहीं किया गया है।

इसके परिणामस्वरूप अचल संपत्तियों और सरकारी अनुदान (अनुसूची - 3) को ₹ 2.66 करोड़ से अधिक बताया गया है।

आ अन्य टिप्पणियाँ

संस्थान ने एफडीडीआई अधिनियम, 2017 की धारा 21(1) की आवश्यकता के अनुसार एक कोष का गठन नहीं किया है जिसमें केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की गई सभी धनराशि; संस्थान द्वारा प्राप्त सभी शुल्क और अन्य शुल्क, ऋण, अनुदान, उपहार, दान, उपकार, वसीयत या स्थानान्तरण के रूप में संस्थान द्वारा प्राप्त सभी धन; और संस्थान द्वारा किसी अन्य तरीके से या किसी अन्य स्रोत से प्राप्त सभी धन जमा किए जाते हैं। फंड के गैर-सृजन के परिणामस्वरूप एफडीडीआई अधिनियम, 2017 का अनुपालन नहीं हुआ है।

वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 की अलग-अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट में इंगित किए जाने के बावजूद, संस्थान ने अभी तक लेखापरीक्षा अवलोकन के अनुरूप कोई कार्रवाई नहीं की है।

इ सहायता में अनुदान

जैसा कि एफडीडीआई द्वारा प्रमाणित है, उसके पास पिछले वर्षों से संबंधित 01.04.2020 को ₹46.21 करोड़ के पूंजीगत अनुदान का अव्ययित शेष था। भारत सरकार ने वर्ष 2020-21 के दौरान एफडीडीआई को कोई पूंजी अनुदान नहीं दिया है। वर्ष 2020-21 के दौरान मानव संसाधन विकास मिशन अनुदान से ₹29.54 करोड़ की राशि पूंजीगत अनुदान में हस्तांतरित की गई है। वही जमा कर दिया गया है और ₹1.15 करोड़ की ब्याज राशि अर्जित की गई है। 76.90 करोड़ की कुल उपलब्ध शेष राशि में से, वर्ष के दौरान ₹20.61 करोड़ की राशि का उपयोग किया गया है, जिससे ₹56.29 करोड़ का अप्रयुक्त शेष रह गया है।

ई इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में सम्मिलित नहीं की गई कमियों को उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई हेतु पृथक से जारी प्रबंधन पत्र के माध्यम से संस्थान के प्रबंधन के ध्यान में लाया गया है।

V) पिछले पैराग्राफों में टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए बैलेंस शीट और आय एवं व्यय खाते, खातों की किताबों के अनुरूप हैं।

Vi) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण लेखा नीतियों और खातों पर टिप्पणियों के साथ पढ़े जाते हैं, और ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों और अनुलग्नक में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन, देते हैं तो भारतीय लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूपता के अनुसार इसे सत्य एवं उचित विवरण माना जाएगा ।

(क) एफडीडीआई की कार्य स्थिति का 31 मार्च 2021 के अनुसार जहाँ तक यह बैलेंस शीट से संबंधित है, और

(ख) जहां तक यह उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय और व्यय खाते से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक
के लिए और उनकी ओर से

(रीना अकोइजम)
लेखापरीक्षा महानिदेशक
(उद्योग और कॉर्पोरेट मामले)

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 07/02/2022

अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

किराए पर ली गई चार्टर्ड एकाउंटेंट्स फर्म द्वारा आंतरिक लेखा परीक्षा की जा रही है और इसे वित्तीय वर्ष 2020-21 तक पूरा कर लिया गया है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

जहां तक वित्तीय मामलों का संबंध है, आंतरिक नियंत्रण प्रणाली अपर्याप्त है और एफडीडीआई की गतिविधियों के आकार और प्रकृति के अनुरूप नहीं है। सरकारी अनुदान से सृजित आय, अनुदान, अचल संपत्तियों के लेखांकन की प्रक्रिया और उस पर मूल्यह्रास में सुधार की आवश्यकता है।

3. अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

सभी परिसरों के लिए अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया गया था और अंकलेश्वर परिसर को छोड़कर कोई विसंगति नहीं पाई गई थी, जहां कमी/विसंगतियां पाई गई थीं और उनका समाधान किया जा रहा था।

4. सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

सूची का भौतिक सत्यापन किया गया और कोई विसंगति नहीं पाई गई।

5. सांविधिक देय राशियों के भुगतान में नियमितता

संस्थान वर्ष 2020-21 के दौरान सांविधिक बकाया के भुगतान में नियमित था।

Harsha

निदेशक (एएमजी-I)

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
31 मार्च, 2021 तक समेकित बैलेंस शीट तुलन-पत्र

(रकम रुपये में)

विवरण	अनुसूची	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
कोष विवरण पूंजीभंडार एंव उत्तरादायित्व			
कोष/पूंजी भंडार	1	49,16,30,488	34,27,02,918
भंडार और अधिशेष राशि	2	-	-
निर्धारित/अक्षय निधि	3	6,47,57,09,811	7,29,11,96,824
प्रतिभूत ऋण और कर्ज	4	-	-
अप्रतिभूत ऋण और कर्ज	5	-	-
स्थगित ऋण देयताएँ	6	-	-
वर्तमान देयताएँ और प्रावधान	7	43,59,57,520	59,39,95,914
कुल		**7,40,32,97,819**	**8,22,78,95,656**
सम्पत्ति			
अचल सम्पत्तियाँ	8	5,89,23,64,658	6,45,25,81,835
निवेश-निर्धारित/अक्षय निधि के द्वारा	9	-	-
निवेश-अन्य	10	46,92,29,263	36,33,37,573
वर्तमान सम्पत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	11	1,04,17,03,898	1,41,19,76,247
विविध व्यय (हद तक लिखित या समायोजित नहीं)			
कुल		**7,40,32,97,819**	**8,22,78,95,656**

सार्थक लेखांकन नीतियाँ	**24**
आकस्मिक देयताएँ और खातों पर नोट	**25**

द्वारा फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

अरुण कुमार सिन्हा, भा.प्र.से.
प्रबंध निदेशक

एम.एस.खत्री
सलाहकार (लेखा और वित्त)

स्थान : नोएडा
दिनांक : 20-10-2021

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित आय तथा व्यय खाता

(रकम रुपये में)

विवरण	अनुसूची	31.03.2021	31.03.2020
आय			
बिक्री/सेवा के आय	12	6,17,92,285	21,04,35,002
अनुदान/सब्सिडी	13	73,99,61,697	3,34,00,10,168
शुल्क/सदस्यता	14	43,50,55,878	43,99,53,681
निवेश के द्वारा आय (निवेश पर आय निश्चित/सहायतार्थ/धनराशि धन में हस्तांतरित)	15	60,22,130	55,85,031
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16	-	-
अर्जित ब्याज	17	3,60,16,512	2,92,46,474
अन्य आय	18	1,06,49,728	91,29,210
स्टॉक में वृद्धि/(कमी)	19	-1,03,348	-13,40,579
कुल (क)		**1,28,93,94,882**	**4,03,30,18,986**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	24,41,10,992	38,79,21,579
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	15,04,22,979	24,96,45,454
अनुदान, सब्सिडी इत्यादि पर व्यय	22	73,99,61,697	3,34,01,50,239
ब्याज	23	-	-
अवमूल्यन	8	82,61,801	95,97,907
कुल (ख)		**1,14,27,57,469**	**3,98,73,15,179**
शेष राशि व्यय से अधिक आय (क-ख)		**14,66,37,413**	**4,57,03,807**
विशेष रिर्जव में स्थानांतरण (प्रत्येक को निदिृष्ट करें) स्थानांतरण से/सामान्य रिर्जव द्वारा		-	-
अधिशेष होने के नाते शेष राशि (धारा) कॉपेस/पूंजीगत भंडार		14,66,37,413	4,57,03,807

सार्थक लेखांकन नीतियाँ
आकस्मिक देयताएँ और खातों पर नोट

द्वारा फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

अरुण कुमार सिन्हा, भा.प्र.से.
प्रबंध निदेशक

एम.एस.खत्री
सलाहकार (लेखा और वित्त)

स्थान : नोएडा
दिनांक : 20-10-2021

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियाँ तथा भुगतानों का समेकित विवरण

(रकम रुपये में)

प्राप्तियाँ	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
I) ओपनिंग बैलेंस		
क. हाथ में नकद	2,54,395	3,46,706
ख. बैंक में राशि		
i. चालू खातों में	4,09,53,953	3,76,27,192
ii. जमा/बचत खातों में	1,23,46,72,674	1,29,79,94,779
II) प्राप्त अनुदान		
क. भारत सरकार से		
क. पूंजी व्यय	29,54,30,982	10,00,00,000
ख. पीएलएसडीपी	24,17,99,018	1,63,59,81,918
ग. आईडीएलएस	42,85,02,156	81,05,41,104
घ. अन्य	22,45,000	2,31,05,519
ख. राज्य सरकार से		
ग. अन्य स्रोतों से (विवरण) (पूंजी और राजस्व व्यय के लिए अनुदान को अलग से दिखाया गया है।)		
III) निवेश से आय		
क. निर्धारित/सहायतार्थ निधि	2,09,59,565	3,29,38,820
ख. स्वयं के निधि (अन्य निवेश)	-	**2,97,64,601**
IV) प्राप्त ब्याज		
क. बैंक जमा पर	98,54,583	2,38,00,566
ख. ऋण, अग्रिम आदि	1,29,97,230	-
V) अन्य आय (निर्दिष्ट)		
क. छात्र शुल्क	35,51,52,587	44,68,16,953
ख. अन्य आय	69,03,521	55,35,787
VI) उधार राशि		
VII) कोई अन्य रशीद (विवरण दें)		
क. वर्ष के दौरान परिपक्व निवेश	1,16,16,845	18,39,36,028
ख. अन्य प्राप्तियाँ	**10,11,99,842**	12,17,39,639
ग. शाखा से लेन-देन	8,19,61,942	5,32,79,458
घ. छात्र-शुल्क	7,19,880	39,40,291
कुल	**2,84,52,24,173**	**4,80,73,49,361**

भुगतान	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
I) व्यय		
क. स्थापना व्यय (अनुसूची 20 के अनुसार)	14,95,15,747	17,13,33,418
ख. स्थापना व्यय (अनुसूची 21 के अनुसार)	11,28,30,273	17,57,94,438
II) विभिन्न परियोजनाओं के लिए किए गए धनराशि का भुगतान		
क. पीएलएसडीपी	53,30,06,305	19,21,77,841
ख. आईडीएलएस	43,51,58,605	80,38,84,498
ग. अन्य	**19,05,48,075**	1,46,91,17,132
III) निवेश और जमा किए गए		
क. निर्धारित/सहायतार्थ निधि के लिए		
ख. खुद के फंड से (निवेश-अन्य)	10,00,00,000	34,00,00,000
ग. ग्रेच्युटी फंड में निवेश	1,30,70,230	69,89,815
IV) अचल संपत्तियों और पूंजी कार्यप्रगति पर व्यय		
क. अचल संपत्तियों की खरीद	53,31,770	17,88,64,765
ख. प्रगति में पूंजी कार्य	-	-
V) अधिशेष धन और ऋण वापसी		
क. भारत सरकार को	16,98,20,765	3,86,73,444
ख. राज्य सरकार को		
ग. अन्य प्रदान धनराशि		
VI) वित्त प्रभार (ब्याज)		
VII) अन्य भुगतान (उल्लेखित)		
क. शाखा के साथ लेन-देन	4,16,33,118	3,52,43,320
ख. अन्य भुगतान	25,39,39,253	11,93,89,666
VIII) बंद शेष राशि		
क. हाथ में नगद	1,57,727	2,54,395
ख. बैंक में राशि		
i. चालू खातों में	5,50,27,534	4,09,53,953
ii. जमा/बचत खातों में	78,51,84,771	1,23,46,72,674
कुल	**2,84,52,24,173**	**4,80,73,49,361**

द्वारा फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

अरुण कुमार सिन्हा, भा.प्र.से.
प्रबंध निदेशक

एम.एस.खत्री
सलाहकार (लेखा और वित्त)

स्थान : नोएडा
दिनांक : 20-10-2021

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

31 मार्च, 2021 को तुलन-पत्र का भाग तैयार करने वाली अनुसूचियाँ

(रकम रुपये में)

अनुसूची 1– संचित/पूंजीनिधि	31 मार्च, 2021 तक		31 मार्च, 2020 तक	
वर्ष की शुरुआत में शेष राशि	34,27,02,917		29,69,99,112	
जोड़ : पूंजी निधि की ओर से योगदान/संचित फंड	22,89,798		-	
जोड़ : सामान्य भंडार से स्थानांतरण			-	
जोड़ : (कटौती) शुद्ध आय (व्यय) आय और व्यय खाते से हस्तांतरित	14,66,37,771	49,16,30,486	4,57,03,807	34,27,02,918
वर्ष के अन्त में शेष		49,16,30,488	-	34,27,02,918

अनुसूची 2– भंडार और अधिशेष	As at 31.03.2021		As at 31.03.2020	
1. भंडार पूंजी				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान वृद्धि				
कम : वर्ष के दौरान कटौती	-	-		-
2. पुनर्मूल्यांकन भंडार				
पिछले खाते के अनुसार	-			
वर्ष के दौरान वृद्धि	-			
कम : वर्ष के दौरान कटौती	-	-		-
3. विशेष भंडार				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान वृद्धि				
कम : वर्ष के दौरान कटौती		-		-
4. सामान्य भंडार				
पिछले खाते के अनुसार	-			
वर्ष के दौरान वृद्धि	-			
जोड़ : सामान्य भंडार में हस्तांतरित			-	
कम : कोष/पूंजी भंडार में स्थानांतरण	-			
कम : वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
कुल		-		-

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

वित्तीय वर्ष 2020–21

अनुसूची 3–निर्धारित/बंदोबस्ती निधि	निधिवार ब्यौरा				कुल	
	पूंजी अनुदान	पीएएसडीपी	आईडीएलएस	अन्य	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
क) निधि का प्रारंभिक शेष	6,60,59,30,420	66,61,09,798	66,56,606	1,25,00,000	7,29,11,96,824	7,95,88,72,084
ख) निधि में वृद्धि						
i. दान/अनुदान	29,54,30,982	8,45,79,841	42,85,02,156	22,45,000	81,07,57,979	2,56,90,87,651
ii. निधियों के खाते में किए गए निवेश आए	1,21,59,957	75,36,809	-	89,894	1,97,86,660	3,95,07,630
iii. अन्य वृद्धि (प्रकृति निदृिष्ट करें)					-	6,37,39,626
कुल (क + ख)	6,91,35,21,359	75,82,26,448	43,51,58,762	1,48,34,894	8,12,17,41,463	10,63,12,06,991
ग) उपयोग/धन के उद्देश्य से व्यय						
i. अचल सम्पत्ति में पूंजी व्यय						
– अचल सम्पत्ति	70,55,69,165	3,43,92,532			73,99,61,697	81,83,45,608
– अन्य	-		43,51,58,605		43,51,58,605	80,38,84,498
ii. राजस्व व्यय						
– वेतन, मजदूरी एवं भत्ता आदि और अन्य गैर-पूंजी व्यय		42,03,50,997		4,62,01,962	46,65,52,959	1,71,12,64,474
– किराया					-	-
– अन्य प्रशासनिक व्यय कुल	43,58,386			-	43,58,386	65,15,589
कुल (ग)	70,99,27,551	45,47,43,529	43,51,58,605	4,62,01,962	1,64,60,31,647	3,34,00,10,169
वर्ष के अंत में कुल अधिशेष कुल (क + ख + ग)	6,20,35,93,808	30,34,82,919	157	-3,13,67,068	6,47,57,09,811	7,29,11,96,824

अनुसूची 4. सुरक्षित ऋण एवं उधार राशि	31 मार्च, 2021 तक		31 मार्च, 2020 तक	
		-		-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)		-		-
3. वित्तिय संस्थान				
क) सावधि ऋण	-		-	
ख) जमा ब्याज और देय	-	-	-	-
4. बैंक				
क) सावधि ऋण	-			
– जमा ब्याज और देय	-		-	
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	-			
– जमा ब्याज और देय	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान एवं अजेंसियाँ		-		-
6. ऋण पत्र एवं अनुबंध		-		-
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)		-		-
कुल		-		-

अनुसूची 5–असुरक्षित ऋण एवं उधार ऋण	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
1. केन्द्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थान	-	-
4. बैंक	-	-
क) सावधि ऋण	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियाँ	-	-
6. ऋण पत्र एवं अनुबंध	-	-
7. मियादी जमा	-	-
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	-	-

अनुसूची 6–स्थगित ऋण देनदारी	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
क) पूंजीगत उपकरणों और अन्य परि सम्पत्तियों के ह्रास द्वारा सुरक्षित स्वीकृतियाँ	-	-
ख) अन्य	-	-
कुल	-	-

अनुसूची 7– वर्तमान देनदारी एवं प्रावधान क) वर्तमान देनदारी	31 मार्च, 2021 तक		31 मार्च, 2020 तक	
1. स्वीकृतियाँ	-			-
2. विविध लेनदार				
क) सामग्री हेतु	6,14,233		-	
ख) अन्य	1,38,19,097		3,81,11,781	
ग) शाखा	-	1,44,33,330	-	3,81,11,781
3. अग्रिम प्राप्ति				
क) अग्रिम प्रशिक्षण शुल्क	9,27,49,294		11,11,81,434	
ख) देनदारों की तरफ से अग्रिम	29,79,884	9,57,29,178	22,69,443	11,34,50,877
4. ब्याज अर्जित किया गया। जिस पर बकाया नहीं :				
क) सुरक्षित ऋण/उधार	-		-	
ख) असुरक्षित ऋण/उधार	-	-	-	-
5. सांविधिक देयताएं				
क) अतिदेय	-		-	
ख) अन्य	2,27,39,225	2,27,39,225	2,05,38,285	2,05,38,285
6. अन्य वर्तमान देयताएं				
क) सुरक्षा जमा (छात्र)	6,05,49,304		5,63,05,891	
ख) सुरक्षा जमा (ई एम डी)	2,08,02,067		3,90,32,289	
ग) एचआरडी अभियान वृत्ति	-		9,91,45,500	
घ) बीमा दावा/छात्र वृत्ति	7,89,850		9,77,001	
ङ) छात्रों के लिए भंडार	3,49,23,188		3,42,12,813	
च) सेडलेरी तकनीक एंड एक्पोर्ट अंतरराष्ट्रीय संस्थान	54,89,242		54,89,242	
छ) अन्य	17,99,528	12,43,53,180	18,51,134	23,70,13,870
कुल (क)		**25,72,54,913**		**40,91,14,813**
ख) प्रावधान				
1. कराधान हेतु		-		-
2. ग्रेच्युटी		9,19,14,345		8,75,42,701
3. सेवानिवृत्ति/पेंशन		-		-
4. संचित अवकाश नगदीकरण		6,89,24,892		7,75,98,870
5. व्यापार वारंटी/दावे		-		-
6. अन्य–खर्च के लिए प्रावधान		1,78,63,371		1,97,39,530
कुल (ख)		**17,87,02,608**		**18,48,81,101**
कुल (क+ख)		**43,59,57,520**		**59,39,95,914**

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
वित्तीय वर्ष 2020-21

अनुसूची 8क-कुलसंपत्तियाँ (स्वयं के धन से)

विवरण	सकल संपत्तियां				विमूल्यन				कुल संपत्तियाँ	
क. अचल संपत्तियां :	01.04.2020 तक लागत/मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जोड़े गए	वर्ष के दौरान कटौती पर	31.03.2021 तक लागत/मूल्य	01.04.2020 तक	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान कटौती पर	31.03.2021 तक	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
1. भूमि :										
क) पूर्ण स्वामित्व	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टा-धृति	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. भवन :	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) पुनस्वामित्व भूमि	9,16,44,479	-	-	9,16,44,479	7,56,09,858	15,66,010	-	7,71,75,868	1,44,68,611	1,60,34,621
ख) पट्टा-धृति भूमि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट्स/परिसर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) भूमि के भवन संस्था से संबंधित नहीं है	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. प्लॉट मशीनरी और उपकरण	13,90,65,792	22,82,776	-	14,13,48,568	11,46,72,164	41,52,365	-	11,88,24,528	2,25,24,040	2,43,93,628
4. वाहन	2,53,712	-	-	2,53,712	41,604	31,816	-	73,420	1,80,292	2,12,108
5. फर्नीचर, जुड़नार	2,98,89,503	2,64,107	-	3,01,53,610	1,85,25,760	11,57,337	-	1,96,83,097	1,04,70,513	1,13,63,743
6. कार्यालय उपकरण	7,24,789	-	-	7,24,789	2,37,832	71,557	-	3,09,389	4,15,400	4,86,957
7. कम्प्यूटर/कम्प्यूटर से जुड़ा	72,28,405	-7,565	-1,34,468	70,86,372	50,53,224	7,90,110	-	58,43,334	12,43,038	21,75,181
8. इलेक्ट्रोनिक और उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9. पुस्तकालय के पुस्तकें	14,29,689	2,66,197	-	16,95,886	6,79,907	3,33,518	-	10,13,425	6,82,461	7,49,782
10. ट्यूबवेल और वाटर सप्लाई	2,10,308	-	-	2,10,308	10,515	9,990	-	20,505	1,89,803	1,99,793
11. अन्य अचल संपत्तियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अमूर्त संपत्तियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सॉफ्टवेयर	9,33,427	-	-	9,33,427	3,48,207	1,49,097	-	4,97,304	4,36,123	5,85,220
वर्तमान वर्ष का कुल	27,13,80,104	28,05,515	-1,34,468	27,40,51,151	21,51,79,070	82,61,801	-	22,34,40,871	5,06,10,304	5,62,01,033
पिछला वर्ष	26,61,46,859	56,37,214	4,03,969	27,13,80,104	20,55,81,164	95,97,907	-	21,51,79,072	5,62,01,033	6,05,65,696
ख. प्रगति में पूंजी कार्य	39,480	-	-	39,480	-	-	-	-	39,480	39,480
कुल	27,14,19,584	28,05,515	-1,34,468	27,40,90,631	21,51,79,070	82,61,801	-	22,34,40,871	5,06,49,784	5,62,40,513

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
वित्तीय वर्ष 2020-21

नोट 8 बी– अचल सम्पत्ति (सरकारी अनुदान द्वारा)

			सकल सम्पत्ति					विमूल्यन				कुल सम्पत्ति	
				वर्ष के दौरान जोड़े गए									
क्र.स.	अचल सम्पत्ति	मूल्य (%)	लागत/मूल्यांकन 01.04.2020 तक	180 दिन सें कम	180 दिन से ज्यादा	वर्ष के दौरान विलोप	लागत/मूल्यांकन 31.03.2021 तक	01.04.2020 तक	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान विलोप	31.03.2021 तक	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
1	भूमि												
	क) पूर्ण स्वामित्व		4,77,47,272	-	-	-	4,77,47,272	-	-	-	-	4,77,47,272	4,77,47,272
2	भवन												
	क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	10	8,36,58,40,270	-	-	-	8,36,58,40,270	3,91,74,40,021	44,48,40,025	-	4,36,22,80,046	4,00,35,60,224	4,44,84,00,248
	ख) कुएं और ट्यूबवेल	10	3,23,44,961	-	-	-	3,23,44,961	1,71,53,545	15,19,142	-	1,86,72,687	1,36,72,274	1,51,91,416
3	फर्नीचर और फिटिंग												
	क) फर्नीचर एंड फिटिंग	10	49,42,28,092	-	-	43,930	49,41,84,162	24,22,61,388	2,51,92,277	-	26,74,53,665	22,67,30,497	25,19,66,705
	ख) इलेक्ट्रिक फिटिंग	10	45,83,84,784	-	-	-	45,83,84,784	21,70,60,216	2,41,32,457	-	24,11,92,673	21,71,92,111	24,13,24,568
4	मशीनरी और प्लांट												
	क) प्लांट और मशीनरी	15	3,01,89,95,653	-	-	-	3,01,89,95,653	1,86,72,89,380	17,27,55,941	-	2,04,00,45,321	97,89,50,332	1,15,17,06,273
	ख) प्लांट और मशीनरी	40	55,96,03,706	-	-	-	55,96,03,706	39,18,71,008	6,72,93,079	-	45,86,64,087	10,09,39,619	16,82,32,699
	ग) कम्प्यूटर	40	10,39,67,937	83,880	48,395	-	10,41,00,212	9,87,80,939	21,10,933	-	10,08,91,872	32,08,340	51,86,998
	घ) वाहन	15	3,48,01,975	-	-	-	3,48,01,975	2,25,25,285	18,41,504	-	2,43,66,788	1,04,35,187	1,22,76,690
	ङ) पुस्तकें	40	8,27,99,254	-	-	-	8,27,99,254	8,23,64,851	1,73,761	-	8,25,38,612	2,60,642	4,34,403
5	अभूर्त सम्पत्ति												
	साफ्ट वेयर	25	90,81,045	-	-	-	90,81,045	86,70,724	1,02,580	-	87,73,304	3,07,741	4,10,322
	कुल		13,20,77,94,950	83,880	48,395	43,930	13,20,78,83,295	6,86,49,17,356	73,99,61,702	-	7,60,48,79,059	5,60,30,04,234	6,34,28,77,593
ख. पूंजीगत कार्य प्रगति पर			5,34,63,730	6,60,59,897	11,91,87,013	-	23,87,10,640	-	-	-	-	23,87,10,640	5,34,63,730
	कुल		13,26,12,58,680	6,61,43,777	11,92,35,408	43,930	13,44,65,93,935	6,86,49,17,356	73,99,61,702	-	7,60,48,79,059	5,84,17,14,874	6,39,63,41,323
	कुल योग								73,99,61,702			5,89,23,64,658	6,45,25,81,836

अनुसूची 9– निर्धारित/बंदोवस्ती से निवेश	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
3. शेयर	-	-
4. ऋण पत्र और बांड	-	-
5. सहायक और संयुकत उद्यम	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाने हेतु)	-	-
कुल	-	-

अनुसूची 10– निवेशक अन्य	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
1. सरकारी प्रति भूतियों में	-	-
2. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	-	-
3. शेयर	-	-
4. ऋण पत्र एवं बांड	-	-
5. सहायक एवं सयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य ग्रेच्युटी	-	-
1) ग्रेच्युटी भंडार	7,06,29,263	6,11,37,573
2) अन्य निवेश निधि	39,86,00,000	30,22,00,000
कुल	46,92,29,263	36,33,37,573

अनुसूची 11– वर्तमान परिसम्पत्ति, ऋण एवं अग्रिम	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
क) वर्तमान परिसम्पत्ति		
1. वस्तु सूची		
क) स्टोर्स एवं पुर्जे	92,52,967	95,52,178
ख) ढीले उपकरण	-	-
ग) स्टॉक-इन-ट्रेड	1,95,842	-
कार्य प्रगति के दौरान कच्चे सामाग्री का तैयार माल	-	-
2.विविध देनदारी		-
क) छः महीने से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण	1,80,14,142	1,53,14,647
ख) अन्य	2,41,19,070	1,50,23,732
ग) ब्रांच	-	-
3. हाथ में नकद शेष (चेक/ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सस्ति)	1,57,727	2,54,395
4. बैंक में अधिशेष		-
क) अनुसूचित बैंकों में		-
– चालू खातों में	5,50,27,534	4,09,53,953
–जमा खातों में (मार्जिन मनी के साथ) बचत खातों में	78,51,84,771	1,23,46,72,674
ख) गैर-अनुसूचित बैंक के साथ : चालू खातों में जमा खातों में-बचत खातों में	1,00,000	-
5. डाकघर – बचत खाता	-	-
कुल (क)	89,20,52,073	1,31,57,71,578
1. ऋण		
क) कर्मचारी	6,32,851	21,38,394
ख) संस्था के समान गतिविधियों/उद्देश्यों में संलग्न अन्य संस्थाएं	-	-
ग) अन्य (निर्दिष्ट)	-	-
2. नगद या वस्तु के रूप में या प्राप्त मूल्य के लिए वसूली योग्य अग्रिम तथा अन्य राशियां		-
क) पूंजी खाते पर	-	-
ख) पूर्व भुगतान	34,35,800	52,06,654
ग) अन्य (टीडीएस प्राप्य)	3,82,35,658	1,62,37,468
घ) अन्य प्राप्य		-
3. अर्जित आय		-
क) निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से निवेश पर	-	-
ख) निवेश पर–अन्य	-	-
ग) ऋण तथा अग्रिम पर	-	-
घ) अन्य	2,88,22,097	52,43,775
(अप्राप्त देय आय शामिल-रुपये)	-	-
4. प्रापय दावे	-2,645	27,364
5. अन्य-परसम्पत्तियाँ		-
क) लेनदारों को अग्रिम	87,87,896	1,50,50,020
ख) सुरक्षा जमा	98,03,738	95,13,700
ग) मोब, अग्रिम	28,54,967	-
घ) भीतरी कर	3,16,878	2,07,262
ङ) स्टाफ अग्रदाय	3,07,554	5,40,160
च) परियोजना से प्राप्य (एचआरडी अभियान)	52,711	52,711
छ) छात्र शुल्क प्राप्य	4,64,30,259	2,80,67,297
ज) सरकारी प्राधिकरण को अग्रिम	99,74,061	1,39,19,865
कुल (बी)	14,96,51,825	9,62,04,669
कुल (क + ख)	1,04,17,03,898	1,41,19,76,247

फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आय तथा व्यय का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

(रुपये में रकम)

अनुसूची 12– बिक्री/सेवाओं से आय	31.03.2021	31.03.2020
1. बिक्री से आय		
क) तैयार माल की बिक्री	1,287	7,293
ख) रॉ मैटेरियल की बिक्री	-	-
ग) रद्दी की बिक्री	2,500	-
2. सेवाओं से आय		
क) श्रम और प्रसंस्करण शुल्क	1,10,89,984	16,62,60,477
ख) पेशेवर/परामर्श सेवाएं	-	-
ग) एजेंसी आयोग और दस्तूरी	-	-
घ) रखरखाव प्रेषक (उपकरण/सम्पत्ति)	4,04,108	4,00,908
ङ) अन्य (लैब सेवाएं)	5,02,94,406	4,37,66,324
कुल	**6,17,92,285**	**21,04,35,002**

अनुसूची 13– वृत्ति/अनुवृत्ति	31.03.2021	31.03.2020
(अपरिवर्तनीय वृत्ति और अनुवृति प्राप्ति)		
1. केन्द्र सरकार	73,99,61,697	3,34,00,10,168
2. राज्य सरकारें		
3. सरकारी एजेंसियाँ	-	-
4. संस्थान/कल्याण निकाय	-	-
5. अन्तराष्ट्रीय संगठन	-	-
6. अन्य (निद्रिष्ट करें)	-	-
कुल	**73,99,61,697**	**3,34,00,10,168**

अनुसूची 14–शुल्क/अंशदान	31.03.2021	31.03.2020
1. प्रवेश शुल्क	-	-
2. वार्षिक शुल्क	78,341	64,903
3. संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क	-	-
4. परामर्श शुल्क	-	1,00,10,765
5. अन्य (छात्र शुल्क)	43,49,77,537	42,98,78,013
कुल	**43,50,55,878**	**43,99,53,681**

अनुसूची 15–निवेश से प्राप्त आय	निर्धारित निधि से निवेश		निवेश-अन्य		कुल	
(आय पर निवेश, निर्धारित/बंदोबस्ती विधि से स्थानांतरित)	31.03.2021	31.03.2020	31.03.2021	31.03.2020	31.03.2021	31.03.2020
1. ब्याजकुल						
क) सरकार पर प्रतिभूति	-	-	-	-	-	-
ख) अन्य बांड/ऋण पत्र	-	-	-	-	-	-
2. लाभांश						
क) शेयरों पर	-	-	-	-	-	-
ख) म्यूयुअल फंड सिक्योरिटीज पर	-	-	-	-	-	-
3. किराए	-	-	13,53,600	13,51,345	13,53,600	13,51,345
4. अन्य (ग्रेच्यूटी फंड पर निवेश)	-	-	46,68,530	42,33,686	46,68,530	42,33,686
कुल	-	-	60,22,130	55,85,031	60,22,130	55,85,031

अनुसूची 16– रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आप	31.03.2021	31.03.2020
1. रॉयल्टी से आय	-	-
2. प्रकाशन से आय	-	-
3. अन्य (निदृिष्ट करें)	-	-
कुल	**-**	**-**

अनुसूची 17–अर्जित ब्याज	**31.03.2021**	**31.03.2020**
1. सावधि जमा पर		
क) अनुसूचित बैकों पर	2,61,96,835	1,74,35,161
ख) गैर-अनुसूचित बैंक	-	-
ग) संस्थानों के साथ	7,51,705	10,84,131
घ) अन्य	10,25,000	10,25,000
2. बचत खातों पर		
क) अनुसूचित बैंकों के साथ	73,44,157	90,77,392
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ	-	-
ग) डाक पर बचत खातें	-	-
घ) अन्य	-	237
3. ऋण पर		
क) कर्मचारी/स्टॉफ	-	-
ख) अन्य	14,692	19,474
4. देनदारों पर ब्याज और अन्य प्राप्तियां	6,84,123	6,05,079
कुल	**3,60,16,512**	**2,92,46,474**

अनुसूची 18–अन्य आय	**31.03.2021**	**31.03.2020**
1. परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ		
क) स्वामित्व वाली सम्पत्ति	-	-
ख) अनुदानों से प्राप्त सम्पति या मुक्त में प्राप्त	-	70,106
2. निर्यात प्रोत्साहन से साधित	-	-
3. विविध सेवाओं के लिए शुल्क (कैड)	33,26,388	7,800
4. विविध आय	73,23,340	90,51,304
कुल	**1,06,49,728**	**91,29,210**

अनुसूचित 19–कार्य प्रगति पर तथा तैयार माल पर स्टॉक में वृद्धि/कमी	**31.03.2021**	**31.03.2020**
स्टॉक बन्द		
– तैयार माल	-	-
– कार्य प्रगति पर	-	-
– उपभोग्य	92,52,988	95,52,178
कम : स्टॉक खुला		
– तैयार माल	-1,95,842	-
– कार्य प्रगति पर	-	-
– उपभोग्य	95,52,178	1,08,92,757
कुल वृद्धि/कम) एफएबी	**-1,03,348**	**-13,40,579**

अनुसूची 20–स्थापना व्यय	**31.03.2021**	**31.03.2020**
क) वेतन और मजदूरी	19,89,44,432	23,21,11,288
ख) भत्ते और बोनस	18,84,427	30,22,913
ग) प्रोविडेंट फंड का अंशदान	1,70,61,703	1,92,06,898
घ) अन्य फंड का अंशदान (ई एस आई)	4,40,074	6,74,115
ङ) कर्मचारी कल्याण व्यय	69,30,121	74,01,921
च) कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति और सर्वाधिक लाभ	1,37,60,247	3,49,69,522
छ) अन्य (निदृिष्ट करें)	-	-
1. कर्मचारी बीमा	44,80,887	71,68,634
2. अर्जित छुट्टी	6,09,101	8,33,66,290
कुल	**24,41,10,992**	**38,79,21,579**

अनुसूची 21–अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	31.03.2021	31.03.2020
क) खरीददारी	-	-
ख) श्रम और प्रसंस्करण व्यय	28,91,755	7,75,266
ग) ढुलाई और गाड़ी के लिए	4,76,878	3,45,736
घ) बिजली और पावर	3,98,78,484	5,40,21,068
ङ) पानी शुल्क	10,59,591	28,67,346
च) बीमा	12,55,039	11,75,924
छ) मरम्मत और रखरवाव	1,40,99,936	2,03,07,587
ज) आबकारी विधिवत	-	-
झ) किराया, दरें और कर	15,85,844	22,37,582
ञ) वाहन चलाना और अनुरक्षण	18,98,476	45,03,020
ट) डाक, टेलीफोन और संचार शुल्क	51,05,399	50,42,756
ठ) मुद्रण और स्टेशनरी	29,89,482	41,58,059
ड) यात्रा और आवागमन व्यय	23,22,023	80,58,291
ढ़) संगोष्ठी/कार्यशाला में व्यय	4,07,386	7,79,488
ण) सदस्यता व्यय	16,41,677	26,64,770
त) शुल्क पर व्यय	56,68,624	1,39,47,850
थ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक	7,04,400	8,90,180
द) अतिश्य व्यय	1,92,477	4,77,944
ध) पेशेवर शुल्क	49,37,493	26,29,498
न) खराब और संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों पर प्रावधान	-	-
प) अपरिवतेनीय शेष राशि बट्टे खाते डाला हुआ	-	-
फ) पैकिंग शुल्क	-	-
ब) माल ढुलाई और अग्रेषण व्यय	-	30,000
भ) वितरण व्यय (इथियोपिया प्रोजेक्ट व्यय)	21,09,900	39,87,743
म) विज्ञापन और प्रचार	38,09,095	74,36,435
य) अन्य	-	
1. हाउस किपिंग व्यय	1,49,55,466	2,69,89,933
2. सुरक्षा व्यय	2,34,38,981	3,84,14,738
3. पुस्तकें तथा अवधिक	1,06,475	3,47,907
4. कार्यालय व्यय	76,45,320	95,38,208
5. उपभोग्य	15,32,468	36,53,607
6. प्रशिक्षण व्यय	46,11,915	1,07,04,476
7. मैस व्यय	24,50,507	2,24,95,632
8. इलेक्ट्रानिक वस्तुओं परखर्च	1,108	-
9. छात्र कल्याण खर्च	3,09,716	9,13,763
10. साफ्टवेयर खर्च	11,73,025	2,23,304
11. अचल सम्पत्ति बट्टे खाते डाला हुआ	-	10,055
12. बैंक चार्ज	30,087	17,287
13. टीडीएस तथा जीएसटी पर ब्याज	4,648	-
14.अग्नि सुरक्षा पर एनओसी चार्ज	10,81,786	-
15.घरेलू शिपिंग व्यय	47,518	-
कुल	**15,04,22,979**	**24,96,45,454**

अनुसूची 22–अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	31.03.2021	31.03.2020
क) संस्थानों/संगठानों को दिया गया अनुदान		
ख) वर्ष के दौरान उपयोग किए गए अनुदान (अनुदान) के खिलाफ बट्टे खाते में डाली गई अचल सम्पत्त सहित)	73,99,61,697	3,34,01,50,239
ग) संस्थानों/संगठनों को दिया गया सब्सिडी	-	-
कुल	**73,99,61,697**	**3,34,01,50,239**

नोट :– संस्थाओं के नाम, उनकी गतिविधियों के साथ-साथ अनुदान/सब्सिडी राशि का खुलासा किया जाना है।)

अनुसूची 23–ब्याज	31.03.2021	31.03.2020
क) स्थायी ऋण पर	-	-
ख) अन्य ऋण पर (बैंक प्रभार सहित)	-	-
ग) अन्य (निदृिष्ट)	-	-
कुल	-	-

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

अनुसूची –24 : महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1.वित्तीय विवरणों को तैयार करने का आधार :

क) प्रस्तुत वित्तीय विवरणों को परम्परागत लागत परिपाटी के आधार पर तैयार किया गया है।

ख) लेखा नीतियों जो अन्यथा विशिष्ट रूप से संदर्भित नहीं हैं, प्रायः इस संस्थान के मान्य लेखा सिद्धांतों के अनुरूप है।

ग) आय एवं व्यय मदों को प्रोद्ववन के आधार पर स्वीकृत किया गया है।

2.अचल सम्पत्तियाँ :

क) खरीदी गई/सृजित अचल सम्पत्तियों को अधिग्रहण की लागत घटाकर संचित मूल्यहास पर कथित है। अधिग्रहण की लागत में माल ढुलाई, शुल्क, कर और अन्य अनिवार्य खर्चे शामिल हैं।

ख) निम्नलिखित भूमियों को उनके संबंधित राज्य सरकार द्वारा लागत विहीन आवंटित किया गया है। इसे खाता बहियों में 1/– रुपये के मामूली मूल्य पर दर्शाया गया है।

- तमिलनाडु, चेन्नई में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि
- पश्चिम बंगाल, कोलकाता में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि
- हरियाणा, रोहतक में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि
- राजस्थान, जोधपुर में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि
- हैदराबाद में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि
- बिहार, पटना में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि
- पंजाब, बानूर में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि

3.विमूल्यन :

चालू वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान सरकार से खरीदी और बनाई गई सभी सम्पत्तियों पर विमूल्यन लगाया गया है। चालू वर्ष के दौरान सम्पत्ति पर लगाया गया कुल विमूल्यन 73,99,61,697/– रुपये था और अनुदान को उसी मूल्य के विरूद्ध समायोजित किया गया है ।साथ ही एफ डी डी आई के फंड से खरीदी गई सम्पतियो पर भी रु० 82,61,801/– का विमूल्यन किया गया है। नीति के अनुसार, वर्ष 2020–21 के दौरान किए गए पूजीगत कार्य से संबंधित पूंजीगत व्यय पर कोई अमूल्यन प्रदान नहीं किया गया है क्योंकि उन्हें तुलन पत्र तिथि तक पूंजीगत नहीं किया गया था।

4.निवेश :

लंबी अवधि और अल्पकालिक दोनों निवेशों का मूल्यांकन तुलन पत्र की तिथि के अनुसार लागत मूल्य पर किया गया है

5.वस्तु सूची :

विभाग प्रमुखों द्वारा प्रमाणित करने के अनुसार , सामग्रियों को लागत मूल्य पर मूल्यांकन किया गया है।

6. राजस्व मान्यताः

अनुदान/सब्सिडी को छोड़कर सभी आय को प्रोद्ववन के आधार पर लेखा किया गया है, जिसे सरकारी अनुदान से खरीदी गई परिसम्पत्तियों पर लगाए गए अवमूलयन सहित किए गए व्यय की सीमा तक आय के हिस्से के रूप में दिखाया गया है।

7. व्ययः

सभी व्यय प्रोद्ववन के आधार पर दर्ज किए गए है। वर्ष 2020–21 के दौरान, अवकाश नकदीकरण के प्रावधान के कारण निर्धारित किया गया व्यय रु. 4,82,468/–और बीमांकिक मूल्यांकन के बाद वर्ष 2020–21 में ग्रेच्युटी के लिए 1,22,98,964/– रुपये का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है। अवकाश नकदीकरण के लिए कुल प्रावधान 31.03.2021 को रु. 6,89,24,892/– और ग्रेच्युटी का प्रावधान 9,19,14,345/– रुपये है, जिसमें से रु 7,06,29,263/– एलआईसी ग्रुप ग्रेच्युटी योजना में निवेश किया गया है।

8. कार्य प्रगति पर पूंजीकरण :

वर्ष के दौरान 23,87,10,640/– रुपये को पूंजीगत कार्य प्रगति के रूप में दिखाया गया है। बानूर, पंजाब, जोधपुर, कोलकाता, रोहतक, चेन्नई और हैदराबाद में एफडीडीआई की शाखाओं में उत्.ष्टता केन्द्र (सीओईस) की स्थापना के लिए खर्च किया गया।

9. व्यय पर आय की अधिकता/कमी

संगठन नीति के रूप में, एफडीडीआई ने व्यय पर आय की अधिकता रुपये 14,66,37,413/– को पूंजी/कॉर्पस फंड में स्थानांतरित कर दिया गया है ।

10. अनुदान सहायताः

चालू वर्ष के दौरान एफडीडीआई को 81,07,57,979/– रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ और 1,97,86,660 रुपये अनुदान से आय अर्जित की गई।रु 73,99,61,697 रुपयेका संपत्ति पर मूल्यह्रास के खिलाफ उपयोग/समायोजित अनुदान, 46,65,52,959/– की सब्सिडी के वितरण के लिए आईडीएलएस और 43,58,386/– रुपये का अन्य आवर्ती प्रशासनिक व्यय किया गया है। सीओईस, एच आरडी मिशनों, आईडीएलएस आदि का अनुदान एवं वर्ष 2020–21 के दौरान प्राप्त अनुदान सहित 31.03. 2021 को अनुदान की स्थिति निम्नानुसार हैः

01.04.2020 को अनुदान की शेष राशि	7,29,11,96,824 रुपये
वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	81,07,57,979 रुपये
जोड़ : अप्रयुक्त अनुदान पर अर्जित व्याज तथा आय	1,97,86,660 रुपये
कुल	8,12,17,41,463 रुपये
कम : अचल सम्पतियों पर लगाया गया अवमूल्यन	73,99,61,697 रुपये
कम : आईडीएलएस के तहत उद्योग को भुगतान की गई सब्सिडी	43,51,58,605 रुपये
कमः अनुदान के विरुद्ध समायोजित आवर्ती व्यय	46,65,52,959 रुपये
कमः अन्य प्रशासनिक व्यय	43,58,386 रुपये
31.03.2021 को अनुदान की शेष राशि	6,47,57,09,811 रुपये

11. i) स्टॉक तथा नगद के शेष को एचओडी द्वारा प्रमाणित के अनुसार लिया गया है जो कि 31.03.2021 को उनके द्वारा भौतिक रूप से सत्यापित है।
    ii) विविध लेनदारों, देनदारों, प्राप्य, ऋण व अग्रिम तथा अन्य देयत्ताओं के शेष चाहे नामे में हो या जमा में, पुष्टिकरण और मिलान के अधीन है।

iii) संस्थान ने अपनी सभी शाखाओं तथा मुख्यालय के लिए अपनी नियमित आंतरिक लेखा परीक्षा संचालित करने के लिए चार्टर्ड एकाउंटेंटों की फर्मों को नियुक्त किया है। हमने शाखाओं की पुस्तकों को आंतरिक लेखा परीक्षा से यथा परीक्षित बनाया है।

iv) वित्तीय विवरणों को पूरा करते समय सभी वित्तीय आंकड़ों को निकटतम रुपये में बदल दिया गया है।

v) पिछले वर्ष के आंकड़ों को यथावश्यक पुनः समूहित और पुनः व्यवस्थित किया गया है ।

vi) सभी शाखाओं की अचल परिसम्पत्तियों (परियोजना से संबंधित) का रख रखाव मुख्यालय में रखा गया है।

अनुसूचीः 25 आकस्मिक देयताएं :

i) आकस्मिक देयताएंः नोएडा प्राधिकरण द्वारा दिनांक 25.05.2021 को एक पत्र जारी कर नोएडा परिसर के लिए जमीन के पट्टा किराया और ब्याज के रूप में 9.21 करोड़ रुपये की मांग की है। इस संबंध में यह प्रस्तुत किया जाता है कि पट्टा किराया का भुगतान आज तक का कर दिया गया है लेकिन पट्टा किराये के भुगतान में देरी पर ब्याज देय है। ब्याज माफ करने के लिए इस मामले को नोएडा से उठाया जा रहा है।

द्वारा फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस
प्रबंध निदेशक

एम. एस. खत्री
सलाहकार (लेखा और वित्त)

स्थान : नोएडा
दिनांक : 20-10-2021

वेबिनार आयोजित

एफडीडीआई के सभी परिसरों में वेबिनार आयोजित किए गए थे, जिसका उद्देश्य व्यक्तियों, व्यावसायों और सरकारों को प्रभावित करने वाली चुनौतियों को रेखांकित करना है, और कैसे समाधान की आपूर्ति में प्रौद्योगिकियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

क्र.सं.	वेबिनार का विषय	कैंपस	संसाधन व्यक्ति	दिनांक
१.	चिकित्सा वस्त्रों और उसके अनुप्रयोगों का प्रभाव	हैदराबाद	श्री वाई. वी. आशीष, टेक्सटाइल इंजीनियर फॉर्म कॉलेज ऑफ एंड टेक्नोलॉजी (सीईटी)	07.05.2020
२.	उद्यमिता और पारिवारिक व्यवसाय स्टार्ट अप में चुनौतियाँ और अवसर	जोधपुर	प्रो. समीश दलाल, क्वींसलैंड विश्वविद्यालय से एमबीए, एसोसिएट प्रोफेसर एस पी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल मैनजमेंट, मुंबई	09.05.2020
३.	खुदरा क्षेत्र में कैरियर की संभावनाएं	बानूर	डॉ. अविनाश वाजपेई (केंद्र प्रभारी) और श्री रितेश गुप्ता (विभागाध्यक्ष–खुदरा)	10.05.2020
४.	कोविड–19 और खुदरा डिजिटलीकरण प्रक्रिया में इसका प्रभाव	छिंदवाड़ा	श्रीमती शाश्वती भौमिक, एचओ.डी. और सीनियर फैकल्टी, रिटेल मैनेजमेंट	17.05.2020
५.	डिजाइन प्रोसेसः इम्प्रेशन टू फैशन कस्टमरस	बानूर	श्री जॉर्जी सनी, फैशन डिजाइनर सह सहायक प्रोफेसर, फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान–चेन्नई	29.05.2020
६.	फैशन और फुटवियर उद्योग में महामारी और नवाचार का प्रभाव	अंकलेश्वर	श्री विक्टर मणिराज – किनसे निट इंटरनेशनल, तिरुपुर, निदेशक और श्री रोनी डबरे– एचआर– हेड, केशव फैशन प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई	15.06.2020
७.	गारमेंट्स और एक्सेसरीज मे महामारी के बाद की जागरूकता	बानूर	श्रीमती भावना सुधीर इंड्रस्टीज प्रोफेशनल–होम गुड्स एंड फैशन एक्सेसरीज, न्यूयॉर्क और सुश्री सोनल गढ़वी एडेप्टिव वियर प्रैक्टिसिंग गारमेंट डिजाइनर, सोलफुल क्रिएशंस	12.07.2020
८.	विजेता बने	चेन्नई	श्री चंद्र भानु ओझा, एजीएम, वीकेसी–ग्रुप, केरलाबऔर श्री विवेक श्रीवास्तव, कारपोरेट एचआर हेड, विक्टर कंपाउंडिंग इंडिया प्रा लिमिटेड, नोएडा	11.07.2020
९.	ऑर्गनाइज रिटेल पर कोविड –19 का प्रभाव	रोहतक	श्री दीपक सिंह, स्टोर मैनेजर–होम सेंटर	31.07.2020
१०.	भारत के हथकरघा क्षेत्र पर कोविड–19 का प्रभाव	छिंदवाड़ा	डॉ. अमृता रोजपूत, विभागाध्यक्ष–फैशन डिजाइन, सेज यूनिवर्सिटी, इंदौर और श्री नीरज जायसवाल, संकाय निफ्ट, कांगरा	07.08.2020
११.	टेक्निक फॉर इम्पथी इंटरव्यू इन डिजाइन थिंकिंग में	चेन्नई	श्री सोमासुंडोरम. जी, प्रधान व्यवसाय विकास, टेक्सवॉली मार्कट लिमिटेड	07.08.2020

१२.	कपड़ा उद्योग पर टॉक शो	छिंदवाड़ा	श्री आशीष अग्रवाल, श्री आशीष अग्रवाल, निफ्ट–दिल्ली से पोस्ट–ग्रेजुएट, कई ब्रांड्स जैसे, जारा, वॉलमार्ट, टॉमी हेइलफिगर का प्रतिनिधित्व करते हैं। श्री प्रमोद अधिकारी, निफ्ट दिल्ली स्नातक और फैशन रिटेल प्रोफेशनल और श्री अमित सुरेका, क्षेत्रीय प्रबंधक–उत्तर, एसजीएस लैब	09.08.2020
१३.	सकारात्मक सोचो	चेन्नई	श्री थमीम अहमद, महाप्रबंधक, एनएमजेड समूह, अंबुर, तमिलनाडु	18.08.2020
१४.	जूते और चमड़े माल उद्योग में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न प्रकार के गोंद	कोलकाता	श्री ब्रिजेश शर्मा, तकनीकी प्रबंधक और श्री तापस, तकनीकी बिक्री एआईएस हेनकेल	18.08.2020
१५.	एक प्रतिस्पर्धी लाभ के रूप मे खुदरा संचालन	हैदराबाद	श्री अमित रावेस्कर, रेमंड के व्यापार प्रबंधक,नागपुर	24.08.2020
१६.	मर्चेंडाइजिंग और वर्गिकरण योजना का खाका	नोएडा	श्री उज्जवल खमारू, प्रसिद्ध पेशेवर, खुदरा क्षेत्र	28.08.2020
१७.	टेक्निकल कंसीडेरेसन ऑफ सोल्स एंड कस्टमर सैटिस्फैक्शन	चेन्नई	श्री प्रवीण कुमार सिंह,समूह प्रबंधक– प्रशिक्षण एवं विकास, बाटा इंडिया लिमिटेड	12.09.2020
१८.	बूने हुए परिधानों मे उत्पाद विकास	छिंदवाड़ा	सुश्री गुरकिरन कौर, प्रेसिडेंट ऑपरेशंस, फैशन मैट्रिक्स ओवरसीज लुधियाना	14.09.2020
१९.	खुदरा क्षेत्र में डिजाइन का दायरा	छिंदवाड़ा	श्री हर्ष गुप्ता, हेड ऑफ सोर्सिंग– अनलिमिटेड फॉर्मेट, अरविंद फैशन लिमिटेड बैंगलोर	20.09.2020
२०.	3डी प्रिंटिंग एप्लीकेशन ओवरव्यू–फुटवियर, प्रोस्थेटिक्स एंड बायोमैकेनिक्स	नोएडा	श्री विनोद पांडे, विशेषज्ञ योजक विनिर्माण (3 डी प्रिंटर)/सीएडी/सीएएम/ सीएनसी, एड्रोइटेक और श्री चुरिया ग्लोबल एप्लीकेशन इंजीनियर–एचपी	24.09.2020
२१.	डिजाइन सोच और नवाचार	छिंदवाड़ा	सुश्री मौलश्री सिन्हा, सहायक प्रोफेसर और केंद्र समन्वयक , फैशन संचार विभाग, निफ्ट, कांगरा	26.09.2020
२२.	डिजाइन में आईपीआर का महत्व	छिंदवाड़ा	डॉ दीपक जोशी, सहायक प्रोफेसर और यूनिट प्रभारी (आईपीआर), फैशन प्रबंधन अध्ययन विभाग, निफ्ट–दिल्ली	29.09.2020
२३.	चमड़ा और चमड़ा उत्पादों के लिए फैशन पूर्वानुमान मे भारत की यात्रा	हैदराबाद	श्री मोहम्मद सादिक, मुख्य वैज्ञानिक, सी एसआईआर–सीएलआरआई, चेन्नई	08.10.2020
२४.	रिटेल बाइंग इनसाइट्स	हैदराबाद	श्री सौरभ चंद्रा, बाइंग एंड मर्चेंडाइजिंग रोल, ली कूपर	09.10.2020
२५.	गाइट एनालिसिस एप्लीकेशन फॉर फुटवियर डिजाइनिंग	नोएडा	श्री जी. सतीश बाबू, फिजिकल थेरपिस्ट एंड बायो मैकेनिस्ट विश्लेषक, सुश्री कैटरीना हेजल्टमैन, फील्ड एप्लीकेशन और सपोर्ट टीम क्वालिसिस के सदस्य,स्वीडन, डॉ. विन्सेंट फोहानो, कंकाल सॉल्वर के विशेषज्ञ और डॉ. क्रिस बिशप पीएचडी, स्पोर्ट्स एंड ऑर्थोपेडिक पोडियाट्रिस्ट, निदेशक, बायोमैकेनिक्स द बायोमैकेनिक्स लैब, एडिलेड, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया	13 से 15 अक्टूबर 2020

२६.	भविष्य के रुझान और एथेलेटिक और स्पोर्ट्स फूटवेयर प्रोधोगिकी के वैशविक बाजार मे भारत की स्थिति	हैदराबाद	श्री निरेन आनंद, संस्थापक, एवरट्रेड ग्रुप, चीन	15.10.2020
२७.	जेंडर सेंसिटीजेशन/पोज	नोएडा	सुश्री अपर्णा सेठी, संस्थापक एवं सीईओ/प्रोटच	20.10.2020
२८.	डिफरेंट टाइप ऑफ एथेलेटिक्स एंड स्पोर्ट्स–स्पेसिफिक फुटवियर	हैदराबाद	श्री अनिल साहू, निदेशक, मोचिको शूज प्रा. लिमिटेड, उत्तराखंड, भारत	22.10.2020
२९.	3डी प्रिंटिंग इन फुटवियर डिजाइनिंग	फुर्सतगंज	आनंद कुमार मिश्रा, शबी टेक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग), सीनियर प्रोडक्ट ट्रेनर, 3डी एक्सटर एजुकेशनस एंड मैन्युफैक्चरिंग सॉल्यूशंस	27.10.2020
३०.	लाइफ स्किल्स–ए की टू सक्सेस थ्रू पॉजिटिव माइंड प्रोग्रामिंग एंड सेल्फ इमेज बिल्डिंग	छिंदवाड़ा	सुश्री चंदर ज्योति – लाइफ कोच तथा मोटिवेशनल स्पीकर, मेडिटेशन मास्टरध्लाइफ इन रिलेशनशिप एडवाइजर/न्यूरो लिंग्विस्टिक प्रोग्रामिंग काउंसलर	29.10.2020
३१.	चमड़ा और जूते का परीक्षण	हैदराबाद	श्री मार्क साउथम, फुटवियर सलाहकार और सुश्री क्रिस्टीन एंस्कोम्बे, सहायक निदेशक सतरा प्रौद्योगिकी केंद्र, नॉर्थम्पटनशायर, यूनाइटेड किंगडम	04.11.2020
३२.	वर्चुअल रिटेल एलुमनाई कनेक्ट – रिटेल इन मिडिल ईस्ट – यूज ऑफ डिजाइन प्रिंसिपलस फॉर इंपेक्टफूल विंडो डिसप्ले – पोस्ट–कोविड चेंजेस इन रिटेल इंड्रस्टीजध	छिंदवाडा	सुश्री दीक्षिता दाखोडे– सहायक स्टोर प्रबंधक, चार्ल्स और कीथ (अपरेल्स ग्रुप) कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात श्री तुषार खोडे – विजुअल मर्चेंडाइजर, होम सेंटर (लैंडमार्क ग्रुप), विशाखापत्तनम, आंध्रवप्रदेश श्री राहुल भाडे – कॉन्सेप्ट मैनेजर, लाइफस्टाइल इंटरनेशनल प्रा. लिमिटेड, इंदौर, मध्य प्रदेश	19.11.2020
३३.	दिशा– री–एन्विशनिंग कैरियर प्रॉस्पेक्ट्स इन फुटवियर इंडस्ट्री पोस्ट कोविड–19 प्रजेंट सिनेरियो ऑफ फुटवियर इंड्स्ट्री अक्रॉस द वर्ल्ड पोस्ट कोविड–19 – कैरियर के अवसरों की भविष्य की संभावनाएंय और नियुक्ति से पहले तैयारी – श्री नंदन राय, उत्पात खुदरा एवं सॉफ्ट स्किल ट्रेनर,बाटा इंडिया लिमिटेड	फुर्सतगंज	श्री सुजल प्रताप सिंह , सीइओ ऑफ इंडियन ग्रे, नोएडा श्री कुलदीप शुक्ला, मैनेजर (टेक्निकल, क्यू. ए एंड कंप्लीआन्सेस) ऑफ सी आई आई, हॉन्ग कॉन्ग, चाइना मर्चेंडाइजर के लिए आवश्यक सॉफ्ट स्किल का महत्व और फुटवियर इंडस्ट्रीज में नौकरी खरीदने तथा मार्केटिंग और मर्चेंडाइजिंग क्षेत्रों में आवश्यक पूरक कौशल। श्री आतिफ सिक्कीक्वी, स्केचर्स, प्रोडक्ट मर्चेंडाइजर, साउथ एशिया	12 से 15 जनवरी 2021

	– व्यापारिक कौशल, उत्पाद व्यापारी के रूप में नौकरी के अवसर और एक डिजाइनर फुटवियर उत्पाद उद्योग – व्यवसाय के संदर्भ में मर्चेंडाइजर और डिजाइनर की जिम्मेदारियाँ, कोविड–19 के पहले और कोविड 19 के बाद के व्यापार की शर्तें – कोविड 19 के उपरांत दुनियाभर में, भविष्य में फुटवियर उद्योग में करियर के अवसरों की संभावनाएं – डिजाइनर के पोर्टफोलियो, संग्रह विकास 2021–22 में फैशन पूर्वानुमान रुझानय और गुणवत्ता पहलू, रिटेल ऑपरेशनस		सुश्री प्रतिमा श्रीवास्तव, सहायक क्रेता–सह डिजाइनर, बीकेसी, मुंबई श्री अकिब जावेब गुणवत्ता प्रमुख, लैंडमार्क दुबई सुश्री दीक्षा, डिजाइनर पैरागॉन बेंगलुरु सुश्री तृषा चौहान, वरिष्ठ कार्यकारी–खुदरा संचालन, स्केचर्स, मुम्बई	
३४.	स्मार्ट ई–कॉमर्स	नोएडा	श्री आदित्य विक्रम बोहरा, एजिओ में प्रीमियम ब्रांड डिवीजन के नेतृत्वकर्ता वरिष्ठ प्रबंधक के रूप में	27.01.2021
३५.	एंड टू एंड प्रोसेस इन फैशन इंड्रस्टीज	नोएडा	सुश्री अनुरीता चंदोला, वीयर्ड फिश में वीमेन मैनलाइन एंड रिटेल डिजयनायर यूके	03.02.2021
३६.	मानव संसाधन नीतियां और प्रक्रियाएं / प्रणालियां	नोएडा	एचआर–एचक्यू, नोएडा टीम	05.02.2021
३७.	'डिजिटल मार्केटिंग' का परिचय और रुझान	बानूर	सुश्री मनाली आनंद, डिजिटल मार्केटिंग और सॉफ्ट स्किल स्पीकर	24.02.2021

न सिर्फ एफडीडीआई के कर्मचारी, बल्कि उद्योग ने भी छात्रों को प्रेरित करने के लिए हाथ मिलाया है। चमड़ा, फैशन, जूते और रिटेल (खुदरा) उद्योग के दिग्गज वेबिनार और अहनलाइन सत्रों के जरिये से छात्रों के साथ बातचीत कर रहे हैं जो कौशल को बढ़ावा देने के लिए प्रकाश डालते हैं ताकि छात्र वंचित महसूस न करें। इस तरह की अंतर्दृष्टि प्राप्त करना न केवल उनके कौशल और ज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए, बल्कि करियर की प्रगति को सुरक्षित करने के लिए भी आवश्यक है।

FDDI

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार
एफडीडीआई अधिनियम 2017 के अन्तर्गत एक
राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

एफडीडीआई अधिनियम 2017 के अन्तर्गत एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई)

विशेषज्ञता क्षेत्रः

- फुटवियर डिज़ाइन एण्ड प्रोडक्शन
- लेदर गुड्स एण्ड एक्सेसरी डिज़ाइन
- रिटेल एण्ड फैशन मर्चेनडाइज़
- फैशन डिज़ाइन

अधिक जानकारी के लिएः
सम्पर्क करें
दूरभाषः 0120–4500100
WWW.FDDIINDIA.COM

एम. डेस. और बी. डेस. पाठ्यक्रम उपलब्ध